@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/ qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
बुधवार, 13 नवंबर 2024

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 18 अंक 3 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

दिवालिया राज्य सरकार करेगी गृह लक्ष्मी योजना बंद: देवगौड़ा

बंगलूरू, 11 नवंबर। जेडीएस के संरक्षक और पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवगौड़ा ने कहा कि दिवालिया कर्नाटक सरकार गृह लक्ष्मी योजना को बंद कर देगी। इस पर कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की।

उन्होंने सोमवार को कहा कि भाजपा और जेडीएस हमेशा से राज्य में कांग्रेस सरकार द्वारा दी जाने वाली सभी गारंटियों को बंद करना चाहते थे। गृह लक्ष्मी योजना कांग्रेस सरकार की पांच गारंटियों में से एक है, जिसके तहत बीपीएल परिवारों की महिला मुखियाओं को 2,000 रुपये दिए जाते हैं। रविवार को एक चुनावी रैली में जेडीएस के संरक्षक ने कहा, कांग्रेस सरकार ने खजाना खाली कर दिया है। पूरे राज्य में महिलाओं के बैंक खातों के लिए कोई गृह लक्ष्मी फंड नहीं है, लेकिन उन्होंने (कांग्रेस ने) चुनाव को ध्यान में रखते हुए चन्नपटना निर्वाचन क्षेत्र की महिलाओं के खातों में विशेष रूप से पैसे जमा किए हैं। गौड़ा अपने पोते निखिल कुमारस्वामी के लिए वोट मांगने चन्नपटना में थे, जो जेडीएस के टिकट पर विधानसभा उपचुनाव लड़ रहे हैं। पूर्व प्रधानमंत्री ने कहा, यह सरकार दिवालिया हो चुकी है। चुनाव के बाद वे फिर से पैसा जमा करना बंद कर देंगे। उनके पास बंगलूरू में गड्ढे भरने के लिए भी पैसे नहीं हैं। लोग गुस्से में हैं। टिप्पणियों पर प्रतिक्रिया देते हुए शिवकुमार ने कहा, देवगौड़ा ने कहा था कि गृह लक्ष्मी गारंटी बंद कर दी जाएगी। वह इतनी अच्छी योजना पेश करने के लिए भाग्यशाली नहीं हैं। हम अपनी माताओं और बहनों को उनका जीवन आसान बनाने के लिए यह दे रहे हैं, लेकिन भाजपा और जेडीएस इसे छीनना चाहते हैं।

जनवरी से शून्य-त्रुटि प्रवेश परीक्षा प्रक्रिया लागू करेगी सरकार: धर्मेंद्र प्रधान

सिम्मी कौर बब्बर

नई दिल्ली, 12 नवंबर। केंद्र सरकार ने अब शून्य-त्रुटि प्रवेश परीक्षा की दिशा में कदम बढ़ाने का निर्णय लिया है। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने इस संबंध में मंगलवार को महत्वपूर्ण घोषणा की। उन्होंने बताया कि सरकार जनवरी से विभिन्न प्रवेश परीक्षाओं में सुधार लागू करने जा रही है। धर्मेंद्र प्रधान ने राज्य सरकारों से इस पहल में सहयोग की अपील की है। उनका कहना था कि राधाकृष्णन पैनल ने राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (ह्ज्ञ) में सुधारों के लिए एक रूपरेखा तैयार कर दी है। इन सिफारिशों को लागू करने के लिए राज्य सरकारों का समर्थन आवश्यक होगा। उन्होंने उच्च शिक्षा और तकनीकी शिक्षा पर आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला में यह बात कही। प्रधान ने कहा कि उन्होंने सभी राज्य सरकारों के शिक्षा सचिवों से मुलाकात की है और उन्हें आगामी एंट्रेंस एग्जाम के सुधारों के लिए तैयार रहने को कहा है। कार्यशाला में केंद्र और राज्य शासित प्रदेशों के शिक्षा सचिवों ने भाग लिया। मंत्री ने यह भी कहा कि पिछले साल के अनुभवों को ध्यान में रखते हुए कई सुधार प्रस्तावित किए गए हैं। धर्मेंद्र प्रधान ने यह स्पष्ट किया कि प्रवेश परीक्षाओं को शून्य त्रुटि तक लाने की जिम्मेदारी केंद्र और राज्य सरकारों दोनों की है। उन्होंने कहा, हम एक टीम के रूप में काम करेंगे ताकि हमारे बच्चों में आत्मविश्वास पैदा किया जा सके। प्रधान ने

यह भी कहा कि प्राथमिक लक्ष्य राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (ह्ज्ञ) को मजबूत करना और जनवरी 2025 में शुरू होने वाले नए प्रवेश परीक्षा चक्र से पहले खामियों को दूर करना है। परीक्षा सुरक्षा मुद्दों की जांच करने और सुधार का प्रस्ताव करने का काम करने वाली राधाकृष्णन समिति ने इस महीने की शुरुआत में अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत की। इसकी प्रमुख सिफारिशों का उद्देश्य त्रुटियों को कम करना, परीक्षा की अखंडता में सुधार करना और ह्ज्ञ के संचालन को मजबूत करना है। केंद्र सरकार ने चिकित्सा प्रवेश परीक्षा हश्वश्ज्ञ और क्ड्डष्ठ प्रवेश परीक्षा हश्वज्ञ में कथित अनियमितताओं को लेकर आलोचनाओं का सामना किया था। इसी को ध्यान में रखते हुए जून में, केंद्र ने एनटीए के द्वारा पारदर्शी, निष्पक्ष और सुचारू परीक्षा संचालन के लिए राधाकृष्णन पैनल का गठन किया था। पैनल की अध्यक्षता पूर्व इसरो प्रमुख के. राधाकृष्णन कर रहे हैं। इस पैनल में कई प्रमुख व्यक्तित्व शामिल हैं, जैसे कि एम्स दिल्ली के पूर्व निदेशक रणदीप गुलेरिया, हैदराबाद केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति बी जे राव, आईआईटी मद्रास के सिविल इंजीनियरिंग विभाग के प्रोफेसर एमेरिटस के राममूर्ति, पीपल स्ट्रॉन्ग के सह-संस्थापक पंकज बंसल, आईआईटी दिल्ली के छात्र मामलों के डीन आदित्य मित्तल और शिक्षा मंत्रालय के संयुक्त सचिव गोविंद जायसवाल।

अखिलेश, ओवैसी और चंद्रशेखर लगाएंगे सियासी तड़का

मुजफ्फरनगर, 12 नवंबर। मीरापुर उपचुनाव का प्रचार जोर पकड़ रहा है। राजनीतिक दलों के लिए अगले पांच दिन बेहद महत्वपूर्ण हैं। विजयश्री के लिए तरकश के हर तीर को छोड़ा जाएगा। दिलचस्प बात यह है कि अब एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी की एंट्री भी होने वाली है। सपा की जनसभा के बाद रालोद रोड शो की तैयारी में जुटा है। भाजपा-रालोद गठबंधन साफ कर चुका है कि मीरापुर का चुनाव उनके लिए प्रतिष्ठा का सवाल है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और रालोद अध्यक्ष जयंत सिंह की जनसभा में सपा मुखिया और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव निशाने पर रहे। ऐसे में अब 16 नवंबर को ककरौली में होने वाली समाजवादी पार्टी की जनसभा पर सबकी निगाह टिकी हुई है। देखने वाली बात यह होगी कि सपा मुखिया किस तरह अपने ऊपर किए गए वार पर पलटवार करते हैं। सपा खेमे की पूरी उम्मीद इस जनसभा पर टिकी है। सपा मुखिया की जनसभा के बाद भाजपा-रालोद गठबंधन रोड शो की तैयारी में जुटा है। बहुत संभावना इस बात की है कि 17 नवंबर को रालोद अध्यक्ष एवं केंद्रीय राज्यमंत्री जयंत सिंह मीरापुर विधानसभा में अकेले रोड शो करेंगे। प्रचार के आखिरी दिन मीरापुर में दो जनसभाएं होंगी।

+ Gomber Diabetic Care +
(Gomber Medicare)

नमस्कार सभी को,
प्रिय मित्रों, एक सामाजिक उद्देश्य के लिए **Walkathon** में शामिल हों।
मधुमेह के मुद्दों पर बात करें और चलें।

विश्व मधुमेह दिवस, 14 नवंबर पर सुबह 7 बजे **Gomber Medicare** (F-2, विजय नगर, दिल्ली-110009) से शुरू करें। **Delhi University Ridge** के चारों ओर चलें और सुबह 9 बजे तक वापस आ जाएं। लगभग 5-6 किमी की दूरी।

मधुमेह के सभी जांच उस 2 घंटे के दौरान मुफ्त में उपलब्ध रहेंगे!

किट और रिफ्रेशमेंट सेंटर पर उपलब्ध होंगे।

क्या संविधान में लिखा कि सरकार गिराने के लिए विधायक खरीदे जाएं ?: राहुल गांधी

नरेश मल्होत्रा

गोंदिया, 12 नवंबर। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने एक बार फिर संविधान के मुद्दे को लेकर भाजपा और प्रधानमंत्री पर हमला बोला। उन्होंने भाजपा से सवाल पूछा कि क्या संविधान में लिखा है कि सरकार को गिराने के लिए विधायकों को खरीदना चाहिए? महाराष्ट्र के गोंदिया में एक जनसभा को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने कहा कि मैं गारंटी दे सकता हूं कि पीएम मोदी ने कभी भी भारत के संविधान को नहीं पढ़ा है। अगर उन्होंने इसे पढ़ा होता तो वे इसका सम्मान करते। हाथ में संविधान पकड़कर दिखाते हुए राहुल गांधी ने कहा कि अगर देश में लोकतंत्र बचा है तो इस किताब की वजह से। इस किताब को तैयार करने में डॉ. बीआर आंबेडकर, महात्मा गांधी की बड़ी भूमिका रही। जबकि नरेंद्र मोदी और आरएसएस 24 घंटे किताब पर हमला करते रहते हैं। उन्होंने कहा कि क्या इस संविधान में लिखा है कि महाराष्ट्र सरकार को गिराने के लिए किसी को भी विधायकों को खरीदना चाहिए? सोमवार को भाजपा ने संविधान को लेकर दिए जा रहे भाषण को लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी की चुनाव आयोग से शिकायत की थी। भाजपा ने कहा था कि राहुल गांधी लगातार संविधान को लेकर भाजपा पर झूठे आरोप लगा रहे हैं। उन्होंने संविधान

की धज्जियां उड़ाईं और झूठ बोला कि भाजपा संविधान को नष्ट करने वाली है। राहुल गांधी ऐसा करने के आदी हैं और चेतावनी और नोटिस के बाद भी वे ऐसा करने से बाज नहीं आ रहे हैं। भाजपा ने राहुल गांधी के खिलाफ बीएनएस की धारा 353 के तहत एफआईआर दर्ज करने की मांग की थी। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव 20 नवंबर को होने हैं, सभी 288 निर्वाचन क्षेत्रों के लिए वोटों की गिनती 23 नवंबर को होगी।

कांग्रेस ने जारी किया अपना घोषणा पत्र

रांची, 12 नवंबर। झामुमो के बाद अब कांग्रेस ने झारखंड विधानसभा चुनाव के लिए मंगलवार को अपना घोषणापत्र जारी कर दिया। जिसमें 250 यूनिट मुफ्त बिजली, जाति आधारित गणना कराने और एक साल के भीतर सभी रिक्त सरकारी पदों को भरने का वादा किया गया है। कांग्रेस की घोषणापत्र समिति के अध्यक्ष बंधु तिर्की ने घोषणापत्र जारी किया। इसमें 1932 की खतियान आधारित अधिवास नीति और आदिवासियों की सरना धार्मिक संहिता के कार्यान्वयन सहित सात वादों पर ध्यान केंद्रित किया गया है। यह घोषणापत्र राज्य की कुल 81 सीट में से 43 सीट के लिए पहले चरण में होने वाले मतदान से एक दिन पहले जारी किया गया। तिर्की ने कहा, घोषणापत्र में गरीबों को 250 यूनिट तक मुफ्त बिजली देने का वादा किया गया है, जबकि अभी यह 200 यूनिट है। हम एक साल में सभी खाली सरकारी पदों को भर देंगे। उन्होंने कहा, झारखंड में आदिवासियों के हितों को ध्यान में रखते हुए घोषणापत्र समिति ने हर जिले में चौपाल लगाई और जनता से संवाद किया।

उपमुख्यमंत्री ने राजद नेता को बताया रामगढ़ का गब्बर

कौमी संवाददाता

रामगढ, 11 नवंबर। , 11 नवंबर। रामगढ़ विधानसभा उपचुनाव को लेकर कैमूर जिले में प्रचार के आखिरी दिन राजनीतिक माहौल गर्म हो गया। बिछिया डिग्री कॉलेज के मैदान में आयोजित सभा में बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने राजद और उनके नेता सुधाकर सिंह पर तीखे हमले किए। उन्होंने मंच से जनता को संबोधित करते हुए राजद के नेता सुधाकर सिंह को 'रामगढ़ का गब्बर' बताया और कहा कि ऐसे नेताओं को भगाना आवश्यक है। सम्राट चौधरी ने चेतावनी भरे लहजे में कहा कि अगर किसी ने उनके पार्टी कार्यकर्ताओं पर गलत हरकत की, तो भभुआ जेल में बंद किया जाएगा। उन्होंने साफ कहा कि चुनाव के बाद 24 तारीख को वे जांच बिठाएंगे और गरीबों का शोषण करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। वहीं, राष्ट्रीय लोक मोर्चा पार्टी के राष्ट्रीय

अध्यक्ष और राज्यसभा सांसद उपेंद्र कुशवाहा ने भी इस सभा में राजद की पुरानी कार्यशैली पर निशाना साधा। उन्होंने सुधाकर सिंह पर तंज कसा कि जो नेता 2005 में लाठी चलाने की बात करते थे, वे आज भी वही कर रहे हैं। उपेंद्र कुशवाहा ने कहा कि राजद की सोच अभी भी लाठी के जमाने में अटकी हुई है, जबकि अब कलम का दौर है। नीतीश कुमार की सरकार की पुलिस इस तरह की हिंसा से निपट लेगी। उपेंद्र कुशवाहा ने आरोप लगाया कि राजद की सोच है कि फिर से लाठी का जमाना आ जाए, लेकिन अब कलम का जमाना है।

अगर साबित कर दिया कि कांग्रेस ने 700 करोड़ जुटाए तो संन्यास ले लूंगा

बंगलूरू, 11 नवंबर। कर्नाटक में भाजपा और कांग्रेस के बीच लगातार आरोप-प्रत्यारोप का दौर जारी है। अब यहां के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने कहा कि अगर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी साबित कर दें कि कांग्रेस सरकार ने चुनावी राज्यों के लिए 700 करोड़ रुपये जुटाए हैं तो वह राजनीति से संन्यास ले लेंगे। सिद्धारमैया ने मोदी को चुनौती दी कि अगर वह महाराष्ट्र के अकोला में लगाए गए अपने आरोपों को साबित करने में असफल रहते हैं तो उन्हें इस्तीफा दे देना चाहिए। मुख्यमंत्री ने रविवार रात हावेरी जिले के शिगगांव में एक चुनावी रैली में कहा, मुझे यह देखकर आश्चर्य होता है कि देश के प्रधानमंत्री इतना झूठ बोलते हैं। महाराष्ट्र में कहीं प्रचार करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा था कि कर्नाटक में कांग्रेस ने महाराष्ट्र, झारखंड भेजने और उपचुनावों पर खर्च करने के लिए आबकारी विभाग के माध्यम से 700 करोड़ रुपये एकत्र किए हैं। उन्होंने कहा, मैं आज नरेंद्र मोदी को चुनौती देता हूं कि अगर वह इन आरोपों को साबित कर पाए तो मैं राजनीति से संन्यास ले लूंगा। अगर आप ऐसा नहीं कर सकते तो आपको रिटायर हो जाना चाहिए।

जेट एयरवेज के संस्थापक नरेश गोयल को मिली मेडिकल बेल

नई दिल्ली, 11 नवंबर। बंबई उच्च न्यायालय ने धन शोधन मामले में आरोपी जेट एयरवेज के संस्थापक नरेश गोयल को चिकित्सकीय आधार पर जमानत दे दी। इस वर्ष

मई में न्यायमूर्ति एनजे जामदार की एकल पीठ ने चिकित्सा आधार पर गोयल को अंतरिम जमानत दे दी थी। न्यायमूर्ति जमादार ने सोमवार को अंतरिम आदेश को स्थायी कर दिया। गोयल (75) कैंसर से पीड़ित हैं और उन्होंने इलाज कराने के लिए जमानत मांगी थी। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने उनकी याचिका का विरोध किया था और कहा था कि उन्हें अपनी पसंद के अस्पताल में भर्ती कराया जा सकता है और हिरासत में रहते हुए इलाज कराया जा सकता है। मई में, उच्च न्यायालय ने गोयल को दो महीने की अवधि के लिए अंतरिम जमानत दी थी, जिसे बाद में चार सप्ताह और फिर दो महीने के लिए बढ़ा दिया गया था। ईडी ने सितंबर 2023 में गोयल को इस आरोप में गिरफ्तार किया था कि उन्होंने धन शोधन किया और केनरा बैंक द्वारा जेट एयरवेज को दिए गए 538.62 करोड़ रुपये के ऋण की हेराफेरी की। नवंबर 2023 में जब ईडी ने मामले में आरोपपत्र दाखिल किया तो उनकी पत्नी अनीता गोयल को गिरफ्तार कर लिया गया। एक विशेष अदालत ने उनकी उम्र और चिकित्सा स्थिति को देखते हुए उसी दिन उन्हें ज़मानत दे दी थी।

झारखंड में घुसपैठियों को संरक्षण दे रहे सीएम हेमंत सोरेन: अमित शाह

सौरभ शर्मा

रांची, 12 नवंबर। झारखंड में चुनाव अभियान तेज हो गया है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सरायकेला में जनसभा में झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि हेमंत सोरेन के नेतृत्व वाली झामुमो सरकार झारखंड में बांग्लादेशी घुसपैठियों को संरक्षण दे रही है। अगर झारखंड में भाजपा की सरकार बनी तो वह घुसपैठियों की पहचान कर उन्हें राज्य से बाहर निकालेंगे। साथ ही घुसपैठियों की ओर से हड़पी गई जमीन को वापस लेने के लिए समिति बनाई जाएगी। इसके अलावा आदिवासी महिलाओं से शादी करने पर घुसपैठियों को होने वाले जमीन हस्तांतरण को रोकने के लिए कानून बनाया जाएगा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि झारखंड में आदिवासी आबादी घट रही है। घुसपैठिये हमारी बेटियों से शादी करके जमीन हड़प रहे हैं। अगर घुसपैठिये आदिवासी महिलाओं से शादी करते हैं तो हम उन्हें जमीन के हस्तांतरण को रोकने के लिए कानून लाएंगे। हम घुसपैठियों की पहचान करने, उन्हें बाहर निकालने और उनके द्वारा हड़पी गई जमीन को वापस लेने के लिए एक समिति भी बनाएंगे। अमित शाह ने कहा कि जब चंपई सोरेन ने घुसपैठ का मुद्दा उठाया तो उनका अपमान किया गया और हेमंत सोरेन ने उन्हें सीएम पद से इस्तीफा देने

के लिए मजबूर किया। उन्होंने झामुमो-कांग्रेस और राजद नेताओं पर खुद के विकास के लिए काम करने और भ्रष्टाचार करने का आरोप लगाया। शाह ने कहा कि झारखंड में भाजपा की सरकार बनने पर झामुमो गठबंधन के भ्रष्ट नेताओं को सलाखों के पीछे भेजा जाएगा। झामुमो सरकार 1,000 करोड़ रुपये के मनरेगा घोटाले, 300 करोड़ रुपये के भूमि घोटाले, 1,000 करोड़ रुपये के खनन घोटाले और शराब घोटाले के पीछे थी। इसके अलावा वह केंद्र द्वारा भेजे गए 3.90 लाख करोड़ रुपये खा गई। उन्होंने कहा कि राज्य में अगर भाजपा की सरकार बनी तो हम तय करेंगे कि अगर केंद्र एक रुपया भेजता है तो राज्य उसमें 25 पैसे और जोड़े ताकि लोगों तक 1.25 रुपये पहुंचें। झारखंड में विधानसभा चुनाव दो चरणों में हो रहे हैं। इसके तहत पहले चरण में 13 नवंबर को 43 सीटों पर वोट डाले जाएंगे। वहीं दूसरे चरण में 38 विधानसभा सीटों पर 20 नवंबर को मतदान होंगे। जबकि विधानसभा चुनाव के परिणाम 23 नवंबर को आएंगे। राज्य में फिलहाल झारखंड मुक्ति मोर्चा के नेतृत्व में कांग्रेस और राजद का गठबंधन पांच साल से सरकार में है। वहीं विपक्ष में भाजपा और आजसू का गठबंधन है। हालांकि इस विधानसभा चुनाव में भाजपा ने अपने एनडीए सहयोगियों को भी कुछ सीटें दी है, जिसमें आजसू के साथ-साथ जेडीयू और लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) भी शामिल हैं।

प्रियंका गांधी की चुनाव आयोग से शिकायत: सत्यन मोकेरी

तेजिन्दर कौर बब्बर

नई दिल्ली, 12 नवंबर। महाराष्ट्र और झारखंड में विधानसभा चुनावों के साथ ही देश भर में 14 राज्यों की 48 विधानसभा सीटों और दो राज्यों की दो लोकसभा सीटों पर भी उपचुनाव को लेकर इस दिनों देश की सियासी सरगर्मी बढ़ी हुई है। महाराष्ट्र में एक चरण तो झारखंड में दो चरणों में विधानसभा चुनाव होना है। महाराष्ट्र और झारखंड में नामांकन प्रक्रिया समाप्त हो चुकी है। वायनाड लोकसभा उपचुनाव से पहले सीपीआई (एम) के नेतृत्व वाले वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) ने चुनाव आयोग से कांग्रेस उम्मीदवार प्रियंका गांधी की शिकायत की है। उन्होंने प्रियंका पर आरोप लगाया कि वह मतदाताओं को प्रभावित करने के लिए धार्मिक भावनाओं का शोषण कर रही हैं। एलडीएफ उम्मीदवार सत्यन मोकेरी के मुख्य चुनाव एजेंट ईजे बाबू ने शिकायत में आरोप लगाया कि प्रियंका और उनके समर्थक धार्मिक पुजारियों का उपयोग सार्वजनिक प्रार्थना करने और अपने अभियान को बढ़ावा देने के लिए कर रहे हैं। यह अभ्यास चुनाव आचार संहिता का उल्लंघन है। उन्होंने चुनाव आयोग से आरोपों की तत्काल जांच शुरू करने की मांग की है। सीएम योगी को लेकर दिए गए बयान को लेकर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को विश्व हिंदू परिषद ने घेरा। विहिप के संयुक्त महासचिव डॉ. सुरेंद्र जैन ने कहा कि राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन

खरगे संत परंपरा के बारे में कुछ नहीं जानते हैं। यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ संत और योद्धा की परंपरा को आगे बढ़ा रहे हैं। खरगे ने कभी किसी मौलाना के लिए ऐसा बयान दिया है जो एक राजनेता है? वे हिंदू संतों के लिए ऐसा बयान देने की हिम्मत कैसे कर सकते हैं? वे न तो संतों के बारे में कुछ जानते हैं और न ही देश और संस्कृति के इतिहास के बारे में। वे केवल अपनी विभाजनकारी राजनीति के बारे में जानते हैं। भाजपा प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कहा, पिछले पांच सालों से झारखंड में झामुमो-कांग्रेस की सरकार है। झामुमो का मतलब है झोल, माफिया और मुस्लिम तुष्टिकरण। झारखंड का गठन आदिवासी समाज की संस्कृति की रक्षा के लिए किया गया था, लेकिन वहां वोट बैंक के कारण आदिवासियों का खात्मा होता जा रहा है और आज वहां की जनता ने ऐसे घुसपैठिया गठबंधन को उखाड़ फेंकने का फैसला कर लिया है। इसी संकल्प और निर्णय का सम्मान करते हुए झारखंड में जब हमारी सरकार बनेगी तो हम न सिर्फ घुसपैठियों को चिह्नित कर झारखंड से बाहर निकालेंगे बल्कि आदिवासियों की जमीन की रक्षा के लिए कानून भी लाएंगे। झारखंड विधानसभा चुनाव के पहले चरण से एक दिन पहले भाजपा प्रवक्ता प्रतुल शाह देव ने कहा, जनता ने झारखंड के इतिहास में सबसे भ्रष्ट मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को सत्ता से हटाने का मन बना लिया है, जिन्होंने चार साल और सात महीने तक राज्य को लूटा है, जिन पर हजारों करोड़ रुपये के घोटाले का आरोप है। किसने खदानों का शोषण किया, किसकी सरकार में लकड़ी माफिया ने पेड़ काटे, किसकी सरकार के नीचे नदियां प्रदूषित हो गईं। आप राज्य में अराजकता की स्थिति की कल्पना कर सकते हैं। इसलिए, हम मानते हैं कि जनता उन्हें वोट दे रही है। पहले चरण में 43 सीटों पर मतदान हो रहा है और हम उसी चरण में 41 के जादुई आंकड़े के काफी करीब होंगे। बांग्लादेशी घुसपैठ से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में झारखंड और पश्चिम बंगाल में ईडी के छापों पर झामुमो नेता मनोज पांडे ने कहा, आप चुनाव से पहले ऐसी कवायद करते हैं और एक नैरेटिव सेट करने की कोशिश करते हैं। केंद्रीय एजेंसियों ने अब तक जो भी कवायद की है, कुछ नहीं हुआ है, न उन्हें कुछ मिला है, न ही वे कुछ साबित कर पाई हैं। लेकिन केंद्रीय एजेंसियों को केंद्र सरकार के दबाव के आगे झुकना पड़ता है और इस तरह की हरकतें देखने को मिलती हैं। भाजपा एक बार फिर बुरी तरह हार रही है। इस सच्चाई को स्वीकार करने की जरूरत है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के बयान पर कांग्रेस की राष्ट्रीय प्रवक्ता शमा मोहम्मद ने कहा, अगर वो झूठ, भ्रष्टाचार और तुष्टिकरण की बात कर रहे हैं तो महायुति के पास ये तीनों बातें हैं।

हैती में अमेरिका के दो विमानों पर गोलीबारी

एजेंसी

पोर्ट-ऑ-प्रिंस। अमेरिका के दो विमानों पर हैती के हवाई क्षेत्र में उड़ान भरते समय गोलीबारी की गई। इनमें से एक विमान स्पिरिट एयरलाइंस का (उड़ान संख्या 951) है। वह पोर्ट-ऑ-प्रिंस में उतरने का प्रयास करते समय गोलियों की चपेट में आ गया। दूसरा विमान जेटब्लू एयरवेज (उड़ान संख्या 935) है। मियामी हेराल्ड अखबार की खबर के अनुसार, न्यूयॉर्क जाने वाला जेटब्लू एयरवेज का विमान उड़ान भरने के बाद दुर्घटनाग्रस्त हो गया। जॉन एफ कैनेडी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर चालक दल के सुरक्षित पहुंचने के बाद ही जेटब्लू को पता चला कि उस पर गोली चलाई गई है। जेटब्लू एयरवेज के प्रवक्ता डेरेक डोंब्रोव्स्की ने बताया कि शुरू में परिचालन दल ने कोई समस्या नहीं बताई थी। उड़ान के बाद निरीक्षण से पता चला कि विमान के बाहरी हिस्से पर गोली लगी। संबंधित अधिकारियों के सहयोग से इस घटना की जांच की जा रही है। संघीय उड्डयन प्रशासन ने कहा कि पोर्ट-ऑ-प्रिंस के अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर सभी तरह के हवाई यातायात को 18 नवंबर तक के लिए अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया गया है। डोंब्रोव्स्की ने कहा कि हैती में नागरिक अशांति के कारण दो दिसंबर तक देश से आने-जाने वाली सभी उड़ानें निलंबित करने का निर्णय लिया गया है।

मेलानिया ट्रंप ने जिल बाइडेन से मिलने के प्रस्ताव को ठुकराया

वाशिंगटन। नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की पत्नी मेलानिया ट्रंप ने बुधवार को व्हाइट हाउस जाने और राष्ट्रपति बाइडेन की पत्नी जिल बाइडेन से मिलने के प्रस्ताव को ठुकरा दिया। अब इस मुलाकात के लिए ट्रंप अकेले जाएंगे। न्यूयॉर्क पोस्ट ने मेलानिया के एक करीबी का हवाला देते हुए बताया है कि वह नहीं जा रही हैं। उनका कहना है कि जिल के पति ने उनकी जासूसी के लिए एफबीआई को अधिकृत किया। मेलानिया का मानना है कि जिल इस काबिल नहीं कि उनसे उन्हें मिलना चाहिए। मेलानिया के पति नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप चुनाव नतीजे के बाद की पारंपरिक पहली बैठक के लिए बुधवार को ओवल कार्यालय में राष्ट्रपति जो बाइडेन के साथ बैठेंगे। उल्लेखनीय है कि इस मौके पर आमतौर पर प्रथम महिला व्हाइट हाउस में चाय के लिए मेजबानी करती हैं। मेलानिया ने भी अपने पति की 2016 की चुनाव जीत के बाद व्हाइट हाउस का दौरा किया था और तत्कालीन प्रथम महिला मिशेल ओबामा से भी मुलाकात की थी।

पाकिस्तान के पंजाब में वायु प्रदूषण का कहर, पांच और डिवीजन के स्कूल व कॉलेज बंद

इस्लामाबाद। लगातार बढ़ते वायु प्रदूषण को देखते हुए पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के पांच और डिवीजनों में स्कूलों और कॉलेजों को बंद करने की घोषणा की गई है। पर्यावरण संरक्षण विभाग ने इस बारे में अधिसूचना जारी की है। एआरवाई न्यूज चैनल के अनुसार, पंजाब सरकार के प्रवक्ता ने यह जानकारी आज दी। पर्यावरण संरक्षण विभाग ने अधिसूचना जारी कर सरगोधा, रावलपिंडी, डेरा गाजी खान, बहावलपुर और साहीवाल डिवीजनों में शैक्षणिक संस्थानों को बंद करने का आदेश दिया है। अधिसूचना के अनुसार, नर्सरी से 12वीं कक्षा तक के सभी स्कूल, कॉलेज, अकादमी और ट्यूशन सेंटर 13 से 17 नवंबर तक बंद रहेंगे। साथ ही गुजरांवाला, लाहौर, मुल्तान और फैसलाबाद डिवीजनों में पहले लगाए गए प्रतिबंध जारी रहेंगे। इससे पहले लाहौर जिला प्रशासन स्मॉग के बढ़ते खतरे से निपटने के लिए 11 नवंबर को बाहरी गतिविधियों पर प्रतिबंध लगा चुका है। डीसी लाहौर की अधिसूचना के अनुसार, 17 नवंबर तक सभी बाहरी गतिविधियां निलंबित रहेंगी। दुकानें, बाजार और मॉल रात आठ बजे के बाद नहीं खुलेंगे। मेडिकल स्टोर, लैब, पेट्रोल पंप और किराना स्टोर को प्रतिबंधों से छूट दी गई है।

फ्लोरिडा के सीनेटर मार्को रुबियो हो सकते हैं ट्रंप के राज्य सचिव

वाशिंगटन। फ्लोरिडा के सीनेटर मार्को रुबियो नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड जे. ट्रंप के राज्य सचिव हो सकते हैं। ट्रंप के तीन करीबी व्यक्तियों ने यह संभावना जताई। उनका कहना है कि ट्रंप उन्हें अपने राज्य सचिव के रूप में नामित कर सकते हैं। द न्यूयॉर्क टाइम्स की खबर के अनुसार, ट्रंप की कार्यशैली से परिचित तीन करीबी लोगों ने कहा कि इस समय वो विदेश नीति और राष्ट्रीय नीत को मजबूत करने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। ऐसा प्रतीत होता है कि उन्होंने रुबियो पर फैसला कर लिया है। रुबियो को 2010 में सीनेट के लिए चुना गया था। उन्हें चीन, ईरान, वेनेजुएला और क्यूबा का विशेषज्ञ माना जाता है। रूस के बारे में उनका रुख कठोर रहा है। रुबियो संभवतः ट्रंप की यूक्रेन पर रूस के साथ समझौता करने और नाटो से बाहर रहने का रास्ता खोजने में मदद करेंगे। पहले ट्रंप प्रशासन के दौरान कांग्रेस में सेवा करते हुए उन्होंने संयुक्त राज्य अमेरिका को चीन की राज्य-निर्देशित अर्थव्यवस्था के साथ बेहतर प्रतिस्पर्धा करने में मदद करने के लिए औद्योगिक नीति की वकालत की। रुबियो ने चीन पर द्विदलीय कांग्रेस-कार्यकारी आयोग के सह-अध्यक्ष के रूप में भी काम किया है। 2020 में उनका चीन के जातीय उइगर अल्पसंख्यकों पर लाया गया विधेयक महत्वपूर्ण है।

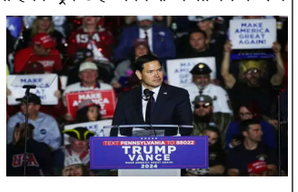

नेतन्याहू के सलाहकार से मिले ट्रंप, मध्य पूर्व पर चर्चा

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मध्य पूर्व संकट और इस मामले पर भविष्य में अमेरिकी कार्रवाइयों पर चर्चा करने के लिए इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के सलाहकार रॉन डर्मर से मुलाकात की। यह जानकारी एक्सियोस समाचार पोर्टल ने बैठक की जानकारी रखने वाले दो इजरायली अधिकारियों और दो अमेरिकी अधिकारियों का हवाला देते हुए मंगलवार को दी।

नेतन्याहू के संदेशों को पहुंचाने और गाजा, लेबनान और ईरान में इज़रायली योजनाओं के बारे में निर्वाचित राष्ट्रपति को जानकारी प्रदान करने के लिए डर्मर ने रविवार को ट्रंप के फ्लोरिडा निवास, मार-ए-लागो में उनसे मुलाकात की। एक अमेरिकी अधिकारी ने पोर्टल से कहा कि ÷इजरायली जिन बातों को ट्रम्प के साथ सुलझाना चाहते थे उनमें से

एक यह है कि वे कौन से मुद्दे हैं जिनका समाधान वह 20 जनवरी से पहले देखना पसंद करते हैं और वे कौन से मुद्दे हैं जिनके लिए इजरायली उनका इंतजार करें।÷ कथित रूप से इजरायली पक्ष कई मुद्दों पर ट्रम्प की राय चाहता है, जिसमें गाजा के लिए युद्ध के बाद की योजना, इजरायल और लेबनान के बीच युद्धविराम और इजरायल-सऊदी संबंधों को सामान्य बनाना शामिल है। उन्होंने कहा कि बाइडेन प्रशासन को बैठक के बारे में पहले ही सूचित कर दिया गया है। ट्रम्प, जो 2016 के चुनाव के बाद पहले ही अमेरिकी राष्ट्रपति के रूप में कार्य कर चुके हैं, ने 05 नवंबर को राष्ट्रपति चुनाव जीता। वह 19वीं शताब्दी के बाद चार वर्षों के अंतराल के बाद व्हाइट हाउस लौटने वाले अमेरिका के पहले राजनेता हैं। एसोसिएटेड प्रेस, फॉक्स न्यूज, सीएनएन, एनबीसी, एबीसी और सीबीएस सहित मतगणना में शामिल सभी प्रमुख मीडिया आउटलेट्स ने ट्रम्प के जीत की घोषणा की है। डेमोक्रेटिक उम्मीदवार कमला हैरिस ने समर्थकों को संबोधित करते हुए घोषणा की है कि वह हार मान लेंगी, जबकि मौजूदा अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने ट्रम्प से बात की और उन्हें बधाई दी। राज्यों के निर्वाचक मंडल को 17 दिसंबर को मतदाताओं की इच्छा के अनुसार उम्मीदवारों के लिए मतदान करना होगा, और नई कांग्रेस 06 जनवरी को मतदान के परिणामों की घोषणा करेगी, जबकि 20 जनवरी को नये राष्ट्रपति शपथ ग्रहण करेंगे।

चाड सेना ने बोको हराम के 96 आतंकवादियों को किया ढेर

एजेंसी

याउंडे।म ध्य अफ्रीकी देश चाड की सेना ने एक अभियान के तहत कम से कम 96 बोको हराम आतंकवादी मार गिराया और 11 अन्य घायल हुए हैं। चाड की सेना ने रविवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सैनिकों द्वारा शनिवार को चलाये गये अभियान के दौरान उनके पांच सैनिकों की मौत हो गयी और 32 अन्य घायल हुए हैं। सेना के प्रवक्ता जनरल इसाख अचेख ने एक बयान में कहा कि सैनिकों ने अभियान के दौरान आतंकवादियों के पास से हथियार और उपकरण भी जब्त किए हैं। अभियान अभी भी जारी है। उन्होंने कहा, स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है।गौरतलब है कि अक्टूबर के अंत में नाइजीरिया की सीमा के पास बरकारम द्वीप में बोको हराम ने एक सैन्य अड्डे पर हमला किया था, जिसमें 40 से अधिक सैनिक मारे गए थे। इसके बाद चाड के सैनिकों 'हस्कैनाइट' नाम से अभियान शुरू किया था। चाड के राष्ट्रपति महामत इद्रिस देबी इटनो ने कहा कि अभियान का उद्देश्य लेक चाड से बोको हराम के आतंकवादियों को खदेड़ना है।

दक्षिणी यूक्रेनी शहरों पर हुए रूसी हमलों में 6 लोगों की मौत, 23 घायल

कीव। दक्षिणी यूक्रेन के माइकोलायिव और ज़ापोरीज़िया शहरों पर रूस की सेना के हमलों में कम से कम छह लोग मारे गए जबकि 23 अन्य घायल हो गए। यह जानकारी स्थानीय अधिकारियों ने दी। क्षेत्रीय गवर्नर विटाली किम ने टेलीग्राम पर एक पोस्ट में कहा कि रूसी सेना ने स्थानीय समयानुसार लगभग 1:50 बजे (रविवार 2350 जीएमटी) शहीद-131 और शहीद-136 ड्रोन के साथ मायकोलायिव पर हमला किया, जिसमें पांच लोग मारे गए और एक घायल हो गया।किम ने कहा इन हमलों से शहर में आग लग गई, जबकि एक आवासीय इमारत और एक निजी घर नष्ट हो गया।क्षेत्रीय गवर्नर इवान फेडोरोव ने कहा कि ज़ापोरिज़िया में आधी रात के बाद हुए तीन हवाई हमलों में एक 71 वर्षीय

व्यक्ति की मौत हो गई और 22 लोग घायल हो गए।फेडोरोव ने कहा कि इन हमलों में एक आवासीय इमारत, एक छात्रावास और एक कार डीलरशिप क्षतिग्रस्त हो गई। कीव सिटी सैन्य प्रशासन ने कहा कि यूक्रेन की राजधानी पर भी पूरी रात ड्रोन हमले हुए, लेकिन कोई हताहत या क्षति नहीं हुई।

अफगान सरकार ने महिला अधिकारों का उल्लंघन करने के अमेरिकी आरोपों को झूठा करार दिया

एजेंसी

काबुल। अफगानिस्तान में सदुण प्रचार और दुराचार निवारण मंत्रालय ने कहा कि अफगानिस्तान पुनर्निर्माण के लिए विशेष महानिरीक्षक (एसआईजीएआर) के अमेरिकी कार्यालय द्वारा कथित महिला अधिकारों के उल्लंघन के बारे में किए गए दावे सच्चाई से कोसों दूर और झूठे हैं।नवीनतम त्रैमासिक एसआईजीएआर) रिपोर्ट में दावा किया गया है कि सदुण प्रचार और दुराचार निवारण मंत्रालय का नया कानून अफगान समाज में मानवाधिकारों और मौलिक स्वतंत्रता को प्रतिबंधित करता है। टोलो न्यूज ब्रॉडकास्टर ने मंत्रालय के प्रवक्ता सैफ-उल-इस्लाम खैबर के हवाले से कहा कि एसआईजीएआर की नवीनतम रिपोर्ट, पिछली रिपोर्टों की तरह, सच्चाई से कोसों दूर है और निराधार आरोपों पर आधारित है। किसी की स्वतंत्रता या महिलाओं के अधिकारों का उल्लंघन या रद्द नहीं किया गया है; बल्कि, मंत्रालय ने महिलाओं के उन अधिकारों को बहाल करने की दिशा में काम किया है जिन्हें इस समाज में अर्थहीन रीति-रिवाजों और कलंकों के अंतर्गत वंचित कर दिया गया था तालिबान

अगस्त 2021 में वाशिंगटन समर्थित सरकार का पतन करते हुए अफगानिस्तान की सत्ता में आया था क्योंकि अमेरिका और नाटो सैनिक लगभग 20 वर्षों तक अपनी सैन्य उपस्थिति के बाद देश छोड़कर जा रहे थे। कई देशों और अंतर्राष्ट्रीय संगठनों ने काबुल के साथ सहायता और संबंधों में कटौती करके इस तालिबानी अधिग्रहण का जवाब दिया था।

मध्य मेक्सिको के बार पर सशस्त्र हमले में 6 की मौत

एजेंसी

मेक्सिको सिटी। मध्य मेक्सिको के कुआउतित्लान इज़्काली नगरपालिका के एक बार में हुए एक सशस्त्र हमले में कम से कम छह लोग मारे गए और पांच अन्य घायल हो गए। यह जानकारी स्थानीय अधिकारियों ने दी। नगरपालिका सरकार ने एक बयान में कहा कि सैन फ्रांसिस्को टेपोजाको शहर में स्थित बार ब्लिंग ब्लिंग÷ पर हमला एक अलग घटना है और नगरपालिका में ऐसा कोई अन्य मिसाल नहीं है।

बयान में कहा गया कि रविवार की रात सैन फ्रांसिस्को टेपोजाको शहर में हुई खेदजनक घटना को ध्यान में रखते हुए, कुआउतित्लान इज़्काली नगरपालिका सरकार ने कहा है कि वह मेक्सिको राज्य के अटॉर्नी जनरल के कार्यालय, संघीय सरकार और मेक्सिको राज्य की सरकार के साथ पूरी तरह से सहयोग कर रही है ताकि संबंधित

प्रक्रियाओं को पूरा किया जा सके और नागरिकों की सुरक्षा की गारंटी दी जा सके। यह हमला मध्य क्रेरेटारो राज्य में इसी प्रकार की एक घटना के 24 घंटे बाद हुआ है, जिसमें एक सशस्त्र समूह ने एक बार पर हमला किया था, जिसमें कम से कम 10 लोग मारे गए थे और 13 अन्य घायल हो गए थे।मेक्सिको की राष्ट्रपति क्लाउडिया शिनबाम ने एक संवाददाता सम्मेलन में पुष्टि किया कि क्रेरेटारो में हुए हमले के सिलसिले में एक संदिग्ध को गिरफ्तार किया गया है।

भारत के रास्ते बांग्लादेश को नहीं मिलेगी इस वर्ष नेपाल की बिजली

काठमांडू। नेपाल, भारत और बांग्लादेश के बीच हुए त्रिपक्षीय विद्युत व्यापार समझौते के बावजूद इस वर्ष बांग्लादेश को बिजली नहीं मिल पाएगी। बांग्लादेश में बदले राजनीतिक हालात और भारत के साथ वहां की नई सरकार के रिश्ते का असर इस विद्युत व्यापार समझौता पर पड़ रहा है। काठमांडू में 3 अक्टूबर को भारत, नेपाल और बांग्लादेश के बीच त्रिपक्षीय विद्युत व्यापार समझौता हुआ था, जिसके तहत नेपाल हर साल 15 जून से 15 नवंबर तक बांग्लादेश को 40 मेगावाट बिजली भारत के रास्ते से निर्यात कर सकता है। इस समझौते को हुए एक महीने से अधिक होने के बावजूद इस वर्ष बिजली निर्यात नहीं हो पाई। नेपाली पक्ष का कहना है कि काठमांडू में हुए समझौते को भारत के ऊर्जा मंत्रालय से स्वीकृति नहीं मिल पाई है। नेपाल विद्युत प्राधिकरण के कार्यकारी निदेशक कुलमान घीसिंग ने कहा कि हम अभी तक भारत सरकार से स्वीकृति की प्रतीक्षा में हैं।

हैती के नए प्रधानमंत्री ने शपथ ली

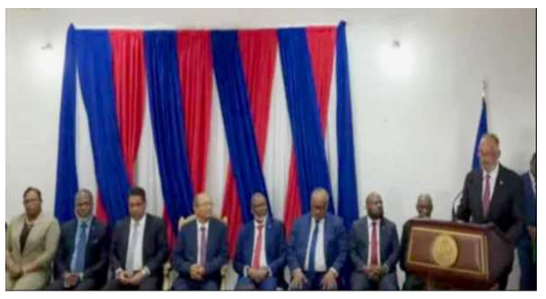

पोर्ट-ऑ-प्रिंस। एलेक्स डिडियर फिल्स-एइम ने हैती के प्रधान मंत्री के रूप में शपथ ली। यह जानकारी द हाईटियन टाइम्स ने अपनी रिपोर्ट में दी। उद्घाटन समारोह में एक भाषण में, फिल्स-एइम ने असुरक्षा के प्रति व्यापक प्रतिक्रिया देने और निर्विरोध चुनाव आयोजित करने की कसम खाई।

उन्होंने कहा कि एक साथ मिलकर, हम देश को निर्णय लेने में सक्षम वैध प्राधिकारी बनाने में सक्षम होंगे। स्थिति अराजक है, लेकिन कुछ भी असंभव नहीं है।उनके पूर्ववर्ती गैरी कॉनिल, जिन्होंने दो बार प्रधानमंत्री के रूप में कार्य किया, को ट्रांज़िशनल प्रेसिडेंशियल काउंसिल द्वारा बर्खास्त कर दिया गया था, जिसका गठन अप्रैल में किया गया था और उन पर नए राजनीतिक नेताओं का चयन करने और कैरेबियाई राष्ट्र में चुनाव आयोजित करने की जिम्मेदारी दी गई थी।उल्लेखनीय है कि हैती बढ़ती सामूहिक हिंसा के कारण मानवीय और सुरक्षा संबंधी संकटों से जूझ रहा है। 2024 के पहले तीन महीनों में हुई सामूहिक हिंसा में लगभग 2,500 लोग मारे गए या घायल हुए।

काठमांडू में इजराइल दूतावास के सामने माओवादी सहित कम्यूनिष्ट दलों का विरोध प्रदर्शन

एजेंसी

काठमांडू। फिलिस्तीन और गाजा पर इजराइल द्वारा हमला किए जाने का विरोध करते हुए काठमांडू स्थित इजराइली दूतावास के सामने माओवादी सहित अन्य छोटे वामपंथी दलों ने प्रदर्शन किया। फिलिस्तीन-गाजा के मुद्दे पर यह पहली बार है जब काठमांडू में दूतावास के आगे विरोध प्रदर्शन किया गया है। माओवादी के महासचिव देव गुरूंग स्वयं इस विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व करते हुए सड़क पर उतर आए। इनका आरोप है कि इजराइल फिलिस्तीन और गाजा पर हमला कर नरसंहार कर रहा है जिसके कारण हजारों मासूम बच्चों और निर्दोष लोगों की जान जा रही है। इजराइल के हमले को रोकने के लिए माओवादी ने इजराइली दूतावास को ज्ञापन पत्र भी सौंपा। विरोध प्रदर्शन के दौरान मानवता के खिलाफ रहे इजराइल को तत्काल युद्ध बंद करने और निर्दोष लोगों पर किए जा रहे

हमले को तत्काल बंद करने की मांग की। माओवादी के महासचिव देव गुरूंग ने कहा कि इजरायल के खिलाफ सभी को एकजुट होने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि सभी राजनीतिक दलों और नागरिक समाज को इस तरह से विरोध प्रदर्शन करते हुए इजरायल पर दबाव देना चाहिए। माओवादी ने अपने सभी प्रांतीय समिति को पत्र भेजते हुए अपने अपने प्रदेश में भी इजराइल के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करने के लिए पत्र भेजा है। गुरूंग ने विरोध प्रदर्शन के दौरान बताया कि माओवादी पार्टी संस्थागत रूप से इस मुहिम को आगे बढ़ाएगी और देश के लोगों को इजरायल के द्वारा किए जा रहे नरसंहार के खिलाफ जागरूक करेगी।

ट्रंप के जीतने से आहत व्यक्ति ने पूरा परिवार खत्म कर खुद भी दी जान

वाशिंगटन। संयुक्त राज्य अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव खत्म होने के बाद दिल दहला देने वाला वाकया सामने आया है। डोनाल्ड ट्रंप के चुनाव जीतने से आहत मिनेसोटा राज्य के 46 वर्षीय एथनी नेफ्यू ने अपने पूरे परिवार को गोली मारकर मौत की नींद सुला दिया। इसके बाद खुद को गोली मारकर अपना भी जीवन समाप्त कर लिया। न्यूयॉर्क पोस्ट के अनुसार, राष्ट्रपति चुनाव में शानदार वापसी करने वाले ट्रंप के खिलाफ गाहे-बगाहे सोशल मीडिया पर टिप्पणी करने वाले एंथनी ने पत्नी, पूर्व पत्नी और दो संतानों को मौत के घाट उतारने के बाद खुदकुशी की। पुलिस को दो घरों से पांच लोगों के शव मिले हैं। पुलिस के मुताबिक एंथनी की मानसिक स्थिति ठीक नहीं थी। पुलिस के अनुसार, सबसे पहले एंथनी नेफ्यू की पूर्व पत्नी एरिन अब्रामसन (47) और उनके बेटे जैकब नेफ्यू (15) को गुरुवार को घर में मृत पाया गया।

बीआरआई को लेकर बढ़ते विवाद के बीच चीन ने नेपाल से स्थिति स्पष्ट करने को कहा

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली की दिसंबर के पहले हफ्ते में प्रस्तावित चीन भ्रमण की तारीख जैसे-जैसे करीब आती जा रही है वैसे-वैसे बेल्ट एंड रोड परियोजना (बीआरआई) को लेकर सत्तारूढ़ दलों के बीच विवाद बढ़ता जा रहा है। इसी बीच चीन ने नेपाल सरकार से बीआरआई को लेकर अपनी स्थिति स्पष्ट करने को कहा है। काठमांडू स्थित चीन के राजदूत छन सोंग ने विदेश मंत्री डॉ. आरजू राणा से मुलाकात कर नेपाल के सत्तारूढ़ दलों के बीच बीआरआई को लेकर बढ़ते विवाद पर चिंता व्यक्त की। इस मुलाकात के दौरान चीनी राजदूत ने विदेश मंत्री से नेपाल सरकार की आधिकारिक धारणा स्पष्ट करने की मांग की। इस मुलाकात के बारे में नेपाल की विदेश मंत्री डॉ राणा ने कहा कि चीनी पक्ष बीआरआई को लेकर नेपाल में बढ़ते विवाद के बारे में पानी चिंता से अवगत कराया है। विदेश मंत्री ने बताया कि बीआरआई के अंतर्गत लिए जाने वाले ऋण को

लेकर नेपाल की स्थिति पहले से ही स्पष्ट है अगर चीन की तरफ से अनुदान के रूप में आर्थिक सहायता मिलती है, तब इसके बारे में विचार किया जा सकता है। डॉ राणा ने कहा कि बीआरआई को लेकर सिर्फ सत्तारूढ़ दलों के बीच ही नहीं बल्कि अनुदान मिलने की शर्त पर इस मुद्दे पर राष्ट्रीय सहमति बनाने का प्रयास किया जाएगा।

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया दोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।
Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300
E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in
R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472
Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

बाकू में पेरिस समझौते के अनुच्छेद छह को अपनाने का फैसला, वैश्विक कार्बन बाजार की होगी स्थापना

एजेंसी

ढाका। अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना के पिता और बांग्लादेश के संस्थापक 'बंगबंधु1 शेख मुजीबुर रहमान की तस्वीर मुल्क के राष्ट्रपति के आधिकारिक निवास बंगभवन के दरबार हॉल में अब दिखाई नहीं देगी। वहां से बंगबंधु रहमान की एक तस्वीर हटा दी गई है। राजधानी ढाका से छपने वाले अखबार प्रोथोम अलो ने अपनी खबर में सलाहकार महफूज आलम की फेसबुक पोस्ट के आधार पर यह दावा किया है। फेसबुक पोस्ट के अनुसार, शेख मुजीबुर रहमान की तस्वीर-पोस्ट %71 फासीवादी, दरबार हॉल से हटा दी गई है। यह हमारे लिए शर्म की बात है कि हम 5 तारीख के बाद बंगभवन से उनकी तस्वीरें नहीं हटा सके। अगस्त की क्षमायाचना, लेकिन, जब तक लोगों में जुलाई की भावना जीवित रहेगी तब तक वह कहीं दिखाई नहीं देगी। आलम ने लिखा है, शेख मुजीब और उनकी बेटी ने बांग्लादेश के लोगों के साथ जो किया है, वह अवामी लीग को स्वीकार करना चाहिए और माफी मांगनी चाहिए, जिसमें गैर-लोकतांत्रिक '72 संविधान से लेकर अकाल, अरबों टका की लूट और हजारों की गैर-न्यायिक हत्याएं शामिल हैं। असंतुष्टों और विरोधियों की (1972-75, 2009-2024)। फिर, हम बिना माफी और फासीवादियों के परीक्षण के पूर्व '71 के शेख मुजीब के बारे में बात कर सकते हैं। किसी भी प्रकार का मेल-मिलाप नहीं होगा।

बांग्लादेश में बंगभवन के दरबार हॉल से हटाई गई बंगबंधु की तस्वीर

एजेंसी

ढाका।अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना के पिता और बांग्लादेश के संस्थापक 'बंगबंधु' शेख मुजीबुर रहमान की तस्वीर मुल्क के राष्ट्रपति के आधिकारिक निवास बंगभवन के दरबार हॉल में अब दिखाई नहीं देगी। वहां से बंगबंधु रहमान की एक तस्वीर हटा दी गई है। राजधानी ढाका से छपने वाले अखबार प्रोथोम अलो ने अपनी खबर में सलाहकार महफूज आलम की फेसबुक पोस्ट के आधार पर यह दावा किया है। फेसबुक पोस्ट के अनुसार, शेख मुजीबुर रहमान की तस्वीर-पोस्ट %71 फासीवादी, दरबार हॉल से हटा दी गई है। यह हमारे लिए शर्म की बात है कि हम 5 तारीख के बाद बंगभवन से उनकी तस्वीरें नहीं हटा सके। अगस्त की क्षमायाचना, लेकिन, जब तक लोगों में जुलाई की भावना जीवित रहेगी तब तक वह कहीं दिखाई नहीं देगी।

आलम ने लिखा है, शेख मुजीब और उनकी बेटी ने बांग्लादेश के लोगों के साथ जो किया है, वह अवामी लीग को स्वीकार करना चाहिए और माफी मांगनी चाहिए, जिसमें गैर-लोकतांत्रिक 72 संविधान से लेकर अकाल, अरबों टका की लूट और हजारों की गैर-न्यायिक हत्याएं शामिल हैं। असंतुष्टों और विरोधियों की (1972-75, 2009-2024)। फिर, हम बिना माफी और फासीवादियों के परीक्षण के पूर्व 71 के शेख मुजीब के बारे में बात कर सकते हैं। किसी भी प्रकार का मेल-मिलाप नहीं होगा।

प्रोथोम अलो के अनुसार इस संबंध में संपर्क करने पर राष्ट्रपति के प्रेस सचिव जोयनाल आबेदीन ने कोई जवाब नहीं दिया। हालांकि, प्रेस विंग के एक अधिकारी ने कहा कि कल रात तीन नए सलाहकारों ने दरबार हॉल में शपथ ली। इस दौरान बंगबंधु की तस्वीर मौजूद थी। उन्होंने कहा, शपथ कार्यक्रम के बाद वे घर चले गए। मुझे घटना के बारे में कोई जानकारी नहीं है।

महिला एवं बाल विकास मंत्रालय ने विशेष अभियान 4.0 के तहत कमाए 5.86 लाख रुपये

एजेंसी
नई दिल्ली। महिला एवं बाल विकास मंत्रालय ने विशेष अभियान 4.0 के तहत 5.86 लाख रुपये का राजस्व अर्जित किया। 02 अक्टूबर से 31 अक्टूबर तक आयोजित विशेष अभियान के तहत देशभर में 33842 स्वच्छता अभियान पूरे किए गए, जिसके परिणामस्वरूप 4,17,645 वर्ग फुट कार्यालय के स्थान खाली किया गया। महिला एवं बाल विकास मंत्रालय ने बताया कि पिछले तीन वर्षों में चलाए गए विशेष अभियानों की तर्ज पर स्वच्छता में सुधार और लंबित संदर्भों के निपटान के लिए विशेष अभियान 4.0 के प्रयास काफी सराहनीय है। मामलों के निपटान के लिए विशेष अभियान 4.0 का सफलतापूर्वक समापन किया है। विशेष अभियान का उद्देश्य स्वच्छता को बढ़ावा देना, काम को सुव्यवस्थित करना, एमआई भर में लंबित शिकायतों को दूर करना है।

विदेश सचिव को दो साल का सेवा विस्तार

नई दिल्ली। विदेश सचिव विक्रम मिस्त्री को लगभग दो साल का कार्य विस्तार दिया गया है। उन्हें इसी महीने सेवानिवृत्त होना था। उनका 14 जुलाई 2026 तक होगा। मिस्त्री ने इसी साल 15 जुलाई को कार्यभार संभाला था। कैबिनेट की नियुक्ति मामलों की समिति ने उनके कार्यकाल विस्तार को मंजूरी प्रदान की है। आज जारी निर्देश के मुताबिक 1989 के विदेश सेवा के अधिकारी मिस्त्री 30 नवंबर 2024 को सेवानिवृत्त होने जा रहे थे, उनका कार्याकाल 14 जुलाई 2026 तक या किसी अन्य आदेश तक बढ़ाया गया है।

मेट्रो से कूदकर युवक ने की खुदकुशी

नई दिल्ली। पूर्वी दिल्ली स्थित मयूर विहार पॉकेट एक मेट्रो स्टेशन से सोमवार दोपहर एक युवक आत्महत्या के इरादे से नीचे कूद गया। सूचना के बाद मौके पर पहुंची पीसीआर टीम ने युवक को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया। जहां डॉक्टरों ने युवक को मृत घोषित कर दिया। मामले की पीसीआर कॉल मयूर विहार थाने में आई थी लेकिन बाद में मामले को यमुना बैंक मेट्रो थाने में स्थानांतरित कर दिया गया। यमुना बैंक मेट्रो पुलिस मामले की जांच के साथ आगे की कार्रवाई कर रही है। मिली जानकारी के मुताबिक, मयूर विहार पॉकेट एक मेट्रो स्टेशन से नीचे एक लड़के की कूदने की सूचना मिली। कॉलर ने बताया कि एक लड़का मेट्रो स्टेशन से नीचे कूद गया। सूचना के बाद स्थानीय पुलिस के अलावा मेट्रो पुलिस भी मौके पर पहुंची। मृतक की पहचान अभिषेक निवासी 150सी, मयूर विहार फेज एक के रूप में हुई। घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज और जांच के बाद पता चला कि अभिषेक गुरु गोबिंद सिंह, पंजाबी बाग में पढ़ता था और अपने घर से दोपहर करीब 3.58 बजे मेट्रो स्टेशन पर आया था।

उपराज्यपाल ने कहा, दिल्ली सरकार का मौजूदा हेल्थ मॉडल संक्रामक रोगों से निपटने में विफल

नई दिल्ली। उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने राजधानी में संक्रामक रोगों के मरीजों को बढ़ती संख्या पर चिंता व्यक्त की है और कहा है कि मौजूदा दिल्ली सरकार की स्वास्थ्य व्यवस्था इनसे निपटने में कारगर नहीं है। उपराज्यपाल ने सोशल मीडिया एक्स पर आज कहा कि राजधानी दिल्ली में इंफेक्शन और परजीवी संक्रमण से होने वाली बीमारियों के कारण यहां औसतन सर्वाधिक मौतें हो रही हैं। इसके लिए उन्होंने दिल्ली के मौजूदा हेल्थ मॉडल को दोषपूर्ण बताया है। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार यहां के बाशिंदों के बेहतर स्वास्थ्य के लिए राज्य सरकार कोई कार्य नहीं कर रही है। उन्होंने दिल्ली के हेल्थ मॉडल का निराकरण करने की जरूरत बताई। उपराज्यपाल ने कहा कि पिछले साल दिल्ली में संक्रमण से 21 हजार लोगों की मौत हुई थी। ये संक्रामक बीमारियां दूषित पानी, मच्छरों और गंदगी के कारण होती हैं, जिनसे लोगों की जान को भी खतरा रहता है। आंकड़ों का हवाला देते हुए उपराज्यपाल ने कहा कि दिल्ली में कैंसर से मरने वालों की संख्या में पिछले साल से बढ़ोतरी हो रही है।

द्वारका में सब्जी विक्रेता की हत्या के मामले में दो गिरफ्तार

नई दिल्ली। द्वारका जिले के द्वारका नॉर्थ इलाके में एक सब्जी विक्रेता की हत्या के मामले में पुलिस ने प्रशांत और अमन सिद्दीकी नामक दो आरोपितों को गिरफ्तार किया है। यह गिरफ्तारी 9 अक्टूबर को की गई। इनके पास से पिस्तौल और जिंदा कारतूस भी बरामद किए गए हैं। द्वारका जिले के डीसीपी अंकित सिंह ने बताया कि 23 अक्टूबर को द्वारका नॉर्थ इलाके में सब्जी विक्रेता को गोली मारी गई थी। हालांकि अस्पताल में उपचार के दौरान सब्जी विक्रेता की मौत हो गई थी। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराने के बाद संबंधित धारा में केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू की।

मैंने उनकी कमजोरियों को नजरअंदाज किया

मुंबई, 12 नवंबर। महाराष्ट्र चुनाव को लेकर सियासत तेज हो गई है। मंगलवार को एनसीपी शरद के प्रमुख शरद पवार ने छगन भुजबल पर हमला बोला। उन्होंने छगन भुजबल के निर्वाचन क्षेत्र येवला में एक जनसभा के दौरान कहा कि छगन भुजबल विश्वासघाती हैं। मैंने उनकी कमजोरियों को नजरअंदाज करके विपक्षी नेता से लेकर उपमुख्यमंत्री तक बनाया। मगर उन्होंने राजनीतिक शालीनता की सभी हदों को पार करते हुए मुझे धोखा दिया। दरअसल छगन भुजबल शरद पवार के काफी करीबी और विश्वासपात्र रहे हैं। महाराष्ट्र में जब एनसीपी का बंटवारा हुआ तो छगन भुजबल अजित पवार के साथ चले गए।

वियतनामी प्रतिनिधिमंडल ने किया भाजपा मुख्यालय का दौरा

एजेंसी
नई दिल्ली। हो ची मिन्ह नेशनल एकेडमी ऑफ पॉलिटिक्स के अध्यक्ष और 15वीं नेशनल असेंबली के सदस्य प्रोफेसर डॉ गुयेन जुआन थांग के नेतृत्व में वियतनाम की कम्युनिस्ट पार्टी के एक उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के मुख्यालय का दौरा किया। प्रोफेसर डॉ थांग और उनके सहयोगियों का भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुघ ने स्वागत किया।

भाजपा महासचिव तरुण चुघ ने भाजपा के मार्गदर्शक सिद्धांतों को रेखांकित करते हुए कहा कि हमारी पार्टी 'राष्ट्र प्रथम, पार्टी द्वितीय, स्वयं अंतिम' के सिद्धांत पर काम करती है। हमारा मिशन अंत्योदय पर ध्यान केंद्रित करते हुए लगातार काम करना है, अंतिम व्यक्ति तक पहुंचना है। इस प्रतिबद्धता के साथ, प्रधानमंत्री और भाजपा सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास के मूल्यों से प्रेरित हैं। चुघ ने भारत और वियतनाम के बीच साझा सांस्कृतिक, पारंपरिक और

द्विपक्षीय संबंधों के साथ-साथ सेमीकंडक्टर विकास में वियतनाम के लिए भारत के चल रहे समर्थन पर प्रकाश डाला।उन्होंने 'नमो ऐप' और प्रधानमंत्री की लोकप्रिय 'मन की बात' का उल्लेख करते हुए, भाजपा के संगठनात्मक ढांचे और विभिन्न प्रभागों के बारे में विस्तार से बताया। चुघ ने कहा कि भाजपा की अभूतपूर्व सदस्यता वृद्धि हुई है, जिसमें 20 मिलियन से अधिक सक्रिय सदस्य और 108 मिलियन से अधिक सदस्य चल रहे सदस्यता अभियान में शामिल हो रहे हैं, जिससे यह दुनिया में किसी भी राजनीतिक दल के लिए सबसे बड़ी सदस्यता पहल बन गई है।

प्रोफेसर डॉ गुयेन जुआन थांग ने गर्मजोशी से स्वागत के लिए आभार व्यक्त किया और भारत और वियतनाम के बीच मजबूत होते संबंधों को स्वीकार किया, जो प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में काफी बढ़े हैं। उन्होंने दोनों देशों के बीच आपसी समझ और सहयोग को बढ़ावा देने में इस यात्रा के महत्व पर जोर दिया। यह यात्रा भारत और वियतनाम के बीच अपने ऐतिहासिक संबंधों को मजबूत करने, साझा मूल्यों को आगे बढ़ाने और निरंतर सहयोग और साझेदारी के लिए एक मजबूत नींव बनाने की प्रतिबद्धता की पुष्टि करती है।

दिल्ली में औचंदी बॉर्डर से उत्तम नगर टर्मिनल तक नए रूट की शुरुआत

एजेंसी
नई दिल्ली। दिल्ली बवाना से आम आदमी पार्टी(आआपा) नेता जय भगवान उपकार ने औचंदी बॉर्डर से उत्तम नगर टर्मिनल तक नए रूट 972श्च की बस सेवा को हरी झंडी दिखाकर शुरू किया। साथ ही, रूट संख्या 990ष्ट का विस्तार अब रिठाला मेट्रो स्टेशन से औचंदी बॉर्डर तक कर दिया गया है।इस कदम से दिल्लीवालों की यात्रा और भी सहज और सुविधाजनक हो जाएगी। उन्होंने बताया कि दिल्ली में सभी इलाको के जुड़ाव के लिए कार्य किया जा रहा है जिसे की दिल्ली की जनता को किसी भी प्रकार की दिक्कत का सामना न करना पड़े। उन्होंने बताया कि रूट 972श्च को दिल्ली इंटीग्रेटेड मल्टी-मोडल ट्रांजिट सिस्टम (डीआईएमटीसी) द्वारा संचालित पांच लो-फ्लोर इलेक्ट्रिक बसों देंगी रूट 990ष्ट पर विस्तारित सेवा भी देगा ।जो पहले रिठाला मेट्रो स्टेशन और बवाना के बीच संचालित होती थी, अब औचंदी बॉर्डर तक पहुंच जाएगी। रूट 990ष्ट में दिल्ली परिवहन निगम (डीटीसी) द्वारा प्रबंधित पांच लो-फ्लोर, वातानुकूलित इलेक्ट्रिक बसें भी दिखाई देंगी।

मेट्रो ने बाइक टैक्सी सेवा शुरू की, महिलाओं के लिए भी अलग सेवा

एजेंसी
नई दिल्ली। दिल्ली मेट्रो ने यात्रियों के लिए बाइक टैक्सी सेवा शुरू की है। इसमे महिलाओं के लिए अलग से बाइक टैक्सी सेवा भी शामिल है।दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (डीएमआरसी) के प्रवक्ता अनुज दयाल ने बताया कि मेट्रो की अधिकारिक वेबसाइट की मदद से इस सेवा के लिए राइड बुक की जा सकती है। डीएमआरसी के प्रबंध निदेशक डॉ. विकास कुमार ने इस सुविधा की शुरूआत की। महिलाओं की बाइक टैक्सी शीराइड्स नाम से और सभी के लिए सामान्य सुविधा आरराइड्स के नाम से शुरू की गयी है। प्रवक्ता के अनुसार 'शीराइड्स' महिलाओं के लिए, महिलाओं द्वारा- महिला यात्रियों को सुविधानुसार और सुरक्षित तरीके से अपने गंतव्य तक स्वतंत्र रूप से यात्रा करने का अधिकार भी देता है। इन बाइक टैक्सी को महिलाओं द्वारा ही संचालित किया जायेगा। यह सेवा किफायती है और इसमें न्यूनतम शुल्क रु. 10 रहेगा और उसके बाद पहले 2 किमी के लिए रु. 10 प्रति किमी और उसके बाद रु. 8 प्रति किमी रहेगा। फर्स्ट एंड लास्ट माइल कनेक्टिविटी इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के साथ साझेदारी में शुरू की गई बाइक टैक्सी सेवा अभी 12 मेट्रो स्टेशनों से उपलब्ध है। इनमें द्वारका सेक्टर-21, द्वारका सेक्टर-10, द्वारका सेक्टर-14, द्वारका मोड़,

जनकपुरी पश्चिम, उत्तम नगर पूर्व, राजौरी गार्डन, सुभाष नगर, कीर्ति नगर, करोल बाग, मिलेनियम सिटी सेंटर गुरुग्राम और पालम शामिल हैं। यह सेवा इन स्टेशनों से सुबह आठ बजे से रात नौ बजे के बीच 3-5 किलोमीटर के दायरे में उपलब्ध होगी। इसके बाद एक महीने में 100 से ज़्यादा स्टेशनों को इस सुविधा से कवर किया जाएगा।

मार्शलों को स्थाई तौर पर नियुक्त करने पर बनी सहमतिः आतिशी

एजेंसी
नई दिल्ली। मुख्यमंत्री आतिशी के नेतृत्व में कैबिनेट की बैठक हुई। इसमें सर्व सम्मति से बस मार्शलों को स्थाई तौर पर नियुक्त करने पर सहमति बनी। कैबिनेट बैठक में लिये गए फैसले के संबंध में शहरी विकास मंत्री सौरभ भारद्वाज के साथ प्रेस वार्ता कर आतिशी ने बताया कि बस मार्शलों की स्थायी नियुक्ति का मुद्दा सर्विसेज के तहत केंद्र सरकार के अधीन है, जब तक केंद्र सरकार पॉलिसी नहीं बनाती है तब तक दिल्ली सरकार दस हजार मार्शलों को बसों में तैनात करेगी। दिल्ली सरकार के फैसले से गरीब परिवारों के युवाओं को रोज़गार मिलेगा और बसों में महिलाएं दोबारा सुरक्षित महसूस कर सकेंगी। उपराज्यपाल या केंद्र सरकार बस मार्शल के लिए जो भी पॉलिसी बनाये, चाहे

उनकी बहाली हो या उन्हें पक्की नौकरी पर लगाया जाये उनकी सारी तनख्वाह दिल्ली सरकार देगी। आतिशी ने कहा कि 2015 से जबसे दिल्ली में आम आदमी पार्टी की सरकार बनी है, अरविंद केजरीवाल दिल्ली के मुख्यमंत्री बने, तब से दिल्ली की चुनी हुई सरकार द्वारा महिलाओं की सुरक्षा को लेकर कई महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं। चाहे शहर में सीसीटीवी कैमरे लगवाना हो या बसों में मार्शलों की नियुक्ति हो। अरविंद केजरीवाल के मार्गदर्शन में दिल्ली सरकार महिलाओं की सुरक्षा के लिए काम करती रही। उन्होंने कहा कि जो महिलाएं दिल्ली में पढ़ाई करती हैं, काम करती हैं, पली बढ़ी हैं वो अच्छे से जानती हैं कि डीटीसी बसों में उनके लिए सफर करना कितना मुश्किल होता है। किस तरह उनके साथ बदतमीजी होती है।

राष्ट्रपति 12 से 14 नवंबर तक दादरा एवं नगर हवेली तथा दमन एवं दीव का दौरा करेंगी

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु 12 से 14 नवंबर तक दादरा एवं नगर हवेली तथा दमन एवं दीव का दौरा करेंगी।राष्ट्रपति भवन की ओर से जारी विज्ञप्ति के अनुसार, राष्ट्रपति 12 नवंबर को दमन में एवियरी, सरकारी इंजीनियरिंग कॉलेज और निफ्ट परिसर का दौरा करेंगी।राष्ट्रपति 13 नवंबर को नमो मेडिकल एजुकेशन एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट, सिलवासा का दौरा करेंगी और विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों के छात्रों और शिक्षकों से बातचीत करेंगी। इसके बाद, वह ज़ांडा चौक स्कूल का उद्घाटन करेंगी और सिलवासा में एक सार्वजनिक समारोह को संबोधित करेंगी। उसी शाम, राष्ट्रपति आईएनएस खुखरी मेमोरियल का भी दौरा करेंगी।

एआई और ब्लॉकचेन तकनीक को 19 निफ्ट के पाठ्यक्रम में शामिल किया जाएगाः गिरीराज सिंह

एजेंसी
नई दिल्ली। कपड़ा मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा कि युवाओं को टेक्सटाइल के क्षेत्र में स्टार्टअप शुरू और भारत के यूनिकॉर्न इकोसिस्टम का हिस्सा बनना चाहिए। इसके साथ देश के सभी 19 एनआईएफटी के पाठ्यक्रम में एआई और ब्लॉकचेन प्रौद्योगिकी को शामिल किया जाएगा। गिरीराज सिंह ने भारत मंडपम में आयोजित नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी (निफ्ट) के दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि देश विकसित भारत की ओर बढ़ रहा है। निफ्ट के नए स्नातक अगले 4 से 5 वर्षों के भीतर नौकरी चाहने वालों की तुलना में नौकरी देने वाले बन जाएंगे। वस्त्र मंत्री ने सभी स्नातक छात्रों को बधाई दी और उन्हें वस्त्र के क्षेत्र में देश के गौरव को मजबूत करके ब्रांड इंडिया बनाने का दृष्टिकोण दिया। नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी ने अपने 2023-24 के स्नातक बैच के छात्रों के लिए भरत मंडपम में दीक्षांत समारोह का आयोजन किया। संयुक्त दीक्षांत समारोह में एनआईएफटी दिल्ली, एनआईएफटी रायबरेली, एनआईएफटी कांगड़ा और एनआईएफटी पंचकूला के चार परिसरों के छात्र शामिल थे।

गिरिराज सिंह ने डिजाइन, प्रबंधन और प्रौद्योगिकी के विभिन्न स्नातक और स्नातकोत्तर कार्यक्रमों के कुल 810 छात्रों को डिग्री प्रदान की। समारोह में चार पीएचडी छात्रों ने डॉक्टरेट की उपाधि भी प्राप्त की।उल्लेखनीय है कि निफ्ट, 1986 में स्थापित और अब भारत भर में 19 परिसरों का संचालन कर रहा है, फैशन शिक्षा में अपनी उत्कृष्टता के लिए व्यापक रूप से मान्यता प्राप्त है, ऐसे कार्यक्रमों के साथ जो छात्रों को फैशन और परिधान क्षेत्रों में नेतृत्व की भूमिका के लिए तैयार करते हैं।

PUBLIC NOTICE
This Public notice is given pursuant of the order dated 26/10/2024 passed in CC no-1056 of 2021 titled 'Narayani Shukla vs DHFL thereby directing Piramal Capital and Housing Finance Limited (PCHFL) by Dist. Consumer Dispute Redressal Commission, Ghaziabad (Uttar Pradesh)
Wherein, it is notified to all general public that Smt. Narayani Shukla had taken home loan in the year 2012 from the Deewan Housing Finance Corp Limited (now known as PCHFL)). In respect of said home loan facility, she created charge on the Flat bearing no. A-12, 1st floor, Annapurna Apartments, G. T. road, Sahibabad, Ghaziabad (U.P.)-201005 and henceforth deposited original documents of the flat. These documents are
1. Original sale deed dated 26.09.2012 in favor of Smt. Narayani Shukla vide Doc 10899,
2. Original sale deed dated 04.09.2008 in favor of Ankur mathur vide doc 8028,
3. Original sale deed dated 30.09.2009 in favor Vijay kumar Singhal vide doc 7699 and
4. Original Agreement to Sale dated 23.08.2012 executed between Ankur mathur and Narayani Shukla.
The said property documents were kept under locker custody of Stock Holding Corporation India Limited (SHCIL), Mumbai under instructions from DHFL.
On 24.12.2017, a fire incident occurred at the Stock Holding Corporation India Limited (SHCIL), Mumbai locker unit and to control the same, the fire brigade unit sprinkled water. Due to which, few original documents got moisture and wet including the documents mentioned above.
It is stated/declared that these property documents only got wet and no damage or wear and tear took place to them. The said property documents are in good condition. Further, the contents of said property documents can be easily read over and are legible. The said original documents are being handed over to Smt. Narayani Shukla along with the certified copy of the same to avoid any inconvenience while reading the contents of the original documents. We further declare that the loan account is closed and no dues are pending against the above stated property.
PCHFL
Address- (please incorporate address of Gurgaon branch)

पगारिया एनर्जी लिमिटेड
रजि. कार्यालय : 9/18, बाज़ार गली, विश्वास नगर, शाहदरा, दिल्ली-110032
वेबसाइट : www.pagariaenergy.com • e-mail: info@pagariaenergy.com
सीआईएन: L67120DL1991PLC043677
30.09.2024 को समाप्त तिमाही और छमाही के लिए असंपरीक्षित वित्तीय परिणाम
(ईपीएस को छोड़कर लाख रुपये में) (रुपये लाख में)

क्र स	विवरण	तिमाही 30-09-2024 बिना जाँचा	समाप्त 30-06-2024 बिना जाँचा	समीक्षा की गई 30-09-2023 बिना जाँचा	अर्ध वर्ष 30-09-2023 बिना जाँचा	समाप्त 30-09-2023 बिना जाँचा	वर्ष समाप्त 31-03-2024 लेखा परीक्षित
1	परिचालन से कुल आय (शुद्ध)	2.40	1.70	2.05	4.10	4.05	18.74
2	कर के बाद सामान्य गतिविधियों से शुद्ध लाभ/(हानि)	0.38	0.37	0.24	0.75	0.77	6.53
3	कर पश्चात आवधि के लिए शुद्ध लाभ/(हानि) (असाधारण मदों के पश्चात)	0.38	0.37	0.24	0.75	0.77	5.15
4	इक्विटी शेयर पूंजी	434.97	434.97	434.97	434.97	434.97	434.97
5	आरक्षित निधि (पिछले वर्ष की बैलेंस शीट में दर्शाए गए पुनर्मूल्यांकन आरक्षित निधि को छोड़कर)	·	·	·	·	·	190.50
6	प्रति शेयर आय (असाधारण मदों से पहले) (रु. 10/- प्रत्येक) (रु.)						
	बुनियादी	0.009	0.008	0.006	0.017	0.018	0.118
	पतला	0.009	0.008	0.006	0.017	0.018	0.118

नोट : उपरोक्त सेबी (सूचीबद्धता और अन्य प्रकटीकरण आवश्यकताएं) विनियमन, 2015 के विनियमन 33 के तहत स्टॉक एक्सचेंज के साथ दायर तिमाही वित्तीय परिणामों के विस्तृत प्रारूप का एक उद्धरण है। तिमाही वित्तीय परिणामों का पूर्ण प्रकटीकरण स्टॉक एक्सचेंज की वेबसाइट www.bse-india.com और कंपनी की वेबसाइट पर भी उपलब्ध है।
स्थान: कोलकाता
दिनांक : 11.11.2024
पगारिया एनर्जी लिमिटेड के लिए
एसडी/- हनुमानमल बेंगाणी, निदेशक
डीआईएन : 08425643

NAME CHANGE
I ABDUL RAHIM S/O MOHD IDRISH R/O VPO- MUNDHETA (182) MEWAT NUH PINGWAN HARYANA 122508. HAVE CHANGED MY NAME TO ABDUL RAHEEM

NAME CHANGE
I Preeti Meena D/O: Chheetar Mal Meena,W/O Kundan Singh Meena,R/O HOUSE NO-202,AMBEDKAR COLONY PAHADI, AYA NAGAR, New-Delhi-110047 have changed the name of my minor daughter Dhairyya Kundan Singh aged 2 years and she shall hereafter be known as Dhairyaa kawat.

NAME CHANGE
I, Father of ANURAG K T K Presently residing at VILL-AYANCHERI, PO-PONMERI PARAMBIL, TEH-VADAKARA, DIST-KOZHIKODE, KERALA-673542 have changed my name from REMESAN K T K to RAMESAN vide Affidavit on 12/11/2024 executed before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I hitherto known as Bittu alias Birender Rastogi S/O Kishori Lal R/O F-224 old Seema puri ,East Delhi, delhi -95, have changed my name and shall hereafter be known as BITTU.

Lost and Found
I, Karamjeet Singh S/o Bahadur Singh, 2/130 Subash Nagar New Delhi have lost ALL ORIGINAL DOCUMENTS OF 5/37 SHOP NO.2 SUBHASH NAGAR NEW DELHI With previous chain, not found in house after search. If anybody find contact at above address and mobile number 8377878787.

NAME CHANGE
I, PRADNYA ASHISH KARWADE wife of KARWADE ASHISH SHANKAR presently Residing VPO-ANDHALGAON, TEH-MOHADI, DIST-BHANDARA (MAHARASHTRA)-441914, have changed my name from PRADNYA to PRADNYA ASHISH KARWADE. Vide affidavit dated 12/11/2024 executed before Notary Public Delhi.

NAME CHANGE
It is for general information that I, SAJJAD KHAN S/O Shamim Khan R/O H.no- S-3/181 Swarn Park Mundka West Delhi-110041, declare that name of my father has been wrongly written as Md Shamim Khan in my 10th-class marksheet cum certificate educational documents. The actual name of my father is Shamim Khan, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I hitherto known as Sk Asik Rahaman D/O OSIYAR R /O Parmanent adress PadampurVTC: Padampur, PO: Sagarbarh ,Sub District: Panskura- District: Purba Medinipur, State: West Bengal-721151,Present adress..Hno 93 ,Kiahan Ganj market old Rohtak Road delhi 110007, have changed my name and shall hereafter be known as Joya khan.I am unmarried.

सार्वजनिक सूचना
आम जनता को यह जानकारी दी जाती है कि हमारे ग्राहक श्री संजय शर्मा पुत्र श्री प्रेम चंद शर्मा खसरा संख्या 1151/3 मिनट में से निर्मित संपत्ति क्रमांक जे-705 पर 121.23 वर्ग मीटर माप वाले छत के अधिकार क्षेत्र के साथ प्रोहिबिटड आवासीय संपूर्ण दूसरी मंजिल और पूरी तीसरी मंजिल के मालिक हैं। ग्राम महरौली तहसील हौज खास में दिल्ली-110030 के लाल डोरा की आबादी, बिक्री विलेख के आधार पर दिनांक 21.08.2024 को दस्तावेज संख्या 2024/7/आई/8395 के रूप में पुस्तक संख्या 1 खंड संख्या 6944 पृष्ठ संख्या 129-160 एसआर पर -साउथ हौज खास और अन्य सेल डीड, नीचे उल्लिखित श्रृंखला दस्तावेजों में उपलब्ध नहीं हैं यानी स्वर्गीय श्री राजीव अरोड़ा का एसएमसी, स्वर्गीय श्री ओम प्रकाश गुप्ता का मृत्यु प्रमाण पत्र और एसएमसी और स्वर्गीय श्रीमती शारदा रानी गुप्ता का मृत्यु प्रमाण पत्र और एसएमसी अब हमारा ग्राहक है यह घोषणा करते हुए कि उक्त संपत्ति पर किसी अन्य व्यक्ति का कोई अधिकार नहीं है, और बिना छत के अधिकार के दूसरी मंजिल भी सुश्री लिपिका पी नायर को बेची गई और उसी संपत्ति का वित्त पिरामल कैपिटल एंड हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड शाखा कालकाजी दिल्ली द्वारा किया गया है। यदि किसी भी व्यक्ति को उक्त संपत्ति में अधिकार@स्वामित्व या हित के संबंध में कोई आपत्ति या दावा है तो इस नोटिस के प्रकाशन की तारीख से 07 दिनों के भीतर हमसे संपर्क करें या उसी को संपर्क करें। यदि किसी को मिला तो अधोहस्ताक्षरित। इसके बाद किसी भी दावे पर विचार नहीं किया जाएगा।
Naveen Kumar Verma (advocate)
F-211,sector-3 Vaishali Ghaziabad
Uttar Pradesh-201010, Contact at 09958871432

सार्वजनिक सूचना
यह सार्वजनिक रूप से सूचित किया जाता है कि श्रीमती संगीता मोहापात्रा, तक्षिला हाइट्स आवासीय समूह आवास कॉलोनी में स्थित, गाँव बासई, सेक्टर 37-सी, तहसील और जिला गुरुग्राम, हरियाणा में प्रथम तल पर स्थित, सुपर क्षेत्रफल 267.380 वर्ग फीट (24.84 वर्ग मीटर) के आवासीय फ्लैट संख्या 109 को श्रीमती शोभा ने श्री कमल सिंह से 19.05.2021 को एक बिक्री विलेख के माध्यम से खरीदी थी। इस संपत्ति का विक्रयपत्र आरबीएल बैंक लिमिटेड द्वारा किया जायेगा, जिसका शाखा यूनिट नंबर 7 और 14, ग्राउंड फ्लोर, ब्लॉक ए, आईएफएफसीओ चौक, एबीडब्ल्यू टॉवर, गुरुग्राम, हरियाणा-122001 में स्थित है। मूल संप्रेषण विलेख (Conveyance Deed), दस्तावेज संख्या 4875, दिनांक 19.05.2016 खो गया है। इस दस्तावेज के खोने के संबंध में हरियाणा पुलिस नागरिक सेवा, गुरुग्राम में एफआईआर (आवेदन संख्या 132270512401501) दर्ज की गई है। जो कोई भी इस खोए हुए दस्तावेजों के बारे में जानकारी रखता है, वह कृपया अधीनस्थ या स्थानीय पुलिस स्टेशन को सूचित करें। यदि किसी व्यक्ति(ओं) के पास उक्त मूल बिक्री दस्तावेज़ है, तो कृपया निम्नलिखित पते पर इस सूचना की तारीख से 07 दिनों के भीतर मूल संपत्ति दस्तावेज़ के साथ अधीनस्थ व्यक्ति से संपर्क करें, अन्यथा, उक्त विक्रय दस्तावेज़ के आधार पर विषयवस्त संपत्ति के संबंध में दावा नाकारात्मक और अमान्य ठहराया जाएगा।
[ASHWANI KUMAR] Advocate
Chamber No. 122,
Tehsil Compound, Ghaziabad, U.P.

सार्वजनिक सूचना
सर्व साधरण को सूचित किया जाता है कि मेरी मुवक्किला श्रीमती नीतू पत्नी श्री आजाद सिहं पता मकान नं0 ई-376, भरत विहार, एनएसआईटी, द्वारका, दक्षिणी पश्चिमी दिल्ली 110078 ने अपने पुत्र शिवम सैनी व पुत्रवधु श्रीमती शालिनी सैनी को उनके दुर्व्यवहार, लढाई-झगडा करने, झूठे आरोपों में फंसाने व नियन्त्रण न होने के कारण अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल करते हुए अपने सभी रिश्ते नाते समाप्त कर लिए हैं और उपरोक्त पुत्र व पुत्रवधु द्वारा किए गये किसी भी कृत्य, लेन-देन या मुकदमें बाजी के लिए वह स्वयं जिम्मेवार होगें। मेरी मुवक्किला व उनके परिवार के सदस्य की कोई जिम्मेवारी नहीं होगी ।
शालिनी गोस्वामी अधिवक्ता
चैम्बर नं0 818, जिला न्यायालय, द्वारका कोर्ट, द्वारका, नई दिल्ली 110075

सार्वजनिक सूचना
सर्वसाधारण को यह सूचित किया जाता है कि राजनीतिक दल **वॉइस ऑफ़ आवाम पार्टी** (दल का नाम के नाम से रजिस्ट्रीकृत होना प्रस्तावित है। पार्टी कार्यालय **एच-23 बी, गढ़वाली मोहल्ला, लक्ष्मी नगर, दिल्ली-110092.** (पूरा पता लिखे) में स्थित है। इस दल ने लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 29क के अधीन राजनीतिक दल के रूप में रजिस्ट्रीकरण के लिए भारत निर्वाचन आयोग, नई दिल्ली को आवेदन प्रस्तुत किया है- पार्टी के पदाधिकारियों के नाम/पता नीचे दिए गए हैं:
अध्यक्ष : इस्माइल
महासचिव : मोहम्मद फहद
कोषाध्यक्ष : राजवेन्द्र सिंह
यदि किसी को **वॉइस ऑफ़ आवाम पार्टी** (प्रस्तावित पार्टी का नाम) के रजिस्ट्रीकरण में कोई आपति हो तो वे अपनी आपति इसके कारणों सहित सचिव (राजनीतिक दल), भारत निर्वाचन आयोग, निर्वाचन सदन, अशोक रोड, नई दिल्ली-110001 को, इस सूचना के प्रकाशन के 30 दिनों के भीतर भेजें।

NAME CHANGE
I, hitherto known as MADHU W/o ASHWANI CHHABRA residing at A-5/294, Paschim Vihar, West Delhi, Delhi -110063 have changed my name and shall hereafter be known as MADHU CHHABRA.

NAME CHANGE
I, hitherto known as Mohd Amirul Shabnam S/O Mohd Ismail R/O H-16/270, Block-H, near masjid road sangam vihar hamdard nagar, south Delhi-110062, have changed my name and shall hereafter be Known as Mohd Amirul.

NAME CHANGE
I, No. JC-781708K Rank NB/SUB Name PARMESHWAR RAY, Unit-672 (1) TPT PL ASC (TPTR) C/O-56 APO PIN-905672 presently residing at 935 SK NAGAR, RISHRA SERAMPORE, SERAMPUR, UTTARPARA, PRABHASNAGAR, HOOGHLY WEST BENGAL-712249, have changed my minor son (ADITYA RAY) date of birth from 11/05/2008 to 11/09/2010 for all purposes. Vide affidavit dated 12.11.2024 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE
It is for General information that I, AALIYA D/o SALIM AHMED residing at House No. - 14/123, Gali No. 6, Kabir Nagar, Gokal Pur, North East Delhi, Delhi - 110094 declare that the name of my Father has been wrongly written as SALIM AHMAD in my 10th and 12th Class Educational Documents. The actual name of my Father is SALIM AHMED which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, KARWADE ASHISH SHANKAR S/o KARWADE SHANKAR presently Residing VPO-ANDHALGAON, TEH-MOHADI, DIST-BHANDARA (MAHARASHTRA)-441914, have changed my minor son name from ARNAV to ARNAV ASHISH KARWADE. Vide affidavit dated 12/11/2024 executed before Notary Public Delhi.

NAME CHANGE
I, SANJAY KUMAR S/O RAM YATAN PRASAD R/O HOUSE NO 19TF, GOPAL NAGAR, TILAK NAGAR, WEST DELHI, DELHI-110018, have changed the name of my minor son MAYANK aged 14 years and he shall hereafter be known as MAYANK KUMAR.

NAME CHANGE
I, Ajmer Singh Kashyap S/o Rati ram R/o A-76, Amar Colony phase 2, Sukhi Nahar, Nangloi, Delhi-110041 have changed my name to Ajmer Singh.

NAME CHANGE
I, DEEPAK KUMAR MEENA S/o No. GS-191498L Rank DVRMT GRADE-2 Name POORAN MAL MEENA presently residing at A-34, NAVEEN PLACE JHARODA ROAD KALI PYAU, JHARODA KALAN, SOUTH WEST DELHI, DELHI-110072, have changed my name from DEEPAK KUMAR MEENA to DEEPAK for all future purposes. Vide affidavit No IN-DL84252856589455W dated 11.11.2024 before sub divisional magistrate Delhi.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, Rajender Singh S/O Lal Singh R/O B-26 DDA Flats, Village Bharola , Adarsh Nagar North West Delhi Delhi -110033, declare that name of mine and my minor has been wrongly written as Rajinder Singh Rathor and Uday Singh Rathor in my minor Son namely Uday aged 14 years in his School record. and name of mine has been wrongly written as Rajinder Singh Rathor in his birth certificate No.MCDOLIR-2210 004392771.The actual name of mine and my minor Son is Rajender Singh and Uday

NAME CHANGE
I, hitherto known as MINTU DEVI alias RINKU MISHRA D/o VINOD JHA W/o MANGNU MISHRA residing at 72, 2 Ghoda Mohalla, Aya Nagar, South Delhi, Delhi -110047 have changed my name and shall hereafter be known as RINKU MISHRA.

NAME CHANGE
I, HARENDER SINGH S/O UDAY PAL SINGH R/O HOUSE NO C-55A/2, BHARAT VIHAR, KAKROLA, KAKROLA, SOUTH WEST DELHI, DELHI-110078, have changed the name of my minor son LAXSHAY aged 14 years and he shall hereafter be known as LAKSHAY.

हरियाणा में बदला स्कूलों का समय, 15 नवंबर से लागू होगा नया टाइम टेबल

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने 15 नवंबर से शीलकाल को देखते हुए राज्य के स्कूलों का समय बदल दिया है। प्रदेश में जो स्कूल डबल शिफ्ट में चल रहे हैं, उनमें यह बदलाव मंगलवार से लागू होगा। जबकि एकल शिफ्ट वाले स्कूलों में नया बदलाव 15 नवंबर से लागू किया जाएगा। विद्यालय शिक्षा निदेशालय ने निदेशक एससीईआरटी, राज्य के सभी जिला शिक्षा अधिकारियों, जिला मौलिक शिक्षा अधिकारियों तथा जिला परियोजना समन्यवक के नाम जारी एक पत्र में कहा गया है कि प्रदेश में एकल पारी में चलने वाले सभी स्कूल 15 नवंबर से 15 फरवरी तक सुबह 9.30 बजे से दोपहर 3.30 तक लगेंगे। दो पारी में चलने वाले स्कूलों में पहली बार सुबह 7.55 से दोपहर 12.30 तक स्कूल लगेगा। दूसरी पारी 12.40 से शाम 5.15 बजे तक चलेगी। निदेशालय के अनुसार वर्तमान शिक्षा सत्र के दौरान डबल पारी वाले स्कूलों की नई समय सारिणी 12 नवंबर से लागू होगी जबकि आगामी सत्र के दौरान यह 15 अक्टूबर से मान्य होगी।

विकास कार्यों की गुणवत्ता में गड़बड़ी मिली तो नपेंगें अधिकारीः विपुल गोयल

गुरुग्राम। प्रदेश के राजस्व एवं आपदा प्रबंधन, शहरी स्थानीय निकाय मंत्री विपुल गोयल ने अधिकारियों को चेतावनी भरे लहजे में कहा कि विकास कार्यों की गुणवत्ता में किसी प्रकार की कोताही ना हो। यदि विकास कार्यों की गुणवत्ता में कोताही बरती तो अधिकारियों के विरुद्ध कार्रवाही की जाएगी। उन्होंने कहा सरकारी जमीनों पर किए गए अवैध कब्जों, अवैध निर्माणों को हटाने का प्रदेश की भाजपा सरकार ने संकल्प लिया है।मंत्री विपुल गोयल तावडू क्षेत्र के गांव बिस्सर स्थित कामधेनू आरोग्य संस्थान गौशाला में पत्रकारों से बात कर रहे थे। बातचीत के दौरान उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार ने संकल्प लिया है कि प्रदेश में सरकारी जमीनों पर किए गए अवैध कब्जों, अवैध निर्माणों को हटाया जाएगा। उन्होंने कहा प्रदेश की भाजपा सरकार ने प्रदेश की पुरानी कालोनियों को नियमित करने का कार्य किया है। प्रदेश में अवैध कालोनियों को विकसित नहीं होने दिया जाएगा। उन्होंने जिला के अधिकारियों से कहा कि रोड पर बेसहारा पशु घूमते दिखाई नहीं देने चाहिए। उन्होंने कहा एक भी बेसहारा गोवंश सडक़ों पर घूमता दिखाई नहीं देना चाहिए। उन्होंने कहा शहर, कस्बों एवं गावों में सफाई व्यवस्था का पूरा ध्यान रखा जाएगा। इसके लिए अधिकारी बार-बार शहर, कस्बों एवं गावों में जाकर सफाई व्यवस्था का निरीक्षण करेंगें।

ऐतिहासिक कपाल मोचन मेला शुरू, अंबाला की मंडलायुक्त गीता भारती ने किया शुभारंभ

यमुनानगर। पांच दिन तक चलने वाले उत्तर भारत के ऐतिहासिक कपालमोचन मेले का शुभारम्भ अम्बाला मंडलायुक्त गीता भारती द्वारा विधिवत् रूप से किया गया। मंडलायुक्त गीता भारती ने प्रदर्शनी स्थल पर पंहुचने पर सबसे पहले विभिन्न विभागों तथा संस्थाओं द्वारा लगाए गए स्टाल का अवलोकन किया। इसके उपरांत उन्होंने हवन यज्ञ तथा दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। इस अवसर पर मंडलायुक्त गीता भारती ने कहा कि मेला कपालमोचन-आदिबद्री का एक विशेष धार्मिक महत्व है। उन्होंने कहा कि प्रशासन द्वारा मेले में की गई व्यवसथाएं सुचारु रूप से कायम रहें। जिससे की धार्मिक महत्व का यह मेला सफलतापूर्वक सम्पन्न हो पाए।

मंडलायुक्त ने मेले में पहुंचे श्रद्धालुओं से अनुरोध किया कि वे अपने बच्चों तथा युवा पीढ़ी को नशे जैसी बुराई से दूर रखें। उन्होंने श्रद्धालुओं से यह भी कहा कि वे अच्छे माहौल में इस मेले का आनन्द लें और अपनी आस्था की डुबकी तीनों सरोवरों में लगाकर पुण्य के भागी बनें।मुख्य मेला प्रशासक एवं जिला उपायुक्त कैप्टन मनोज कुमार ने कहा कि इस मेले में 8 से 10 लाख श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है और यह मेला आज से विधिवत रूप से शुरू हुआ है जोकि 15 नवम्बर तक चलेगा। उन्होंने कहा कि श्रद्धालुओं की सुविधा के लिये यहां पर प्रशासन द्वारा सुरक्षा की दृष्टि से पुलिस का भी व्यापक बंदोबस्त किया गया है तथा सीसीटीवी कैमरों से भी मेले के हर कोने पर पुलिस प्रशासन द्वारा नजर रखी जा रही है।

फसल अवशेष जलाने की घटनाओं को रोकने के लिए फील्ड में रहें अधिकारी

जींद। जिले में बढ़ते प्रदूषण स्तर और पर्यावरण पर इसके प्रतिकूल पड़ रहे प्रभाव को देखते हुए डीसी सख्त हुए हैं। उन्होंने एक्यूआई को कम करने के लिए हर ठोस कदम उठाने के निर्देश दिए हैं। डीसी ने लघु सचिवालय के सभागार में फसल अवशेष प्रबंधन को लेकर संबंधित अधिकारियों की बैठक ली। इस बैठक में उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे फसल अवशेष जलाने की घटनाओं को रोकने के लिए कड़े और ठोस कदम उठाएं और अधिक से अधिक समय फील्ड में ही रहें ताकि फसल अवशेष जलाने की घटनाओं को रोका जा सके। डीसी ने कहा कि लगातार बढ़ रहे एएफएल (एयर क्वालिटी लेवल) के मामले पर्यावरण के लिए गंभीर खतरा बनते जा रहे हैं। जिससे निपटना हम सबकी जिम्मेदारी है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे फील्ड में रहकर पूरी सतर्कता से निगरानी करें ताकि कोई भी किसान फसल अवशेष जलाने का प्रयास नहीं करे।

तीन दिन चलेगा हरियाणा विधानसभा का सत्र

एजेंसी

चंडीगढ़।हरियाणा विधानसभा की बिजनेस एडवाइजरी कमेटी (बीएसी) की बैठक विधानसभा सचिवालय में हुई, जिसमें तय किया गया कि 13 नवंबर से शुरू होने वाला विधानसभा सत्र तीन दिन चलेगा। बैठक में सर्वसम्मति से तय किया गया कि शीतकालीन सत्र में तीन बैठकें होंगी। स्पीकर हरविंद्र सिंह कल्याण की अध्यक्षता में हुई बैठक में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, संसदीय कार्य मामले मंत्री महीपाल सिंह ढांडा, डिप्टी स्पीकर डॉ. कृष्ण मिड्ढा, समाज कल्याण मंत्री कृष्ण कुमार बेदी के अलावा कांग्रेस से पूर्व मंत्री गीता भुक्कल, निर्दलीय विधायकों की ओर से पूर्व मंत्री सावित्री जिंदल व इनेलो के रानियां से विधायक अर्जुन चौटाला बैठक में मौजूद रहे। बैठक में लिए गए निर्णय के अनुसार 13 नवंबर से शुरू होने वाले सत्र के पहले दिन राज्यपाल बण्डारू दत्तात्रेय का अभिभाषण होगा। इसी दिन अभिभाषण पर चर्चा भी होगी। 14 नवंबर को सत्र की दूसरी बैठक होगी।

15 को गुरुनानक जयंती, 16 को शनिवार और 17 को रविवार का अवकाश रहेगा। सोमवार यानी 18 नवंबर को सत्र की आखिरी बैठक होगी। इस बार शीतकालीन सत्र के दौरान प्रश्नकाल नहीं होगा। इस सत्र में सरकार की ओर से कई आर्डिनेंस और विधेयक सदन में पेश किए जाएंगे। सरकार कौशल रोजगार निगम के अंतर्गत कार्यरत एक लाख 20 हजार के लगभग कांट्रेक्ट कर्मचारियों की रिटायरमेंट उम्र यानी 58 वर्ष तक रोजगार की गारंटी का ऐलान कर चुकी है। इस संदर्भ में नायब सरकार के पहले कार्यकाल में ही आर्डिनेंस जारी किया जा चुका है। अब शीतकालीन सत्र में इस आर्डिनेंस को पेश किया जाएगा। इस पर पक्ष और विपक्ष के विधायक अपनी बात रख सकेंगे। बिजनेस एडवाइजरी कमेटी में नेता प्रतिपक्ष भी बतौर सदस्य शामिल होते हैं, लेकिन प्रमुख विपक्षी दल कांग्रेस ने अभी तक विधायक दल के नेता का फैसला ही नहीं किया है। ऐसे में कांग्रेस विधायकों की ओर से पूर्व शिक्षा मंत्री व झज्जर विधायक गीता भुक्कल ने भाग लिया। बैठक के बाद विधानसभा के डिप्टी स्पीकर कृष्ण लाल मिढ्ढा ने कहा कि फिलहाल बिजनेस के अनुसार ही तीन दिन सत्र चलाने का फैसला लिया गया है। मिढ्ढा ने कांग्रेस की गुटबाजी पर चुटकी लेते हुए कहा कि कांग्रेस का आपसी झगड़ा ही खत्म नहीं हो रहा। संसदीय कार्य मंत्री महीपाल ढांडा ने कहा कि लोगों को भी न केवल सरकार से बल्कि विपक्ष के नेताओं से भी विधानसभा सत्र के बारे खास लगाव रहता है और वे चाहते हैं कि उनके क्षेत्र की मांगें सदन में उठाई जाएं, परंतु विपक्ष का कोई नेता ही नहीं है तो जनता को विपक्ष से क्या उम्मीद हो सकती है।

कांग्रेस की झूठ की गारंटी पर कोई नहीं करता भरोसा : नायब सैनी

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी ने कहा है कि पूरे देश को मोदी की गारंटी पर भरोसा है। इसी गारंटी के बल पर देश में तीसरी बार भाजपा की सरकार बनी है। मुख्यमंत्री सैनी चंडीगढ़ में विधानसभा की बिजनेस सलाहकार समिति की बैठक में भाग लेने के बाद पत्रकारों से वार्ता कर रहे थे। मुख्यमंत्री नायब सैनी ने कहा कि जिस तरह से हरियाणा की जनता ने रिवाज बदलकर तीसरी बार भाजपा सरकार बनाई है, उसी तरह से महाराष्ट्र व झारखंड में भी भाजपा की सरकार बनने जा रही है। सैनी ने कहा कि वह दो दिन महाराष्ट्र में चुनाव प्रचार करेंगे। इसके बाद फिर से जहां हाईकमान के निर्देश होंगे, वहां प्रचार करेंगे। सैनी ने कहा कि हरियाणा के लोगों ने भाजपा पर भरोसा करके तीसरी बार सरकार बनाई है। चुनाव के दौरान कांग्रेस ने कई तरह के झूठ फैलाने का प्रयास किया लेकिन सफल नहीं हो पाई।

उन्होंने कहा कि आज देश के लोग यह मान चुके हैं कि कांग्रेस जो भी कहेगी वह झूठ की गारंटी होगी। इसके अधिक कुछ नहीं होगा। कांग्रेस झूठे वादे करते समय सभी सीमाएं लांघ जाती है।

दीमक की तरह अंदर ही अंदर खोखला कर देता नशा : रागिनी झा

एजेंसी

हिसार। केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय की ओर से चलाए जा रहे नशा मुक्ति अभियान के तहत जिला प्रशासन एवं जिला समाज कल्याण विभाग की ओर से हांसी क्षेत्र के राजकीय मॉडल संस्कृति सीनियर सेकेंडरी स्कूल में मैगा जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता स्कूल प्रधानाचार्य राजेश भड़ाना ने की,जबकि राज्य समन्यवक रागिनी झा मुख्य अतिथि रही। स्टेट कोर्डिनेटर रागिनी झा ने आयोजित इस कार्यक्रम में मंत्रालय की ओर से चलाए जा रहे हैं नशा मुक्त भारत अभियान के बारे में जानकारी दी। उन्होंने युवाओं को जागरूक करते हुए बताया कि नशा एक दीमक की तरह होता है। यदि किसी व्यक्ति को यह लग जाए तो अंदर ही अंदर उसे खोखला कर देता है। यह दीमक व्यक्ति को केवल शारीरिक ही नहीं बल्कि आर्थिक मानसिक और सामाजिक स्तर पर भी खत्म कर देता है, इसलिए हमें सदा नशा से परहेज करना चाहिए। प्रधानमंत्री अभ्युदया योजना सलाहकार कमेटी के सदस्य अभयराम अहलान ने तनाव से दूर

रहने के लिए प्रेरित किया। समाज कल्याण विभाग से धर्मवीर पानू ने बताया कि जिला प्रसाशन एवं समाज कल्याण विभाग द्वारा मास्टर वालंटियर के सहयोग से आमजन को नशा से बचाने के लिए विभिन्न स्कूल, कॉलेज, यूनिवर्सिटी, ग्राम सभा आदि में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं, जिसमें काफी सफलता भी मिल रही है।कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप पहुंचे मास्टर वालंटियर एवं सिविल अस्पताल के सुकून कॉउंसलर राहुल शर्मा ने बताया कि आज के समय युवाओं को सोशल मीडिया पर भी रिल्स, वीडियो, डांस वीडियो, आकर्षित शराब ठेका के माध्यम से शराब, सिगरेट आदि का प्रचार प्रसार किया जा रहा है। प्रिंसिपल राजेश भड़ाना ने सभी छात्रों को जागरुक करते हुए बताया कि जिंदगी में कभी भी कोई भी विपरीत परिस्थिति आ जाए लेकिन नशा का साथ न लें। कैंप में उपस्थित सभी को नशा न करने व नशा से ग्रस्त लोगों का नशा छुड़वाने के लिए शपथ दिलवाई गई।

स्वच्छता अभियान को चलाए रखना हम सब की जिम्मेदारीः डॉ विवेक भारती

एजेंसी

नारनौल। उपायुक्त डॉ विवेक भारती ने लघु सचिवालय भवन में स्थित सभी कार्यालयों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने सभी अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि कार्यालय में साफ-सफाई अच्छी तरह से होनी चाहिए।

उपायुक्त ने लघु सचिवालय में सफाई व्यवस्था को लेकर अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि इस मामले में किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए। सरकार के स्वच्छता अभियान को लगातार चलाए रखना हम सब की जिम्मेदारी है। हमें संकल्पित भाव के साथ स्वच्छता को आगे बढ़ाना है। उपायुक्त ने सचिवालय भवन तृतीय तल पर स्थित एनआईसी कार्यालय का निरीक्षण किया। लोकसभा आम चुनाव के दौरान यहां आग लग गई थी। डीसी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जल्द से जल्द इस कार्यालय की मरम्मत कराई जाए। सूचना एवं तकनीक के युग में एनआईसी महत्वपूर्ण कार्यालय है। ऐसे में इसे तुरंत प्रभाव से दोबारा स्थापित करने की कार्रवाई शुरू की जाए। अंत्योदय तथा सरल केंद्र के निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने कहा

कि हरियाणा सरकार की ओर से लगभग सभी योजनाएं तथा सेवाएं अब ऑनलाइन की गई है। यहां पर बिना किसी बाधा के निश्चित अवधि में नागरिकों को सेवाओं का लाभ मिलना चाहिए। डीसी ने आज लघु सचिवालय के तीनों मंजिलों पर स्थित सभी कार्यालय का बारी-बारी से निरीक्षण किया तथा अधिकारियों को निर्देश दिए कि वह रिकॉर्ड को अच्छी तरह से व्यवस्थित रखें। जो रिकॉर्ड पुराना हो चुका है तथा उसका कंप्यूटराइजेशन हो चुका है उसे रिकॉर्ड को नियमों के अनुसार बाहर निकलें। उन्होंने सभी अधिकारियों व कर्मचारियों को निर्देश दिए कि वे समय पर कार्यालय में पहुंचे। इस दौरान उनके साथ एसडीएम डॉ जितेंद्र सिंह, नगराधीश मंजीत सिंह, जिला राजस्व अधिकारी राकेश कुमार तथा डीडीपीओ हरिप्रकाश बंसल के अलावा अन्य अधिकारी भी मौजूद रहे।

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष उदयभान ने भाजपा पर लगाए ईवीएम हैक करने का आरोप

एजेंसी

पलवल। जनपद में आयोजित कांग्रेस कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित करते हुए पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष उदयभान ने एक बार फिर ईवीएम की विश्वसनीयता पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कार्यकर्ताओं से कहा कि हम चुनाव हारे नहीं हैं बल्कि ईवीएम मशीनें हैक कर बेईमानी से चुनाव हराया गया है, लेकिन हमारे हौंसले नहीं हारे। उन्होंने कहा कि आज भी हममें वो ताकत है कि हमारे कार्यकर्ता की तरफ कोई उंगली उठाकर नहीं देख सकता, देखा तो उसका माकूल जवाब दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि देश की सीबीआई, ईडी, सीआईडी, चुनाव आयोग, न्यायपालिका या कोई अन्य एजेंसी हो, सभी को भाजपा ने अपने कब्जे में किया हुआ है। देश-प्रदेश में पूरी तरह से गुंडागर्दी का माहौल बना हुआ

है। देश में हिंदू-मुसलमान के नाम से ज़हर घोलकर शासन किया जा रहा है। प्रदेश अध्यक्ष ने उत्तर प्रदेश सरकार में मंत्री चौ. लक्ष्मीनारायण द्वारा होडल क्षेत्र में उनके विरोध में चुनाव प्रचार करने पर कहा कि हम विरोधियों के दम पर नहीं, बल्कि अपने दम पर राजनीति करते हैं। विरोधी और विपक्षी के साथ तो अदले का बदला है।कांग्रेस अध्यक्ष उदयभान ने यूपी के मंत्री लक्ष्मीनारायण पर निशाना साधते हुए कहा कि दो साल बाद उत्तर प्रदेश में चुनाव होने हैं, अगर क्षेत्र की जनता में दम है तो वहां अपना दम खम दिखा दें। उन्होंने कहा कि पिछले महीनों जब लोकसभा के चुनाव हुए तो वह पूरे प्रदेश में प्रचार में जुटे रहे और अपने क्षेत्र को समय नहीं दिया, जिसके बावजूद भी क्षेत्र से पार्टी की जीत हुई। विधानसभा चुनावों में उन्होंने कोई गांव, घर और व्यक्ति नहीं छोड़ा, लेकिन फिर भी पार्टी प्रदेश में चुनाव हार गई। उदयभान ने कहा कि वह चुनाव हारे नहीं, बल्कि बेईमानी से चुनाव हराया गया है। भाजपा का प्रत्याशी चुनाव से मात्र 15 दिन पहले आया और जनता की मालाओं को वापस कर, लंबी दंडोती करने का ड्रामा करके चुनाव जीत गया।

झूठी शिकायत देने वालों के खिलाफ होगी कार्रवाईः हेमेंद्र मीणा

एजेंसी

हिसार। हांसी के पुलिस अधीक्षक हेमेन्द्र कुमार मीणा ने झूठी शिकायत देने वालों को कार्रवाई की चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि कोई भी व्यक्ति किसी भी तरह की झूठी सूचना देकर पुलिस को गुमराह ना करें अन्यथा उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। पुलिस अधीक्षक हेमेंद्र मीणा ने बताया कि अक्सर देखा गया है कि कुछ लोग आपसी रंजिश निकालने के लिए एक-दूसरे के खिलाफ झूठी शिकायत दे देते हैं। इससे पुलिस का वक्त और संसाधन बर्बाद होते हैं। ऐसे व्यक्तियों के खिलाफ पुलिस भारतीय न्याय संहिता 217 के तहत कार्रवाई करके कोर्ट में भेज देती है। पुलिस अधीक्षक कहा कि प्रायः देखा गया है कि कुछ लोग झूठी शिकायत देने के बाद पंचायती फैसला कर लेते हैं। ऐसे मामलों पर भी पुलिस की कड़ी नजर है, यदि कोई दोषी पाया जाता है तो उसके खिलाफ भी पुलिस द्वारा कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। पुलिस अधीक्षक ने अपील करते हुए कहा कि कोई भी व्यक्ति पुलिस को ऐसी कोई भी झूठी शिकायत न दें, जिससे पुलिस जांच अधिकारियों का समय तथा पुलिस के संसाधन बर्बाद हो। हांसी पुलिस द्वारा झूठी शिकायत देने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। उन्होंने कहा कि झूठी शिकायत देने वालों के खिलाफ कार्रवाई किए जाने से समाज में झूठे आरोप लगाकर आमजन को परेशान करने में कमी आएगी व झूठे आरोप लगाने के मामलों में भी कमी आएगी। यही नहीं, पुलिस की इस कार्रवाई से लोगों में विश्वास पैदा होगा और समाज में आपसी भाईचारा बढेगा।

गुरुग्राम-झज्जर रोड पर दूर होगी जाम की समस्याः नरबीर सिंह

एजेंसी

गुरुग्राम। हरियाणा के उद्योग एवं वाणिज्य, पर्यावरण, वन एवं वन्य जीव मंत्री राव नरबीर सिंह ने कहा कि गुरुग्राम में ढांचागत तंत्र को विकसित करने के लिए धरातल पर ऐसी योजनाएं तैयार की जाएं, जिनका नागरिकों को जल्द से जल्द लाभ मिले। साथ ही सडक़, सीवरेज व जल निकासी से जुड़े कार्यों को शीघ्रता से पूरा किया जाए। यह बात उन्होंने गुरुग्राम-झज्जर मार्ग पर गांव धनकोट के समीप सडक़, यातायात प्रबंधन व जल निकासी के इंतजामों का निरीक्षण करते हुए कही। अधिकारियों को मौके पर राव नरबीर सिंह ने कहा कि झज्जर मार्ग के जरिए गुरुग्राम शहर में प्रदेश के अन्य जिलों की कनेक्टिविटी है। ऐसे में इस सडक़ पर यातायात का बहुत अधिक दबाव रहता है। धनकोट गांव में जाम की स्थिति न हो, इसके लिए एक विशेष कार्य योजना तैयार की जाए। उन्होंने धनकोट के समीप नहर पर अतिरिक्त स्लैब डालकर या कोई अन्य विकल्प तलाश कर यातायात प्रबंधन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। पीडब्ल्यूडी, जीएमडीए और नगर निगम के अधिकारी एक संयुक्त मीटिंग बुलाकर एक समयसीमा के भीतर इसका समाधान करना सुनिश्चित करे। उन्होंने धनकोट के भीतर से गुजरने वाली सडक़ और बाइपास वाली सडक़ की तुरंत मरम्मत करने के भी निर्देश दिए। धनकोट के भीतर जलनिकासी के लिए बनाए गए ड्रेनेज सिस्टम की तुरंत सफाई करने के भी निर्देश दिए ताकि

गांव धनवापुर के समीप होने वाले जलभराव के समाधान के भी निर्देश दिए। पीडब्ल्यूडी के अधिकारियों ने एक महीने के भीतर इस समस्या का समाधान करने की बात कही। इस दौरान ग्रामीणों ने भी कैबिनेट मंत्री को अपनी कई मांगों के अवगत कराया। राव नरबीर सिंह ने मौके पर ही संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए। उन्होंने सडक़ पर होने वाले जलभराव का समाधान किया जा सके। इस अवसर पर नगर निगम गुरुग्राम के एडिशनल कमिश्नर वाईएस गुप्ता, चीफ इंजीनियर मनोज यादव, पीडब्ल्यूडी के अधीक्षण अभियंता प्रवीण चौधरी, एक्सईएन गजेंद्र सिंह, जीएमडीए के एक्सईएन विकास मलिक सहित अन्य अधिकारीगण भी उपस्थित रहे।

महिलाओं में साइबर क्राइम के प्रति जागरूकता जरूरीः सोनिया अग्रवाल

एजेंसी

सोनीपत। हरियाणा राज्य महिला आयोग द्वारा हिन्दू गर्ल्स कॉलेज में महिलाओं के प्रति होने वाले साइबर क्राइम के प्रति जागरूकता कार्यक्रम आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ आयोग की वाईस चेयरपर्सन सोनिया अग्रवाल ने किया। उन्होंनेकहा कि सोशल मीडिया युवाओं को अपनी चपेट में ले रहा है, और इसके सही इस्तेमाल की जानकारी होना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने छात्राओं को आगाह किया कि सोशल मीडियापर अपनी निजी जानकारी साझा न करें, क्योंकि इससे साइबर क्राइम का खतरा रहता है।

सोनिया अग्रवाल ने कहा कि यदि कोई ब्लैकमेल करता है, तो डरने के बजाय पुलिस, परिजन या महिला आयोग को इसकी जानकारी दें। उन्होंने छात्राओं से अपील की कि पढ़ाई पर ध्यान केंद्रित करें और सोशल मीडिया से दूरी बनाकर रखें। उन्होंने समाज में फैलने वाली सामाजिक कुरीतियों से बचने का आह्वान भी उन्होंने किया। इस अवसर पर पुलिस विभाग के एसएचओ बसंत सिंह ने छात्राओंको साइबर क्राइम से बचने के उपाय बताए। उन्होंने कहा कि अनजान लिंक पर क्लिक करने औरअज्ञात लोगों से पासवर्ड साझा करने से बचना चाहिए, क्योंकि ये अपराध की ओर ले जा सकतेहैं।

सफाई व्यवस्था लचर मिली तो होगी कार्रवाईः बलप्रीत सिंह

एजेंसी

गुरुग्राम। नगर निगम गुरुग्राम के अतिरिक्त आयुक्त डा. बलप्रीत सिंह के सफाई व्यवस्था को लेकर आयोजित बैठक में कड़े तेवर दिखाई दिए। उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी क्षेत्रों में बेहतर सफाई व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। कोताही किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं होगी। संबंधित अधिकारियों के खिलाफ विभागीय कार्रवाई की जाएगी। डा. सिंह ने कहा कि नागरिकों को बेहतर सफाई उपलब्ध करवाना नगर निगम की प्राथमिक जिम्मेदारी है। इसके लिए हमें गंभीरता से कार्य करने की आवश्यकता है। उन्होंने संयुक्त आयुक्तों से कहा कि वे प्रतिदिन अपने-अपने जोन का दौरा करें तथा सडक़ों, फुटपाथों, ग्रीन बैल्ट, बाजार सहित सार्वजनिक स्थानों की सफाई तथा गार्बेज वर्नेबल प्वाइंटों और सेकेंडरी कचरा कलेक्शन प्वाइंटों से नियमित कचरा उठान सुनिश्चित करवाएं। उन्होंने स्पष्ट किया गया सफाई से संबंधित आने वाली शिकायतों का त्वरित समाधान सुनिश्चित होना चाहिए। इसके साथ ही जटायू मशीनों का नियमित संचालन सुनिश्चित करने, कचरा संभावित स्थानों पर डस्टबिन रखवाने तथा बागवानी कचरे का नियमित उठान सुनिश्चित करने के निर्देश भी अतिरिक्त निगमायुक्त द्वारा दिए गए। ठोस कचरा प्रबंधन नियम-2016 के तहत निगम क्षेत्र में स्थित बल्क वेस्ट जनरेटरों की समीक्षा के

दौरान अतिरिक्त निगमायुक्त ने कहा कि सभी संयुक्त आयुक्त अपने-अपने जोन में स्थित बीडब्ल्यूजी को ऑनलाईन पोर्टल पर रजिस्टर करवाएं। अगर कोई बीडब्ल्यूजी ना तो पोर्टल पर रजिस्टर करता है और ना ही नियमों की पालना कर रहा है तो उसके खिलाफ कार्रवाई करते हुए नियम के तहत उसका चालान करें। उन्होंने कहा कि ठोस कचरा प्रबंधन नियम के तहत निगम सीमा में स्थित बल्क वेस्ट जनरेटरों की यह जिम्मेदारी है कि वे अपने कचरे का प्रबंधन स्वयं के स्तर पर अपने ही परिसर में करें। इसके तहत गीले, सूखे व घरेलू हानिकारक कचरे को अलग-अलग किया जाना अनिवार्य है। गीले कचरे से खाद तैयार करके उसका उपयोग अपने परिसर के हरित क्षेत्र में करें तथा सूखा व घरेलू हानिकारक कचरा संबंधित रिसायकिल के माध्यम से निष्पादित करवाएं। नियमों की पालना नहीं करने पर 25 हजार रुपए का जुर्माना निगम टीमों द्वारा किया जा रहा है।

पराली जलाने पर 30 हजार तक का लगाया जाएगा जुर्माना : उपनिदेशक

एजेंसी

हिसार। वायु गुणवत्ता से निपटने के प्रयासों के तहत केंद्र सरकार ने पराली जलाने वालों के लिए जुर्माने की राशि को बढ़ा दिया है। इसके तहत अब पराली जलाने वालों पर 30 हजार रुपये तक जुर्माना लगाया जा सकता है। कृषि विभाग के उप निदेशक राजबीर सिंह ने कहा कि तत्काल प्रभाव से लागू होने वाले नए नियमों के तहत दो एकड़ से कम जमीन वाले किसानों पर पांच हजार रुपये का जुर्माना लगेगा। दो से पांच एकड़ के बीच भूमि वाले किसानों पर 10 हजार रुपये का जुर्माना लगाया जाएगा जबकि पांच एकड़ से अधिक भूमि वाले किसानों पर पराली जलाने पर 30 हजार रुपये का जुर्माना लगाया जाएगा। एक आधिकारिक नोटिस में कहा गया है कि नए नियमों को राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र और आसपास के क्षेत्रों में वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (पराली जलाने के लिए पर्यावरणीय मुआवजे का अधिरोपण, संग्रह और उपयोग) संशोधन नियम, 2024 के रूप में पारित किया गया है। सहायक कृषि अभियंता ओमप्रकाश महीवाल ने केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के वैज्ञानिक अब्दुल मतीन के साथ न्योली खुर्द गांव में किसानों से आह्वान किया कि वे फसल अवशेष नहीं जलाएं, बल्कि इसका प्रबंधन करके प्रति एकड़ 1000 रुपये प्रोत्साहन राशि के रूप में पाएं। उन्होंने कहा कि कृषि विभाग व संबंधित अधिकारियों द्वारा फील्ड में रहकर कड़ी निगरानी के साथ किसानों को जागरूक किया जा रहा है। इसके साथ-साथ टीमों द्वारा ग्राम स्तर पर किसानों को फसल अवशेष प्रबंधन के लाभ तथा पराली जलाने से होने वाले नुकसान के बारे में बताया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पराली जलाने से प्रकृति, जमीन तथा मानव जीवन पर अत्यंत गंभीर व प्रतिकूल प्रभाव पड़ते है, जिससे जमीन की उर्वरा शक्ति नष्ट होने के साथ-साथ प्राकृतिक प्रदूषण की वजह से मनुष्य भी अनेक जानलेवा बीमारियों का शिकार होता है। किसान किसी भी सूरत में पराली ना जलाएं बल्कि सरकार की ओर से क्रियान्वित की जा रही फसल अवशेष प्रबंधन योजना का लाभ उठाएं और अवशेष प्रबंधन कर जमीन की उर्वरा शक्ति को बनाए रखें।

किआ 2.0 एसयूवी हो सयरोस नाम से लाँच

नयी दिल्ली। यात्री वहान बनाने वाली कंपनी किआ इंडिया ने आज अपनी बहुप्रतीक्षित किआ 2.0 एसयूवी का नाम घोषित किया। इसका नाम किआ सयरोस रखा गया है। कंपनी ने यहां जारी बयान में कहा कि एक शानदार वाहन जो नए युग के शानदार बोल्ड डिज़ाइन, उन्नत तकनीक और पौराणिक विरासत का सही मिश्रण है। सयरोस , कार्निवल और ईवी 9 के बाद किआ की पहली 2.0 एसयूवी होगी। यह किआ की यात्रा में एक नए अध्याय का प्रतिनिधित्व करेगी, जो परंपरा को नवाचार के साथ मिलाएगी। यह नामकरण रणनीति किआ की उन वाहनों को बनाने की प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है जो भावनात्मक स्तर पर ग्राहकों के साथ प्रतिध्वनित होते हैं। सयरोस एक एसयूवी की व्यावहारिकता को एक विशिष्ट, बोल्ड डिज़ाइन, अत्याधुनिक तकनीक और शीर्ष-स्तरीय सुरक्षा के साथ सहजता से मिश्रित करता है। इसकी प्रगतिशील स्टाइलिंग पारंपरिक एसयूवी मानदंडों को चुनौती देती है, जो एक ताज़ा और रोमांचक ड्राइविंग अनुभव प्रदान करती है।

टूरिज्म आस्ट्रेलिया ने बताया भारत को महत्वपूर्ण बाजार, चला रहा है चार दिन का मार्केटिंग अभियान

नयी दिल्ली। आस्ट्रेलिया सरकार की पर्यटन विकास एजेंसी टूरिज्म आस्ट्रेलिया ने भारत को अद्भुत रूप से एक महत्वपूर्ण बाजार बताया हैया है। टूरिज्म आस्ट्रेलिया की प्रबंध निदेशक फिलिपा हैरिसन और भारतीय पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए नयी दिल्ली और मुंबई में दो-दो दिन का विशेष विपणन अभियान शुरू किने इस अभियान के पहले चरण के पहले दिन यहां मीडिया के साथ एक विशेष चर्चा में कहा, हमारे लिए इंडिया अद्भुत रूप से एक महत्वपूर्ण बाजार है। आस्ट्रेलिया आने वाले पर्यटकों के स्रोत की दृष्टि से भारत पाचवां सबसे बड़ा बाजार बन गया है और आस्ट्रेलिया आने वाले भारतीय पर्यटकों की संख्या लगातार बढ़ रही है। सुश्री हैरिसन के साथ आस्ट्रेलिया के पर्यटन उद्योग की करीब 15 कंपनियों के मुख्य अधिशासी अधिकारी भी भारत में पर्यटन एवं यात्रा उद्योग तथा मीडिया के साथ संपर्क अभियान के लिए भारत आये हुए हैं।मीडिया सत्र को भारत में टूरिज्म आस्ट्रेलिया के निशांत काशीकर, कंपनी की दक्षिण और दक्षिण पूर्व एशियाई बाजार के लिए क्षेत्रीय महाप्रबंधक जेनिफर डोइग और कार्यकारी महाप्रबंधक (पूर्वी बाजार एवं विमानन प्रभाग) एंड्र्यू हॉग ने भी संबोधित किया। कंपनी ने पूर्व आस्ट्रेलियाई क्रिकेटर डेविड बार्नर को भारत के लिए अपना ब्रांड एम्बेसडर बनाया है और वार्नर भारत के लिए टूरिज्म आस्ट्रेलिया के वीडियो मध्यम के प्रचार अभियान के मुख्य सितारे है। इन विज्ञापनों में देशाटन के शौकीनों को लुभाने के लिए सिडनी, मेलबॉर्न जैसे आस्ट्रेलिया के कई आकर्षक शहरी केंद्रों तथा कई समुद्र तटीय सैरगाहों की आकर्षक झलक प्रस्तुत की गयी है।

ओएनजीसी का तिमाही मुनाफा 39 प्रतिशत घटा

नई दिल्ली। ऊर्जा क्षेत्र की प्रमुख कंपनी तेल एवं प्राकृतिक गैस निगम (ओएनजीसी) का चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में सकल शुद्ध मुनाफा इसके पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही के 16171 करोड़ रुपये की तुलना में 38.9 प्रतिशत घटकर 9878 करोड़ रुपये रह गया। कंपनी ने निदेशक मंडल की बैठक के बाद नियामकीय फाइलिंग में बताया कि वित्त वर्ष 2024-25 की जुलाई-सितंबर तिमाही के दौरान ओएनजीसी का परिचालन राजस्व 158329 करोड़ रुपये रहा, जो पिछले वित्त वर्ष 2023- की इसी अवधि के 147614 करोड़ रुपये की तुलना में 7.3 प्रतिशत अधिक है। ओएनजीसी बोर्ड ने पांच रुपये के प्रत्येक इक्विटी शेयर पर 120 प्रतिशत यानी छह रुपये का अंतरिम लाभांश स्वीकृत किया है। इस खाते पर कुल भुगतान 7,548 करोड़ रुपये होगा। लाभांश वितरण की रिकॉर्ड तिथि 20 नवंबर, 2024 तय की गई है, जिसकी सूचना स्टॉक एक्सचेंजों को दे दी गई है। ओएनजीसी ने कहा, ÷वह घरेलू उत्पादन बढ़ाने पर निरंतर जोर देने के बीच कच्चे तेल के उत्पादन में गिरावट की प्रवृत्ति को उलटने में सक्षम रही है। वित्त वर्ष 2025 की दूसरी तिमाही के दौरान कच्चे तेल का एकल उत्पादन (कंडेनसेट को छोड़कर) 4.576 एमएमटी था, जो पिछले वित्त वर्ष की इसी तिमाही की तुलना में 0.7 प्रतिशत अधिक है। गैस उत्पादन के मोर्चे पर भी कंपनी गिरावट को रोकने में सक्षम रही है।

मारूति सुजुकी ने पेश की नयी डिजायर

नयी दिल्ली। यात्री वाहन बनाने वाली देश की सबसे बड़ी कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड ने कॉम्पैक्ट सेडान सेगमेंट में एक नया बेंचमार्क स्थापित करते हुए आज पेट्रोल और एस सीनजी मॉडल के साथ नई डिजायर पेश की जिसकी एक्स शोरूम शुरूआती आमंत्रण कीमत 6.79 लाख रुपये है। कंपनी के प्रबंध निदेशक एवं सीईओ हिसाशी टेकाउची ने आज यहां इस कार को पेश करते हुये कहा कि मारुति सुजुकी के पोर्टफोलियो में सबसे सफल और प्रतिष्ठित ब्रांडों में से एक के रूप में डिजायर ने देश भर में 27 लाख से अधिक ग्राहकों का विश्वास अर्जित किया है। नई डिजायर को इसकी विरासत और बेजोड़ शैली, आराम और विश्वसनीयता की मजबूत नींव पर बनाने के लिए फिर से तैयार किया गया है। अपने प्रगतिशील डिजाइन, आलीशान टू-टोन इंटीरियर और सेगमेंट-फर्स्ट फीचर्स की मेजबानी के साथ नई डिजायर एक विशिष्ट और प्रीमियम अनुभव प्रदान करती है। नेक्स्ट-जेन जेड-सीरीज इंजन के साथ, नई डिजायर भारत की सबसे अधिक ईंधन कुशल सेडान के रूप में अविश्वसनीय मूल्य का वादा करती है।

सैगिलिटी इंडिया की मामूली प्रीमियम के साथ लिस्टिंग, निवेशकों को मिला 3.53 प्रतिशत का लिस्टिंग गेन

एजेंसी

नई दिल्ली। विदेशी हेल्थ इंश्योरेंस कंपनियों को सर्विस देने वाली कंपनी सैगिलिटी इंडिया के शेयर आज मामूली प्रीमियम के साथ बीएसई और एनएसई पर लिस्ट हुए। आईपीओ के तहत कंपनी ने 30 रुपये के भाव पर शेयर जारी किए थे। आज बीएसई ओर एनएसई पर इसकी लिस्टिंग 31.06 रुपये के स्तर पर हुई। इस तरह आईपीओ निवेशकों को सिर्फ 3.53 प्रतिशत का लिस्टिंग गेन मिल सका।लिस्टिंग के बाद से ही ये शेयर सीमित दायरे में कारोबार करता नजर आ रहा है। खरीदारी के सपोर्ट से इसने 32.87 रुपये के स्तर तक पहुंचने में सफलता हासिल की। वहीं, बिकवाली का दबाव बनने पर ये शेयर 30.50 रुपये के स्तर तक गिर गया। लगातार जारी खरीद-बिक्री के बीच सुबह 11:30 बजे सैगिलिटी

इंडिया के शेयर 1.54 रुपये की बढ़त के साथ 31.54 रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहे थे। सैगिलिटी इंडिया का 2,106.60 करोड़ रुपये का आईपीओ 5 से 7 नवंबर के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से अच्छा रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 3.20 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन में 3.52 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन 1.93 गुना सब्सक्राइब हुआ था, जबकि रिटेल इन्वेस्टर के लिए रिजर्व पोर्शन 4.16 गुना और एम्पलाइज का हिस्सा 3.75 गुना सब्सक्राइब हुआ था। आईपीओ के तहत कोई भी नया शेयर जारी नहीं किया गया है, जबकि 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 70,21,99,262 शेयर को ऑफर फॉर सेल (ओएफएस) विंडो के जरिए बेचा गया है।

सैगिलिटी इंडिया का पूरा कारोबार अमेरिका में है। ये कंपनी अमेरिकी हेल्थ इंश्योरेंस कंपनियों को सर्विस देती है। वित्त वर्ष 2021-22 में इसे 4.67 करोड़ रुपये का शुद्ध घाटा हुआ था, लेकिन 2022-23 में कंपनी ने 143.57 करोड़ रुपये का शुद्ध मुनाफा कमाया। इसी तरह 2023-24 में इसका मुनाफा बढ़ कर 228.27 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इस अवधि में कंपनी के रेवेन्यू में भी सालाना 125 प्रतिशत की चक्रवृद्धि दर से बढ़ोतरी हुई, जिसके कारण इसका रेवेन्यू 4,781.5 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया।

अक्टूबर में एसआईपी निवेश में रिकॉर्ड तोड़ तेजी, पहली बार 25 हजार करोड़ से ज्यादा हुआ निवेश

एजेंसी

नई दिल्ली। अक्टूबर के महीने में निवेशकों ने सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) के जरिए म्युचुअल फंड में होने वाले निवेश को पहली बार 25,000 करोड़ रुपये के पार पहुंचा दिया है। घरेलू शेयर बाजार में विदेशी निवेशकों की बिकवाली के कारण बने मंदी के रुझान के बीच निवेशकों ने सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान के प्रति अपना भरोसा जताया है।एसोसिएशन ऑफ म्युचुअल फंड्स ऑफ इंडिया (एएमएफआई) के आंकड़ों के अनुसार अक्टूबर के महीने में एसआईपी बुक में 25,322 करोड़ रुपये की एंट्री हुई है, जबकि सितंबर के महीने में एसआईपी बुक में 24,509 करोड़ रुपये की एंट्री हुई थी। इस तरह से अक्टूबर के महीने में एसआईपी के जरिए सितंबर की तुलना में 813 करोड़ रुपये का अतिरिक्त निवेश हुआ है। म्यूचुअल फंड्स में एसआईपी के जरिए किसी एक महीने में हुआ यह अभी तक का सबसे बड़ा निवेश है। एएमएफआई के आंकड़ों के अनुसार अक्टूबर के महीने में एसआईपी के जरिए होने वाले निवेश में तो बढ़ोतरी हुई ही है, एसआईपी खातों की संख्या में भी बढ़ोतरी हुई है। एसआईपी खातों की संख्या अक्टूबर के महीने में बढ़ कर लगभग 10.12 करोड़ हो गई, जबकि सितंबर में यह संख्या 9.87 करोड़ थी। अक्टूबर के महीने में एसआईपी के खातों की संख्या में शुद्ध रूप से 14.1 9 खातों की बढ़ोतरी हुई है।

देवोत्थान एकादशी के दिन सस्ता हुआ सोना, चांदी के भाव में भी गिरावट

एजेंसी

नई दिल्ली। तुलसी विवाह और देवोत्थान एकादशी के दिन आज घरेलू सर्राफा बाजार में गिरावट का रुख बना हुआ है। आज सोना 550 रुपये से लेकर 600 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हुआ है। इसी तरह चांदी के भाव में भी आज 1 हजार रुपये प्रति किलोग्राम तक की गिरावट दर्ज की गई है। कीमत में आई गिरावट के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज 78,900 रुपये से लेकर 78,750 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना भी 72,340 रुपये से लेकर 72,190 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बना हुआ है। सोने की तरह चांदी के भाव में भी कमजोरी आने की वजह से दिल्ली सर्राफा बाजार में इसकी कीमत आज 92,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर आ गई है।देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 78,900 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 72,340 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं, देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 78,750 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 72,190 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 78,800 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 72,240 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 78,750 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 72,190 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 78,750 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 72,190 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 78,900 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 72,340 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं, पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 78,800 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई है, जबकि 22 कैरेट सोना 72,240 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 78,900 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 72,340 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोने सस्ता हुआ है।

भारत में दूरसंचार से वंचित लोगों को जोड़ने का काम करेगा सैटेलाइट संचार : सिंधिया

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय दूरसंचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि वह उपग्रह संचार नेटवर्क यानी गैर-स्थलीय नेटवर्क के विकास को बड़ी उम्मीद के साथ देख रहे हैं। उन्?होंने कहा कि यह माध्यम दूरसंचार से वंचित लोगों को जोड़ने के अलावा संचार प्रौद्योगिकियों के क्षेत्र में नए अवसर तैयार करेंगे।

केंद्रीय संचार मंत्री ने राजधानी नई दिल्ली में दक्षिण एशियाई दूरसंचार विनियामक परिषद (एसएटीआरसी) की 25वीं बैठक का उद्घाटन के अवसर पर यह बात कही। सिंधिया ने कहा कि भारत सरकार देश में इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण के विकास के लिए प्रतिबद्ध है।

सिंधिया ने कहा कि भारत वैश्विक दक्षिण की आवाज के तौर पर उभर रहा है, एसएटीआरसी-25 ज्ञान-साझाकरण और उभरती नीति और विनियामक चुनौतियों पर अभिनव दृष्टिकोणों के संगम के लिए एक उत्कृष्ट मंच के रूप में काम करेगा। उन्होंने कहा कि सुरक्षित, सुरक्षित और मानक संचालित भविष्य को विनियामक निकायों द्वारा नीतियों के निर्माण का मार्गदर्शन करना चाहिए। सिंधिया ने कहा कि देश की करीब 99 दशमलव तीन फीसदी मोबाइल जरूरतों का निर्माण भारत में ही हो रहा है। संचार मंत्री ने कहा कि यह बैठक दक्षिण एशियाई देशों के विनियामकों को मिलने, एकत्र होने और विचारों के साथ आगे आने का अवसर देगी।संचार मंत्री ने कहा कि 1.2 अरब टेलीफोन और 970 मिलियन इंटरनेट ग्राहकों के साथ भारत एक डिजिटल टाइटन के रूप में उभरा है। उन्?होंने कहा कि

वित्?त वर्ष 2026-27 तक भारत की अर्थव्यवस्था का 20 फीसदी हिस्सा डिजिटल हो जाएगा। बैठक में अफगानिस्तान, बांग्लादेश, भूटान, भारत, इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान, मालदीव, नेपाल, पाकिस्तान और श्रीलंका जैसे एसएटीआरसी देशों के नियामकों और संबद्ध सदस्यों के प्रमुख शामिल हुए।

डीआईआई का निवेश पहली बार 4.5 लाख करोड़ के पार पहुंचा, एफआईआई की बिकवाली को मिला करारा जवाब

एजेंसी

नई दिल्ली। लगातार जारी उठा पटक के बीच घरेलू संस्थागत निवेशक (डीआईआई) इस साल भारतीय शेयर बाजार में अभी तक करीब साढ़े चार लाख करोड़ रुपये से अधिक का निवेश कर चुके हैं। इस निवेश का एक बड़ा हिस्सा विदेशी निवेशकों की बिकवाली के समय स्टॉक मार्केट को सपोर्ट करने के लिए किया गया है। किसी एक कैलेंडर ईयर में घरेलू संस्थागत निवेशकों द्वारा किया गया ये अभी तक सबसे ज्यादा निवेश है। ये स्थिति भी तब है, जबकि साल 2024 खत्म होने में अभी भी करीब डेढ़ महीने का समय बचा हुआ है। शेयर बाजार में जिस तरह विदेशी निवेशकों ने बिकवाली का दबाव बनाया हुआ है, उसके आधार पर अनुमान लगाया जा रहा है कि अगर ये स्थिति आगे भी जारी रही तो घरेलू संस्थागत निवेशकों के निवेश का आंकड़ा और भी ज्यादा हो सकता है। घरेलू शेयर बाजार में इस साल 30 सितंबर के बाद से ही लगातार बिकवाली का दबाव बना हुआ है। मिडिल ईस्ट में जारी तनाव और चीन के राहत पैकेज का ऐलान किए जाने के कारण विदेशी निवेशक दुनिया के ज्यादातर स्टॉक मार्केट की तरह ही भारतीय शेयर बाजार में भी लगातार बिकवाली का दबाव बनाए रहे हैं। विदेशी निवेशकों की बिकवाली के कारण और स्टॉक मार्केट में लिस्टेड कई बड़ी कंपनियों के कमजोर तिमाही नतीजे की वजह से मार्केट सेंटीमेंट भी कमजोर हुआ है। इसके बावजूद घरेलू संस्थागत निवेशकों ने लगातार लिवाली करके शेयर बाजार को क्रैश होने से बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

भारत का लक्ष्य 2030 तक 2 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर का निर्यात करना: गोयल

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि 2030 तक 2 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर के निर्यात का लक्ष्य हासिल करने के लिए सामूहिक प्रयास की जरूरत है। गोयल ने वैश्विक व्यापार में भारत की स्थिति को मजबूत करने और आर्थिक विकास को गति देने में संस्थान की भूमिका पर जोर दिया।

केंद्रीय वाणिज्य मंत्री ने भारतीय विदेश व्यापार संस्थान (आईआईएफटी) के 57वें दीक्षांत समारोह को वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए संबोधित करते हुए यह बात कही। गोयल ने अपने संबोधन में वैश्विक व्यापार में भारत की स्थिति को मजबूत करने और आर्थिक विकास को गति देने में संस्थान की भूमिका पर भी जोर दिया। वाणिज्?य मंत्री ने कहा कि हमें 2030 तक 2 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर के निर्यात लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए साझेदारी

करनी चाहिए।पीयूष गोयल ने कहा कि हम चालू वित्?त वर्ष 2024-25 में 800 अरब अमेरिकी डॉलर के निर्यात को पार कर जाएंगे। पिछले वित्?त वर्ष 2023-24 में भारत का वस्तुओं और सेवाओं का निर्यात 778 अरब अमेरिकी डॉलर रहा था। उन्?होंने कहा कि हमें 2 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर का लक्ष्?य प्राप्त करने के लिए सामूहिक रूप से बहुत प्रयास करने होंगे। यह संयोग से नहीं होगा, यह आपकी पसंद से होगा और मुझे विश्वास है कि हम इस बड़े लक्ष्य को प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने लक्ष्य को हासिल करने का विश्वास भी व्यक्त किया। उन्होंने संस्थान के छात्रों और शिक्षकों से अन्य देशों में भारतीय उत्पादों के सामने आने वाली गैर-टैरिफ बाधाओं का अध्ययन करने में योगदान देने का आग्रह किया, ताकि अधिकारी उन पर ध्यान दे सकें। गोयल ने इस कार्यक्रम को वर्चुअल माध्यम से संबोधित करते हुए यह भी घोषणा की कि जल्द ही आईआईएफटी का दुबई में अपना नया परिसर होगा। इस अवसर पर वाणिज्य सचिव सुनील बर्थवाल ने कहा कि आईआईएफटी बातचीत के लिए एक केंद्र भी स्थापित करेगा, क्योंकि मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) जैसे क्षेत्रों में यह एक महत्वपूर्ण कौशल है। इससे छात्रों को एफटीए वार्ता में आवश्यक विशेषज्ञता के बारे में जानने में मदद मिलेगी। बर्थवाल ने कहा कि संस्थान छात्रों के लिए भारत-उन्मुख केस स्टडी तैयार करने पर भी काम कर रहा है। आईआईएफटी के कुलपति राकेश मोहन जोशी ने कहा कि राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ) रैंकिंग 2024 में प्रबंधन श्रेणी के तहत संस्थान की रैंकिंग बारह पायदान चढ़कर 15वें स्थान पर पहुंच गई है।

सोनीपत की मंडियों में दो लाख 84 हजार 541 टन धान की खरीद

सोनीपत। हरियाणा में सोनीपत की मंडियों में गत सांय तक दो लाख 84 हजार 541टन धान की खरीद की जा चुकी है जिसमें कॉमन धान 4186 टन, ग्रेड-ए 1235 टन, बासमती 96 हजार 807 टन, शरबती 24 टन तथा 1509 किस्म एक लाख 82 हजार 289 टन शामिल है। यह जानकारी उपायुक्त मनोज कुमार ने दी। उन्होंने कहा कि खरीफ सीजन के अंतर्गत जिला में धान और बाजरा की आवक के साथ ही सुचारू रूप से इनकी खरीद की जा रही है। इसके अलावा जिला की सभी खरीद केंद्रों पर अब तक किसान 1755.9 टन बाजरा लेकर पहुंचे है। जिसकी खरीद की जा चुकी है। उपायुक्त ने कहा कि धान व बाजरा की खरीद के लिए प्रशासन द्वारा सभी तैयारियां की गई है।

फ्लिपकार्ट ने डिलीवरी फ्लीट में 10 हजार इलेक्ट्रिक वाहन तैनात किए

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय ई-कॉमर्स कंपनी फ्लिपकार्ट ने अपने डिलीवरी बेड़े में 10 हजार से ज्यादा इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) को शामिल किया है। ई-कॉमर्स कंपनी ने 13 नवंबर को राजधानी नई दिल्ली के इंडिया हैबिटेट सेंटर में होने वाले अपने सस्टेनेबिलिटी एक्शन समिट 2024 से पहले ये जानकारी दी है।फ्लिपकार्ट ने जारी एक बयान में बताया कि उसने अपने डिलीवरी फ्लीट में 10 हजार से अधिक इलेक्ट्रिक वाहनों की तैनाती की है, जो एक मील का पत्थर है। कंपनी ने कहा उसकी यह उपलब्धि पिछले कुछ वर्षों में अंतिम मील डिलीवरी में ईवी के चरणबद्ध एकीकरण का परिणाम है, जो क्लाइमेट ग्रुप की ईवी 100 पहल के हिस्से के रूप में 2030 तक पूरी तरह से इलेक्ट्रिक लॉजिस्टिक्स अंतिम मील बेड़े को अपनाने की अपनी प्रतिबद्धता के अनुरूप है। वर्तमान में फ्लिपकार्ट

के इलेक्ट्रिक बेड़े का 75 फीसदी हिस्सा दिल्ली, बेंगलुरु, हैदराबाद और चेन्नई सहित टियर-1 शहरों में केंद्रित है। फ्लिपकार्ट के मुताबिक उसके 55 फीसदी से अधिक किराना ऑर्डर अगस्त 2024 से ही ईवी के माध्यम से पूरे किए जा रहे हैं। इसके अलावा 2024 के त्योहारी सीजन में कंपनी ने लखनऊ, सोनीपत, लुधियाना, भुवनेश्वर, मालदा, हुबली और विजाग सहित टियर-2+ शहरों में 16 फीसदी से अधिक किराना डिलीवरी को पूरा करने के लिए अपने ईवी बेड़े का सफलतापूर्वक लाभ उठाया है, जिससे उच्च मांग के मौसम के दौरान इन क्षेत्रों में टिकाऊ और कुशल सेवा सुनिश्चित हुई। कंपनी ने कहा कि ईवी को रणनीतिक रूप से अपनाने से उसके परिचालन क्षमता में काफी सुधार हुआ है, हब स्तर पर प्रति ऑर्डर लागत कम हुई है और पारंपरिक डिलीवरी वाहनों की तुलना में अंतिम मील डिलीवरी की गति में 20 फीसदी तक सुधार हुआ है। फ्लिपकार्ट ने अपने ईवी बेड़े का विस्तार करने के अलावा इस संधारणीय बदलाव का समर्थन करने के लिए चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर में महत्वपूर्ण निवेश भी किया है। इसके साथ ही प्रमुख टियर-2 शहरों में कुल 190 चार्जर की सुविधा वाले 38 समर्पित चार्जिंग साइट्स स्थापित करने के लिए अडानी समूह के साथ साझेदारी की है। फ्लिपकार्ट ने कहा कि ईवी की सुविधा के लिए आगे सार्वजनिक बुनियादी ढांचे के विकास की योजना बनाई है। इसके अलावा कंपनी ने कर्नाटक, तेलंगाना और तमिलनाडु में लास्ट-माइल एग्रीगेटर मॉडल पेश किया है, जो आपूर्ति श्रृंखला संचालन को बढ़ाने और इलेक्ट्रिक वाहनों के एकीकरण को बढ़ाने के लिए ईवी-केंद्रित बेड़े संचालकों के साथ सहयोग कर रहा है। फ्लिपकार्ट में आपूर्ति श्रृंखला, ग्राहक अनुभव और ई-कॉमर्स व्यवसाय के समूह प्रमुख, हेमंत बद्री वरिष्ठ उपाध्यक्ष ने कहा कि 10 हजार से अधिक ईवी की तैनाती के साथ, हमने जो हासिल किया है।

प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना के लिए पंजीकरण की तिथि 15 नवंबर तक बढ़ी

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना के लिए पंजीकरण की अवधि 15 नवंबर तक बढ़ा दी गई है। पहले इसके लिए पात्र युवाओं के लिए पोर्टल रजिस्ट्रेशन के लिए 10 नवंबर, 2024 तक के लिए खुला था। कॉरपोरेट मामलों के मंत्रालय (एमसीए) ने प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना के लिए पंजीकरण प्रक्रिया की समय-सीमा 15 नवंबर तक बढ़ा दी। इसके लिए योग्य उम्मीदवार आधिकारिक पोर्टल https://pminternship.mca.gov.in/login के जरिए विभिन्न इंटर्नशिप पदों के लिए आवेदन कर सकते हैं। इसके तहत 21-24 वर्ष की आयु के उम्मीदवार आवेदन के पात्र हैं। इस योजना के तहत भारत की टॉप 500 कंपनियों में 12 महीने तक इंटर्नशिप करने का अवसर मिलेगा। इंटर्नशिप अवधि के दौरान इंटर्न करने वालों को 5 हजार रुपये का मासिक वजीफा मिलेगा। इसमें से 500 रुपये की राशि? मेजबान कंपनी अपने सीएसआर फंड के माध्यम से देगी जबकि शेष राशि 4,500 रुपये सरकार मुहैया कराएगी। उम्मीदवारों की आयु 21 से 24 वर्ष के बीच होनी चाहिए। उम्मीदवार हाई स्कूल या हायर सेकेंडरी स्कूल पास किया हो। इसके साथ आईटीआई प्रमाणपत्र, पॉलिटेक्निक संस्थान से डिप्लोमा या बीए, बीएससी, बीकॉम, बीसीए, बीबीए या बी फार्मा जैसी डिग्री होनी चाहिए। कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय के अनुसार करीब 800 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत वाली इस योजना की शुरुआत 2 दिसंबर से पायलट प्रोजेक?ट्स के तहत की जाएगी। इस योजना की घोषणा केंद्रीय वित्त एवं कॉर्पोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण ने केंद्रीय बजट 2024-25 में की थी। इस योजना को कॉर्पोरेट मंत्रालय के विकसित पोर्टल के माध?यम https://pminternship.mca.gov.in/login/डब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यू.पीएमइंटर्नशि.एमसीए.जीओवी.आईएन के जरिए लागू किया गया है।

इस योजना के तहत तहत अभी 280 कंपनियों की ओर से 1,27,000 इंटर्नशिप के ऑफर दिए गए हैं। योजना के तहत पायलट प्रोजेक्ट के लिए सवा लाख युवाओं को इंटर्नशिप देने का लक्ष्य है। इसके लिए योजना के तहत 25 नवंबर से चयनित युवाओं को ऑफर लेटर भेजा जाएगा, जबकि 2 दिसंबर से चुने गए युवाओं की इंटर्नशिप शुरू हो जाएगी।

पूरे दिन उतार-चढ़ाव के बाद सपाट स्तर पर बंद हुआ शेयर बाजार

एजेंसी

नई दिल्ली घरेलू शेयर बाजार पूरे दिन उतार-चढ़ाव का सामना करने के बाद सपाट स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स मामूली तेजी के साथ बंद हुआ, जबकि निफ्टी ने मामूली गिरावट के साथ आज के कारोबार का अंत किया। आज के कारोबार की शुरुआत भी कमजोरी के साथ हुई थीं। बाजार खुलते ही बिकवाली के दबाव की वजह से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों में जोरदार गिरावट आ गई, लेकिन थोड़ी देर बाद ही खरीदारी का सपोर्ट मिल जाने के कारण इन दोनों सूचकांकों ने निचले स्तर से शानदार रिकवरी भी की। पूरे दिन तेजड़ियों और मंदड़ियों के बीच एक दूसरे पर हावी होने की कोशिश चलती रही, जिसकी वजह से शेयर बाजार की चाल भी लगातार ऊपर नीचे होती रही। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.01 प्रतिशत की बढ़त के साथ और निफ्टी 0.03 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुए। आज दिन भर के कारोबार के दौरान बैंकिंग, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज, टेक और आईटी सेक्टर के शेयरों में खरीदारी होती रही। दूसरी ओर, फार्मास्यूटिकल, एफएमसीजी और ऑयल एंड गैस सेक्टर के शेयरों में सबसे अधिक बिकवाली होती रही। इसके साथ ही ऑटोमोबाइल, कैपिटल गुड्स, कंज्यूमर ड्युरेबल्स, और मेटल इंडेक्स भी गिरावट के साथ बंद हुए। ब्रॉडर मार्केट में भी आज लगातार बिकवाली का दबाव बना रहा, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.79 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 1.14 प्रतिशत की कमजोरी के साथ आज के कारोबार का अंत किया।आज शेयर बाजार में आई कमजोरी के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में करीब दो लाख करोड़ रुपये की कमी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद घट कर 442.36 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। जबकि पिछले सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन यानी शुक्रवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 444.35 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 1.99 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हो गया।आज दिन भर के कारोबार में बीएसई में 4,213 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 1,543 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 2,553 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 117 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,510 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 738 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 1.772 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 13 शेयर बढ़त के साथ और 17 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 20 शेयर हरे निशान में और 30 शेयर लाल निशान में बंद हुए।

बीएसई का सेंसेक्स आज 187.86 अंक की कमजोरी के साथ 79,298.46 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही बिकवाली के दबाव के कारण ये सूचकांक 484.98 अंक की कमजोरी के साथ 79,001.34 अंक के स्तर तक गिर गया। इस गिरावट के तुरंत बाद खरीदारों ने मोर्चा संभाल लिया, जिससे इस सूचकांक ने रिकवरी शुरू कर दी?। खरीदारी के सपोर्ट से दोपहर 12 बजे के थोड़ी देर पहले ये सूचकांक निचले स्तर से 1,100.80 अंक उछल कर 615.82 अंक की मजबूती के साथ 80,102.14 अंक तक पहुंच गया। हालांकि ये तेजी भी अधिक देर तक नहीं टिकी। इस मजबूती के बाद बाजार में बिकवाली शुरू हो गई, जिसके कारण ये सूचकांक ऊपरी स्तर से 605.99 अंक टूट कर 9.83 अंक की सांकेतिक बढ़त के साथ 79,496.15 के स्तर पर बंद हुआ।

Skin Care के लिए खरीद रहे हैं केसर, तो 8 आसान तरीकों से करें असली और नकली की पहचान

Skin Care में केसर का इस्तेमाल सदियों से होता आ रहा है लेकिन क्या आपको मालूम है कि बाजार में नकली केसर भी धड़ल्ले से बिक रहा है? जी हां आपको बता दें कि नकली केसर के इस्तेमाल से त्वचा पर कई तरह की समस्याएं हो सकती हैं। ऐसे में आइए आपको बताएं ऐसे 8 तरीके (How to Spot Fake Saffron) जिनसे केसर की शुद्धता को पहचाना जा सकता है।

केसर अपनी अनूठी सुगंध और रंग के लिए दुनियाभर में मशहूर है। इसका इस्तेमाल खाने को स्वादिष्ट बनाने के साथ-साथ कई औषधीय गुणों (Saffron Benefits) के लिए भी किया जाता है। हालांकि, ऊंची कीमत के कारण, बाजार में नकली केसर की भी भरमार है। ऐसे में, कई बार हम महंगे दाम देकर भी नकली केसर खरीद लेते हैं और धोखाधड़ी का शिकार हो जाते हैं। अगर आप भी स्किन केयर रूटीन (Skin Care Routine) में केसर का इस्तेमाल करने की सोच रहे हैं तो इसे खरीदने से पहले इस आर्टिकल में बताए 8 आसान तरीकों (How to Spot Fake Saffron) से मिनटों में केसर की शुद्धता जांच सकते हैं। आइए जानें।

क्यों महंगा होता है केसर?

केसर एक बहुत ही कीमती मसाला है। यह एक खास तरह के फूल से बनता है जिसे क्रोकस कहते हैं। ये फूल खासकर शरद ऋतु में खिलते हैं। इस फूल के अंदर से कुछ धागे निकलते हैं, इन्हीं धागों को केसर कहते हैं। एक फूल से बहुत कम धागे निकलते हैं, इसलिए बहुत सारे फूलों से मिलकर थोड़ा-सा केसर बन पाता है। इसीलिए केसर बहुत महंगा होता है।

असली केसर कैसे पहचाने?

क्योंकि केसर बहुत महंगा होता है, इसलिए लोग कभी-कभी नकली केसर भी बेचते हैं। असली केसर पहचानना बहुत ज़रूरी है। अगले भाग में हम आपको बताएंगे कि आप कैसे जान सकते हैं कि आपका केसर असली है या नकली।

कोल्ड वाटर टेस्ट

केसर के धागों को एक कटोरी ठंडे पानी में डालें और रंग बदलने का इंतजार करें। असली केसर धीरे-धीरे सुनहरा हो जाएगा, जबकि नकली केसर तुरंत लाल रंग छोड़ देगा।

बनावट पर गौर करें

असली केसर के धागे बहुत पतले और लंबे होते हैं। ये धागे एक-दूसरे से आसानी से अलग हो जाते हैं। अगर आप ध्यान से देखेंगे तो इन धागों के अंत में थोड़ा सा उभार सा दिखेगा, जैसे तुरही का मुंह।

असली और नकली केसर का फर्क समझने के लिए आप कुछ केसर के धागों को गर्म पानी में डालें। नकली केसर आर्टिफिशियल रंगों से बने होते हैं, इसलिए ये पानी को तुरंत लाल कर देंगे। वहीं, असली केसर नेचुरल रंग छोड़ता है और पानी को धीरे-धीरे रंगता है।

स्वाद से समझें

नकली केसर में असली केसर जैसी खुशबू नहीं होती। इसके बजाय, इसका स्वाद कड़वा और धातु जैसा होता है। यानी, इसमें वो खास स्वाद नहीं होता जो असली केसर में होता है। जबकि असली केसर में एक खास तरह की खुशबू होती है, जैसे फूलों की। इसके साथ ही, इसमें मिट्टी जैसा हल्का सा स्वाद भी होता है।

सूंघकर देखें

असली केसर की खुशबू बहुत खास होती है। यह शहद और सूखे घास की तरह मीठी और थोड़ी फूलों जैसी होती है, लेकिन नकली केसर की खुशबू तेज और थोड़ी-सी आर्टिफिशियल होती है। ऐसा इसलिए होता है क्योंकि नकली केसर बनाने में कुछ खास तरह के केमिकल मिलाए जाते हैं, जैसे कि पिकोक्रोसिन और सैफ़ानल।

रंग से करें परख

आपके केसर का रंग बहुत मायने रखता है। असली केसर का रंग चमकीला लाल होगा, लेकिन नकली केसर आर्टिफिशियल मैरून रंग का होगा।

रगड़कर देखें

केसर के धागों को अपनी उंगलियों से रगड़ें और देखें कि क्या वे पीले या नारंगी रंग का टिंट छोड़ते हैं। अगर ये ऐसा करते हैं तो आपके हाथ में नकली केसर है, अगर नहीं तो आपको असली केसर मिल गया है।

बेकिंग सोडा टेस्ट

असली-नकली केसर की पहचान के लिए एक कप पानी लें और उसमें दो बड़े चम्मच बेकिंग सोडा मिलाएं। मिश्रण को तब तक ब्लेंड करें जब तक कि यह एक समान न दिखने लगे और फिर कुछ केसर के धागे डालें। अगर पानी पीला हो जाता है तो आपके पास केसर की शुद्ध क्वालिटी है, लेकिन अगर यह लाल या मैरून हो जाता है, तो आप धोखाधड़ी के शिकार हो गए हैं।

एएमयू का मैसेज : पढ़ोगे तो बढ़ोगे

समझना यही है। पढ़ाई से तकलीफ किसे है? उन्हें जो अब खुलकर बटेंगे तो कटेंगे, एक हैं सेफ जैसे हिंसक शब्दावली के नारे देने लगे हैं। बीजेपी की सारी राजनीति अब केवल ध्रुवीकरण पर केन्द्रित हो गई है। अभी लोकसभा में उन्हें तगड़ा झटका लगा है। देश में केवल 240 सीटें आईं। जो बहुमत की संख्या 268 से 28 कम हैं। और यह पूरी 28 सीटें बीजेपी की यूपी से कम हुई हैं।

एएमयू का मुसलमानों के लिए क्या संदेश है?

उनसे शिक्षा की बातें दिखावे के लिए की जाती हैं लेकिन वास्तव में उनकी शिक्षा पर टेढ़ी नजर है। हमने जब-जब मुसलमानों की एजुकेशन पर लिखा संघ भाजपा के लोगों ने सबसे ज्यादा उल्लासित होकर प्रतिक्रियाएं दीं। वे बड़े खुश होकर बताते हैं कि हां मुसलमानों में यह कमी है और वह उसे पूरा नहीं करते। लेकिन जहां वास्तव में मुस्लिम शिक्षा दी जा रही है वह हमेशा उनके निशाने पर रहता है।

ताजा उदाहरण अलीगढ़ मुस्लिम युनिवर्सिटी (एएमयू) है। सुप्रीम कोर्ट के ताजे फैसले के बाद फिर उस पर सवाल उठाना शुरू कर दिए हैं। सात जजों की बेंच ने बहुत गोलमाल फैसला दिया है। जिसे फैसला कहते हैं न्याय नहीं। तीन जजों की एक बैंच फिर बैठेगी ताकि मामला सुलगता रहे और वह बैंच यह फैसला करेगी कि यह माइनरटी संस्थान है या नहीं। फिलहाल जो चार तीन के बहुमत से फैसला हुआ है वह यह कि पहले 1967 में सुप्रीम कोर्ट ने इसका जो माइनरटी दर्जा खत्म करने का फैसला किया था उसे पलट दिया गया। माइनरटी का दर्जा बरकरार रहेगा। साथ ही एक महत्वपूर्ण सवाल यह उठाया कि इसे बनाया किसने था। किनके लिए बनाया था। संसाधान किसने जोड़े थे।जाहिर है कि इसके जवाब में एक ही नाम आएगा सर सैयद अहमद खां का। जिनके अनथक प्रयास से मुसलमानों की शिक्षा के लिए यह इदारा (संस्थान) बना। लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि यहां केवल मुस्लिम स्टूडेंट ही पढ़ते हों। यहां सभी धर्मों के लोग पढ़ते हैं और पढ़ाते हैं। एएमयू में हिन्दू स्टूडेंट के पढ़ने पर राही मासूम रजा का एक बड़ा अच्छा उपन्यास है- टोपी शुक्ला।यहां से पहले ग्रेजुएट जो पास हुए वे ईश्वरी प्रसाद थे। जिन्होंने बाद में प्रसिद्ध इतिहासकार के रूप में अपना नाम किया। दिल्ली के मुख्यमंत्री रहे बीजेपी के नेता साहिब सिंह वर्मा, खिलाड़ियों में मेजर ध्यानचंद, लाला अमरनाथ जैसे खिलाड़ी यहां पढ़े। यूनिवर्सिटी ने ध्यनचंद के नाम पर तो एक होस्टल बनाया है जिसमें केवल हॉकी खिलाड़ियों को ही जगह मिलती है। ध्यानचंद के छोटे बेटे वीरेन्द्र सिंह इस होस्टल में रहे हैं। संगीतकार रवीन्द्र जैन भी वहीं पढ़े हैं। और भी बहुत नाम हैं। विश्वविद्यालय में 30 प्रतिशत से ऊपर हिन्दू छात्र-छात्राएं हैं और मेडिकल लॉ में यह संख्या

40 प्रतिशत है। विदेशी स्टूडेंट भी बहुत पढ़ते है। तीन बार तो यहां महात्मा गांधी आए हैं। बताइए ऐसी और कौन सी यूनिवर्सिटी है जहां गांधी जी इतनी बार गए हों।लेकिन हिन्दू-मुसलमान की राजनीति करने वाले एएमयू और जामिया मिलिया इस्लामिया को हमेशा टारगेट करते रहते हैं। जामिया के आईएएस कोचिंग सेन्टर में बड़ी तादाद में हिन्दू लड़के -लड़कियां तैयारी करते हैं और सिविल सर्विसेस में आते हैं। मगर हिन्दू-मुसलमान के चश्मे से देखने वाले सिर्फ वहां से निकले मुसलमान लड़के-लड़कियों की लिस्ट ही जारी करके इसे आईएएस जेहाद कहते हैं।मुसलमानों को यही समझने की जरूरत है। कि पढ़ाई पर उन्हें नसीहतें भी दी जाएंगी और पढ़ने पर उलाहने भी। मतलब। उनका पढ़ना बर्दाश्त नहीं है। नसीहतें छोटा दिखाने के लिए दी जाती हैं। लेकिन पढ़ जाओ तो बड़ी तकलीफ होती है।समझना यही है। पढ़ाई से तकलीफ किसे है? उन्हें जो अब खुलकर बटेंगे तो कटेंगे, एक हैं सेफ जैसे हिंसक शब्दावली के नारे देने लगे हैं। बीजेपी की सारी राजनीति अब केवल ध्रुवीकरण पर केन्द्रित हो गई है। अभी लोकसभा में उन्हें तगड़ा झटका लगा है। देश में केवल 240 सीटें आईं। जो बहुमत की संख्या 268 से 28 कम हैं। और यह पूरी 28 सीटें बीजेपी की यूपी से कम हुई हैं। 2019 के लोकसभा चुनाव में बीजेपी को यूपी से 61 सीटें मिली थीं। इस बार केवल 33 रह गईं। जो झटका लगा वह मूल रूप से यूपी से था। यहां का दलित पिछड़ा वर्ग बीजेपी से छिटक गया। विपक्ष के साथ चला गया। उसी को वापस लाने के लिए यूपी के मुख्यमंत्री आदित्यनाथ योगी ने यह नारा दिया है जिसके बारे में कहा जा रहा है कि यह आज तक का सबसे हिसंक, भड़काऊ नारा है-बटेंगे तो कटेंगे।दलित पिछड़े वर्ग से कहा गया है कि अगर हमसे अलग हुए तो यह हो जाएगा! मतलब देश में सरकार, पुलिस सुरक्षा व्यवस्था, कानून कुछ नहीं है। दस साल से सरकार हमारी है। केन्द्र में और सात साल से यूपी में मगर कटोगे !क्या दलित पिछड़े वापस उनके साथ-साथ जाएंगे जो डरा कर उनसे वोट चाह रहे हैं? या उनके साथ जाएंगे जो कह रहें हैं जुड़ेंगे तो जीतेंगे, डरो मत !डरा आप किससे रहे हो? सबको मालूम है। बेटियों तक के लिए कह दिया कि ले जाएंगे। जैसे मंगलसूत्र और भैंस के लिए कहा था। बेटियों को वस्तु पशु बना दिया। काल्पनिक डर। ध्रुवीकरण के लिए। डरो और वोट दो। यह इन्सान को सबसे निचले दर्जे पर रखना है। रोजगार नहीं, महंगाई को खुली छूट, सरकारी इलाज, सरकारी शिक्षा सब खत्म। केवल डर दिखाना। कि हमसे ही तुम बचे हुए हो। नहीं तो? उसके लिए जो शब्द दिया गया है, जिसे समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने सबसे निकृष्टतम कहा है कि- कटोगे !कोई नहीं डरने वाला ऐसे झूठे डराने वालों से। हां देश जरूर कमजोर होगा। एक डरा हुआ देश बनाने की कोशिश से। डरा हुआ देश कैसे विश्व गुरु बन सकता है। यह उन्हें बताना चाहिए। कैसे आगे बढ़ सकता है? तरक्की कर सकता है? या वे चाहते ही नहीं हैं? तरक्की और दुनिया में सम्मानजनक स्थान? इसलिए एक डरा हुआ समाज, डरा हुआ देश बना रहे हैं।पता नहीं! क्या चाहते हैं? वोट वोट वोट! सत्ता सत्ता केवल सत्ता! सोचना लोगों को है। और देश के बहुसंख्यकों को। यह बात हम देश के अल्पसंख्यकों को समझाने की हमेशा कोशिश करते हैं कि आपके जिताए कोई नहीं जीत रहा। न आपके हराए। इन सब के ज्यादा चक्कर में मत पड़िए। देश के बहुसंख्यकों ने ही नरेन्द्र मोदी को 240 पर रोका और योगी आदित्यनाथ को 80 में से केवल 33 दीं।

मुसलमान को इस समय केवल एक मुद्दे पर पूरा ध्यान देने की जरूरत है और वह है एजुकेशन। मार्डन एजुकेशन। शुरू हमने एएमयू से किया है और एएमयू बनाने वाले सर सैयद ने यह शिक्षा संस्थान मार्डन एजुकेशन के लिए बनाया है। हमने जो बात शुरू में लिखी कि आपकी तालीम की कमी पर वे हमला करेंगे। उपदेश भी देंगे। मगर पढ़ने भी नहीं देंगे। रिएक्शनरी फोर्सेस सबसे ज्यादा शिक्षा से घबराती हैं। दलितों, पिछड़ों, आदिवासियों की शिक्षा ने ही उन्हें आगे बढ़ाया है और उनका आगे बढ़ना यथास्थितिवादियों के लिए सबसे ज्यादा तकलीफ की बात है। क्योंकि पढ़ने आगे बढ़ने के साथ ही वे सामाजिक न्याय की बात करते है और सामाजिक न्याय देना प्रतिगामियों को बिल्कुल मंजूर नहीं है। इसलिए वे दलित, पिछड़ों, आदिवासियों का ध्यान, पढ़ाई, नौकरी, सामाजिक न्याय से हटाने के लिए उनके मन में मुसलमानों के खिलाफ नफरत भरते हैं। उनका असली निशाना मुसलमान नहीं है। मुसलमान के नाम का तो वे डर पैदा करते हैं। ताकि दलित पिछड़ा आदिवासी उनको वोट देता रहे और यथास्थिति में ही रहे।सामाजिक समानता की बात नहीं करे। समरस रहे। समरसता भी संघ का गढ़ा शब्द है। समानता को कमजोर करने के लिए। रामदास अठावले बीजेपी के साथ केन्द्र में मंत्री हैं। मगर मायावती जैसे डरे हुए नहीं। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी को पत्र लिखा कि समरसता दलित के लिए घातक है। इसका मतलब है जैसे ऊपर से रखा जाए वैसे ही रहो। यह समानता जिसका उपयोग डॉ. आम्बेडकर करते थे उसे कमजोर करने के लिए है।तो बीजेपी कई तरह की राजनीति करने की कोशिश कर रही है। मगर उद्देश्य एक ही है। वोट, वोट, वोट! और इसी के लिए वह दलित, पिछड़ा, आदिवासी को डरा रही है। मुसलमान के नाम से। मुसलमान क्या करे? कुछ नहीं। जो करना है वह संविधान, देश का विपक्ष और बहुसंख्यक समुदाय करेगा। उसे सिर्फ अपने विकास पर ध्यान देना है और विकास का रास्ता सिर्फ एक है। शिक्षा, शिक्षा और शिक्षा। यह एक काम उसके हाथ में है और उसे उस पर ही पूरा ध्यान लगाना चाहिए।

संपादकीय

बटेंगे तो कटेंगे' नारे का चौतरफ़ा विरोध

किसी भी चुनाव के नज़दीक आने पर साम्प्रदायिक ध्रुवीकरण करने की अपनी चिर-परिचित रणनीति एवं परम्परा के अनुपालन में भारतीय जनता पार्टी द्वारा बटेंगे तो कटेंगे का नारा उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा पिछले दिनों हरियाणा में हुई एक चुनावी प्रचार रैली में दिया गया था। हरियाणा में भाजपा को मिली सफलता से माना जा रहा था कि महाराष्ट्र एवं झारखंड के चुनावों में भी इसका इस्तेमाल होगा लेकिन जिस प्रकार से इस नारे का विरोध भाजपा के सहयोगी दलों ने कर दिया है उससे लगता है कि इस नारे और इस तरह के अन्य नारों से उसे परहेज करना अपरिहार्य हो जायेगा। इन दोनों राज्यों के साथ देश में कई जगहों पर उपचुनाव भी हो रहे हैं, लेकिन लगता है कि खुद भाजपा ही अब इस बटेंगे तो कटेंगे के नारे को ठंडे बस्ते में डाल देगी।वैसे देश में नफरत भरे नारे देने में सदैव अग्रणी भूमिका निभाने वाले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बटेंगे तो कटेंगे के प्रति नाराज़गी को भांपते हुए नया नारा पेश कर दिया है- एक हैं तो सेफ हैं, जिसे आदित्यनाथ के ही नारे का संशोधित संस्करण कहा जा सकता है। अब देखना यह है कि चाहे बटेंगे तो कटेंगे हो या फिर एक हैं तो सेफ हैं का नारा भाजपा को इन दोनों राज्यों के विधानसभाओं चुनावों के साथ कुछ प्रदेशों में होने जा रहे उपचुनावों में कितना फायदा दिलाते हैं। इनमें योगी का अपना राज्य उत्तर प्रदेश भी शामिल है।योगी आदित्यनाथ के नारे का सबसे पहला विरोध महाराष्ट्र में भाजपा के सहयोगी दल राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (अजित पवार गुट) की ओर से दर्ज हुआ है। इस दल के मुखिया अजित पवार ने कहा कि यह नारा उप्र या झारखंड में चलता होगा, यहां महाराष्ट्र में नहीं चलेगा क्योंकि महाराष्ट्र छत्रपति शिवाजी महाराज, राजर्षि शाहू महाराज और महात्मा फुले की धरती है। उन्होंने साफ किया कि उनका विश्वास सबका साथ सबका विकास में है। उन्होंने इस पर भी रोष जताया कि बाहरी लोग आकर ऐसी बातें कह जाते हैं। उल्लेखनीय है कि भाजपा इस नारे में न केवल भरोसा करती है बल्कि इस सिद्धांत पर चलने का प्रयास भी करती है। यह अलग बात है कि महाराष्ट्र में वह राजनीति नाकाम हो गयी; और इसका भी श्रेय अजित पवार को ही जाता है। पिछले दिनों जब शिवाजी नगर मानखुर्द से एनसीपी (अजित पवार गुट) की ओर से नवाब मलिक को टिकट दिया गया था तो भाजपा ने इसका तीव्र विरोध किया था। अजित पवार ने एक नहीं सुनी और मलिक को अपना उम्मीदवार बनाये रखा। इतना ही नहीं, उनकी पार्टी ने नवाब की बेटी सना मलिक, हसन मुश्रिफ और कुछ दिन पहले कथित तौर पर लॉरेंस बिश्नोई गैंग के गुर्गों द्वारा मारे गये बाबा सिद्दीकी के बेटे को टिकट दी है। एनसीपी (दोनों गुट) साम्प्रदायिक सौहार्द्र में भरोसा करती है अत- भाजपा के इस नारे की स्वीकार्यता यहां नहीं हो सकती। ऐसे नारों तथा उन्हें उछालने वालों से अजित पवार इतनी दूरी बनाये रखना चाहते हैं कि उन्होंने यहां तक कह दिया है कि मोदी को उनके क्षेत्र में प्रचार करने के लिये आने की ज़रूरत नहीं है।बटेंगे तो कटेंगे का विरोध एनडीए में बढ़ता हुआ स्पष्ट दिख रहा है। जो जनता दल (यूनाइटेड) मोदी सरकार को समर्थन दे रहा है और उसके बल पर भाजपा सरकार टिकी हुई है, उसी के विधान परिषद सदस्य गुलाम गौस ने पटना में साफ किया कि ऐसे नारे की ज़रूरत देश को नहीं है। जिन्हें सम्प्रदाय के नाम पर वोट चाहिये उन्हें इसकी आवश्यकता है। गौस ने तर्क दिया कि जब देश के राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और गृह मंत्री हिन्दू हैं तो हिन्दू कैसे असुरक्षित हो सकते हैं?? राष्ट्रीय लोक दल भी एनडीए का हिस्सा है। उसके अध्यक्ष तथा केन्द्रीय मंत्री जयन्त चौधरी से जब पत्रकारों ने बटेंगे तो कटेंगे के बाबत सवाल किया तो वे यह कहकर चलते बने कि यह उनकी बात है। जाहिर है कि आरएलडी इस नारे के साथ नहीं है। हालांकि कुछ लोग इस नारे का साथ भी दे रहे हैं। शिवसेना (एकनाथ शिंदे गुट) के संजय निरूपम, जिन्होंने पिछले दिनों कांग्रेस छोड़ी थी, इस नारे को सही ठहराते हुए कहते हैं कि अभी अजित पवार को यह बात समझ में नहीं आ रही है। ऐसे ही, लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के नेता चिराग पासवान ने भी आदित्यनाथ के नारे को उचित कहा है। वे भी एनडीए सरकार में मंत्री है।इस नारे के पक्ष और विपक्ष में जिस तरह से एनडीए के अलग-अलग सहयोगी खड़े हैं उससे यह तो साफ है कि इसके चलते एनडीए में बड़ी फूट पड़ गयी है। कांग्रेस के अनेक वरिष्ठ नेता भी इस नारे के प्रति सख्त विरोध जता चुके हैं, जिनमें खुद पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे,

डोनाल्ड ट्रंप पर कभी भरोसा न करें, उनके ही खेल में अपना खेल खेलें

भारत को ट्रम्प और उनकी हरकतों से सावधान रहना चाहिए। अपने चुनाव प्रचार के दौरान भारतीयों की प्रशंसा करते हुए, ट्रम्प आसानी से यह सब भूल सकते हैं और अपनी स्वयं घोषित %मेक अमेरिका ग्रेट अगेन% मेगा कार्यक्रम का अनुसरण कर सकते हैं। वह अपने लक्ष्य को हासिल करने के लिए भारत को आसानी से छोड़ सकते हैं, बजाय इसके कि वह निरंतरता और नैतिक प्रतिबद्धता के मार्ग पर चलें।पहले कभी भी किसी अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव ने दुनिया भर में इतनी व्यापक रुचि और चिंता पैदा नहीं की थी जितनी कि इस वर्ष। ऐसा इसलिए है क्योंकि राष्ट्रपति पद के लिये निर्वाचित डोनाल्ड ट्रम्प ने अमेरिका की नीतियों के बारे में आशंकाओं और चिंताओं को जन्म दिया है, जो स्क्रिप्टेड लाइनों का पालन करने का वादा नहीं करती हैं। बीजिंग में सत्ता के हलकों से लेकर यूरोप में नैटो मुख्यालय और मध्य पूर्व की राजधानियों तक हर जगह अनिश्चितता की भावना है।उम्मीद है कि ट्रंप लाभ और हानि के एक नये युग की शुरुआत करेंगे, जिसमें कोई नैतिक मूल्य और स्थायी दोस्ती या दुश्मनी नहीं होगी। भारत को यह मानकर नहीं चलना चाहिए कि ट्रंप भारत और नरेंद्र मोदी के मित्र हैं। इसके बजाय सतर्क रहना चाहिए।शुरुआती रिपोर्टें बताती हैं कि भारत चीजों को हल्के में नहीं ले रहा है। केंद्रीय वाणिज्य मंत्रालय की एक टीम कथित तौर पर व्यापार और निवेश पर स्थिति पत्र तैयार कर रही है और वाशिंगटन में भारतीय दूतावास को जमीनी स्तर पर भारतीय स्थिति के बारे में जानकारी देने के बारे में भी सोच रही है। अपने पिछले कार्यकाल में और पद से हटने के बाद भी डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिकी उत्पादों को बाहर रखने के लिए टैरिफ का इस्तेमाल करने के लिए भारत की आलोचना की थी।उन्होंने एक बार प्रतिष्ठित हार्लेडेविडसन मोटर साइकिल का उदाहरण दिया था। ट्रंप ने आरोप लगाया था कि भारत ने हार्ले पर 100 प्रतिशत टैरिफ लगाया है, जिससे मोटरसाइकिल भारतीय बाजारों से बाहर हो गयी है। जमीनी स्तर पर तथ्य यह है कि हार्ले का भारत में एक प्लांट है और जब वह अपने घटकों और भागों को खराब स्थिति में आयात करता है, तो भारतीय हार्ले संचालनको नाममात्र 10प्रतिशत शुल्क देना पड़ता है। जानकारी दिये बिना, ट्रंप ने अक्सर भारत को टैरिफ किंग के रूप में वर्णित किया है।डोनाल्ड ट्रंप ने आयात के खिलाफ अपने टैरिफ दरों में बढ़ोतरी का प्रस्ताव दिया है, जो कि काफी मासूमियत भरा है, यह सोचकर कि निषेधात्मक स्तर के टैरिफ लगाने के माध्यम से महत्वपूर्ण आयातों को बाहर करने से अमेरिकी उत्पादन में वृद्धि होगी। तथ्य यह है कि अमेरिका ने इन उत्पादों का निर्माण बहुत पहले ही बंद कर दिया था और अमेरिकी अर्थव्यवस्था में मौजूदा कठोरता फिर से इनके उत्पादन के

खिलाफ काम करेगी।ट्रम्प ने अपने चुनाव अभियान के भाषणों में पनीर के आयात पर कम से कम 60प्रतिशत टैरिफ लगाने का वायदा किया था। अन्य देशों से आयात पर भी इसी तरह के टैरिफ और गैर-टैरिफ अवरोध लगाये जायेंगे, जिनमें संभवतः भारत और यूरोप में अमेरिका के नैटो सहयोगी देश शामिल हैं। ऐसे टैरिफ अमेरिकी उपभोक्ताओं को नुकसान पहुंचाएंगे और मुद्रास्फीति दर में उछाल आयेगा।इससे भी बड़ी बात यह कि ट्रम्प ने देश के भीतर बड़े कर कटौती का भी वायदा किया है, जिससे मांग में वृद्धि होनी चाहिए। उन्होंने यह भी सुनिश्चित करने का वायदा किया है कि अमेरिकी ब्लू कॉलर श्रमिकों को बेहतर डील मिले और वेतन में बढ़ोतरी हो। ऐसे राजकोषीय प्रोत्साहन से मांग में वृद्धि होनी चाहिए क्योंकि उनकी आय का अधिक हिस्सा उपभोक्ताओं के हाथों में होगा। यह टैरिफ के साथ, जो विदेशों से आयात को सीमित और महंगा बना देगा, सामान्य रूप से मूल्य रेखा को बढ़ायेगा।विकल्प या तो वैकल्पिक आपूर्ति लाइनों को व्यवस्थित करना या घरेलू उत्पादन में महत्वपूर्ण उछाल होना चाहिए। दूसरी ओर, आंतरिक रूप से बढ़ती कीमतों के कारण केंद्रीय बैंकिंग प्राधिकरण को मुद्रास्फीति विरोधी नीति का पालन करना चाहिए। इसका मतलब है कि फेडरल रिजर्व को नीतिगत ब्याज दरों में वृद्धि करनी चाहिए। इस प्रकार वायदों की पूरी श्रृंखला के कारण एक बड़ी गड़बड़ी सामने आ रही है।

इससे अन्य देशों के लोगों को ज़रा भी परेशानी नहीं होनी चाहिए, जबकि अमेरिकी उपभोक्ताओं को उनके घरेलू संकट में ही उलझाये रखना चाहिए। लेकिन अमेरिकी अर्थव्यवस्था की स्थिति हमेशा अन्य देशों के लिए वास्तविकता को बदल देती है। एक सुस्त अमेरिकी अर्थव्यवस्था अपने वित्तीय बाजारों और दुनिया भर में वित्तीय प्रवाह को प्रभावित कर सकती है।वायदा किये गये विचित्र आर्थिक नीतियों और ज़मीन पर इन नीतियों को लागू करने के अपरिहार्य परिणाम के कारण नव निर्वाचित राष्ट्रपति अपने वायदों से पीछे भी हट सकते हैं। तब फिर वह अपनी विश्वसनीयता खो देंगे।आर्थिक नीति के नुस्खों के अलावा, डोनाल्ड ट्रम्प के अन्य वायदे भी उतने ही विध्वंसकारी हो सकते हैं। इस बात की प्रबल भावना है कि ट्रम्प यूक्रेन को समर्थन तुरंत वापस ले लेंगे और यूक्रेनी प्रतिरोध कुछ ही समय में टूट जायेगा। रूस की जीत की ओर ले जाने वाला एक स्पष्ट और त्वरित पतन नरसंहार और हिंसा को समाप्त कर सकता है, लेकिन यह निश्चित रूप से पश्चिमी यूरोप और नैटो के साथ संबंधों को प्रभावित करने वाली एक बहुत ही अलग तरह की मिसाल कायम करेगा।

इस तरह के परिणाम से चीन को एक व्यापक क्षेत्र में अपनी मजबूत रणनीति को आगे बढ़ाने में मदद मिलेगी। जोखिम ताइवान और उसकी स्वतंत्रता होगी। चीन ताइवान के प्रतिरोध को कुचलना चाहेगा और ताइवान जलडमरू मध्य में अपना अधिकार स्थापित करना चाहेगा।अपने स्वयं के विस्तार की खोज में, चीन अपनी रणनीति का पालन करने के लिए खुद को संकट से मुक्त करने हेतु संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ एक सौदा करने का विकल्प चुन सकता है। चूंकि डोनाल्ड ट्रम्प सौदे करने वाले व्यक्ति हैं, इसलिए वह अपने लक्ष्यों को बढ़ावा देने के लिए चीन के साथ जा सकते हैं।इस मामले में भारत को ट्रम्प और उनकी हरकतों से सावधान रहना चाहिए। अपने चुनाव प्रचार के दौरान भारतीयों की प्रशंसा करते हुए, ट्रम्प आसानी से यह सब भूल सकते हैं और अपनी स्वयं घोषित %मेक अमेरिका ग्रेट अगेन% मेगा कार्यक्रम का अनुसरण कर सकते हैं। वह अपने लक्ष्य को हासिल करने के लिए भारत को आसानी से छोड़ सकते हैं, बजाय इसके कि वह निरंतरता और नैतिक प्रतिबद्धता के मार्ग पर चलें।दुनिया के लिए, ट्रम्प को उनके ही खेल में खेलना कहीं बेहतर होगा। उनके साथ सौदे करें और अमेरिकी राष्ट्रपति से किसी स्थायी प्रतिबद्धता की उम्मीद न करें।

ज्योतिष में है भविष्य

पृथ्वी से कई प्रकाश वर्ष दूर ग्रहों का मानव पर क्या प्रभाव पड़ेगा। इसका अध्ययन ज्योतिष में किया जाता है। ज्योतिष के द्वारा ज्ञात हो सकता है कि कौन से ग्रह उस पर अच्छा प्रभाव डालेंगे और कौन से ग्रह बुरा। हर ग्रह का अपना एक तत्व होता है उस तत्व के द्वारा उस ग्रह के बुरे प्रभाव को खत्म किया जा सकता है। वर्तमान में ज्योतिष एक संभावनाओं वाले क्षेत्र के रूप में उभर कर आया है।

ज्योतिष ग्रहों को जानने की एक प्राचीन विद्या है। यह हमारे ऋषि-मुनियों द्वारा प्रदत्त एक ज्ञान है। ज्योतिष ग्रहों की गणितीय गणना है। ज्योतिष का सबसे बड़ा लाभ यह है कि व्यक्ति को अपनी अनुकूल और प्रतिकूल स्थिति का ज्ञान हो जाता है, जिससे वह उसके अनुसार कार्य करता है तो विपरीत परिस्थितियों में भी उसे संबल मिलता है। पृथ्वी से कई प्रकाश वर्ष दूर ग्रहों का मानव पर क्या प्रभाव पड़ेगा। इसका अध्ययन ज्योतिष में किया जाता है। ज्योतिष के द्वारा ज्ञात हो सकता है कि कौन से ग्रह उस पर अच्छा प्रभाव डालेंगे और कौन से ग्रह बुरा। हर ग्रह का अपना एक तत्व होता है उस तत्व के द्वारा उस ग्रह के बुरे प्रभाव को खत्म किया जा सकता है। वर्तमान में ज्योतिष एक संभावनाओं वाले क्षेत्र के रूप में उभर कर आया है। इस विद्या में कंप्यूटर के प्रयोग से ज्योतिष का क्षेत्र सरल एवं व्यापक हुआ है। भारत में ज्योतिष से संबंधित लगभग 1800 वेबसाइट्स हैं। विदेशों में ज्योतिष से संबंधित लगभग 2 लाख से अधिक वेबसाइट्स हैं। युवा ज्योतिष विद्या का अध्ययन कर इसमें भी कैरियर बना सकते हैं। शासकीय संस्कृत महाविद्यालय के प्रोफेसर डॉ. विनायक पांडे के अनुसार ज्योतिष वर्तमान में एक अच्छे कैरियर क्षेत्र के रूप में उभरा है। कई युवा इस प्राचीन भारतीय विद्या के बारे में जानने-समझने को उत्सुक हैं। अभी इस विद्या का पूर्ण और सही ज्ञान रखने वालों की भारत में अभी भी कम है।

उन्होंने बताया कि ज्योतिष के दो प्रकार होते हैं- 1. सिद्धांत ज्योतिष और 2. फलित ज्योतिष। सिद्धांत ज्योतिष के अंतर्गत पंचांग आदि का निर्माण शामिल है। इसका अध्ययन कर युवा खुद स्वरोजगार स्थापित कर सकते हैं, बल्कि दूसरों को भी रोजगार दे सकते हैं। फलित ज्योतिष के अंतर्गत भविष्य देखना, पत्रिका बनाना, ग्रहजन्य पीड़ा, निदान आदि का अध्ययन किया जाता है।

डॉ. पांडे कहते हैं कि ज्योतिष में रुचि रखने वाले युवा ज्योतिष में डिप्लोमा कर सकते हैं। 12वीं कक्षा उत्तीर्ण करने के बाद आप किसी भी विषय में स्नातक की पढ़ाई के साथ यह डिप्लोमा कर सकते हैं। यह डिप्लोमा कोर्स तीन वर्षीय है। पहले साल में उत्तीर्ण होने पर प्रमाण-पत्र दिया जाता है। दूसरे वर्ष में डिप्लोमा और तीसरे वर्ष में एडवांस डिप्लोमा होता है। यह युवाओं के लिए उभरता हुआ कैरियर क्षेत्र है। ज्योतिष के साथ में आध्यात्मिक जुड़ाव भी होना चाहिए।

आइए जानते हैं कुछ इंटरव्यू टिप्स, जिन्हें अपनाकर आप इंटरव्यू में सफल हो सकते हैं। समय से पहले न पहुचें- समय से पहले पहुंचने पर इंटरव्यूअर पर आपके प्रति नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। समय का पाबंद रहना अच्छा गुण है। इस बात का ध्यान रखें कि आप न देर से पहुंचे और न समय से पहले पहुंच कर वहां खाली बैठे रहें। कुछ हायरिंग मैनेजरों को कैंडिडेट्स का बिना वजह खाली बैठे रहना पसंद नहीं आता।

इंटरव्यू की खास बातें

कहते हैं फर्स्ट इंप्रेशन इज़ लास्ट इंप्रेशन। किसी जॉब के लिए इंटरव्यू देते समय आपको इन्हीं बातों का ध्यान रखना पड़ता है। आप इंटरव्यू में अपने आपको सही तरीके से प्रस्तुत करेंगे तो आपको जॉब मिलने में आसानी होगी। आइए जानते हैं कुछ इंटरव्यू टिप्स, जिन्हें अपनाकर आप इंटरव्यू में सफल हो सकते हैं। समय से पहले न पहुचें- समय से पहले पहुंचने पर इंटरव्यूअर पर आपके प्रति नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। समय का पाबंद रहना अच्छा गुण है। इस बात का ध्यान रखें कि आप न देर से पहुंचे और न समय से पहले पहुंच कर वहां खाली बैठे रहें। कुछ हायरिंग मैनेजरों को कैंडिडेट्स का बिना वजह खाली बैठे रहना पसंद नहीं आता।

हरेक गतिविधि पर नजर- इंटरव्यू देते वक्त आपका ध्यान सिर्फ उसी पर रहता है। इंटरव्यूअर आपसे सवाल-जवाब करने के दौरान आपकी प्रत्येक हलचल पर ध्यान रखता है। कई कंपनियों में तो कैंडिडेट्स के व्यवहार को देखने के लिए रिसेप्शन पर कैमरे तक लगाए जाते हैं। हायरिंग मैनेजर इन कैमरों से यह देखते हैं कि आप रिसेप्शनिस्ट और दूसरे इंटरव्यू देने आए प्रतिभागियों से कैसा व्यवहार कर रहे हैं। बातों को बढ़ा-चढ़ाकर न बोलें- इंटरव्यू के दौरान अनावश्यक न बोलें। आपसे जो सवाल किया जाए, उसी का सीधे तरीके से जवाब दें। कई लोगों की आदत जरूरत से ज्यादा बोलने की होती है। इंटरव्यूवर को इस बात से सख्त नफरत होती है कि आप उसके सवाल का जवाब देने की बजाय इधर- उधर की बातें करें। अगर आप फालतू की बात करेंगे तो यही माना जाएगा कि आपको कुछ पता नहीं है। सकारात्मक जवाब- इंटरव्यू के दौरान अपने पॉजीटिव एटीट्यूट को प्रदर्शित करें। इंटरव्यू के दौरान आपसे चाहे जितने नकारात्मक प्रश्न पूछे जाएं, आप उनका जवाब पॉजीटिव ही दें। इंटरव्यू के दौरान ज्यादा कम्फर्टेबल और फ्रेंडली होने का प्रयास भी न करें। अपने इंप्लोयर की न करें आलोचना- आप अपने वर्तमान जॉब से चाहे कितने ही असंतुष्ट क्यों न हों, लेकिन इंटरव्यू के दौरान अपने इंप्लोयर की किसी भी तरह की आलोचना न करें। अगर आप ऐसा करते हैं तो इंटरव्यू पैनल में आपके बारे में गलत संदेश जाएगा।

प्रचलित चिकित्सा पद्धति के नुकसान के चलते जहां लोगों में आयुर्वेद, प्राकृतिक चिकित्सा का प्रचलन बढ़ रहा है वहीं कुछ वर्षों से योग के प्रति भी लोगों का रुझान तेजी से बढ़ा है। यदि कोई व्यक्ति योग शिक्षक बनना चाहता है तो उसे योग की तमाम अपेक्षित जानकारी होनी चाहिए।

योग में संवारे कैरियर

इस क्षेत्र में अनेक संभावनाएं हैं। योग शिक्षा और प्रशिक्षण के बाद आप स्वयं योग-कक्षाएं लगा सकते हैं। इसके लिए सिर्फ आपके पास साफ-सुथरा स्थान तथा स्वस्थ माहौल होना चाहिए। खुली जगह सर्वोत्तम रहती है। यदि मान्यता प्राप्त संस्थान से प्रशिक्षण लिया है तो आप स्कूल, कॉलेज में भी कक्षाएं ले सकते हैं। चिकित्सक और शोधकर्ता के रूप में आप रोगों तथा विकारों के संबंध में कार्य कर सकते हैं। योग में अनेक क्षेत्र हैं, लेकिन दो प्रमुख क्षेत्र हैं -1. अध्यापन और अनुसंधान तथा 2. रोगों का उपचार। जहां तक रोगों के उपचार का संबंध है, योग मन और शरीर- दोनों का इलाज करता है। किंतु यह जानना जरूरी होता है कि किस आसन और प्राणायाम से कौन-सा रोग ठीक होता है। इसके लिए विद्यार्थियों के लिए विशेष कक्षाएं लगाई जाती हैं, जहां उन्हें विभिन्न आसन और योग के अन्य पहलू सिखाए जाते हैं। योग पर अनेक ग्रंथ हैं। उक्त ग्रंथों का अध्ययन कर योगाभ्यास की सही तकनीक समझ सकते हैं। योग में प्रशिक्षण लेना बेहद जरूरी है क्योंकि यदि व्यायाम सही ढंग से नहीं किया जाता है तो समस्या बढ़ सकती है। यदि समुचित प्रशिक्षण के बिना योग किया जाता है तो यही योग हानिकारक भी हो सकता है।

रोजगार की संभावनाएं

वर्तमान में भारत में 30 से ज्यादा कॉलेजों में योग विषय में स्नातक एवं स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम चलाए जाते हैं। किसी भी क्षेत्र के स्नातक योग से संबंधित पाठ्यक्रम में शामिल हो सकते हैं। स्नातक तथा स्नातकोत्तर स्तर पर ये पाठ्यक्रम उपलब्ध हैं, अथवा स्नातकोत्तर डिप्लोमा स्तर का एक वर्ष का पाठ्यक्रम भी कराया जाता है। यहां यह भी जानना आवश्यक है कि कॉलेजों के अलावा देशभर में कई योग अध्ययन केंद्र भी हैं। योग पाठ्यक्रम में निम्नलिखित विषय शामिल हैं- शरीर रचना, दर्शन, ध्यान, व्यायाम तथा योग और ध्यान का सिद्धांत व नियम। व्यावहारिक पक्ष में योगासन, सूर्य नमस्कार तथा प्राणायाम जैसे विभिन्न आसन दिखाए जाते हैं।

फोटोग्राफी में ध्यान दें बारीकियों पर

फैशन और वाइल्ट लाइफ फोटोग्राफी में रुचि रखने वाले युवा इसे अपना पेशन मानते हैं। इस फील्ड में क्रिएटीविटी, टेक्निक, ट्रेनिंग, हार्डवर्क, ग्लैमर, एडवेंचर सब कुछ है। सही ट्रेनिंग और गाइडेंस से इस फील्ड में कैरियर बनाने का स्कोप बढ़ गया है। कई डिग्री होल्डर फोटोग्राफर्स भी फैशन और वाइल्ड लाइफ फोटोग्राफी की बारीकियां सीख रहे हैं। कैरियर संभावनाएं- फैशन इंडस्ट्रीज, कार्पोरेट और इंडस्ट्रीयल सेक्टर के विकसित होने से इस फील्ड में संभावनाएं बढ़ गई हैं। फैशन इंडस्ट्री के फलने-फूलने के साथ ही फैशन फोटोग्राफी में ग्लैमर जुड़ चुका है। आज हर कंपनी अपने प्रोडक्ट के साथ कैलेंडर, मैगजीन, विज्ञापन ब्रोशर प्रकाशित करती है। इनमें आकर्षक और स्टाइलिश फोटो की खास भूमिका होती है। इन सबके लिए फैशन फोटोग्राफर की बहुत जरूरत है। तकनीकी रूप से सक्षम होने पर इस क्षेत्र में भविष्य बहुत उज्जवल है।

शैक्षणिक योग्यता- फोटोग्राफी के लिए कम से कम ग्रेजुएशन होना जरूरी है। देशभर में कई इंस्टीट्यूट फोटोग्राफी में डिग्री या सर्टीफिकेट कोर्स करवाते हैं। एक सक्सेसफुल फोटोग्राफर बनने के लिए डीप स्टडी और अच्छे विजन का होना जरूरी है। अहमदाबाद, मुंबई, दिल्ली, औरंगाबाद जैसे शहरों में संस्थानों द्वारा फोटोग्राफी का विधिवत प्रशिक्षण दिया जाता है। इन संस्थानों में दो-तीन वर्षों के डिग्री कोर्स एवं ट्रेनिंग दी जाती है।

जानकारी

बच्चों को दूसरी महिला से स्तनपान कराना कितना सुरक्षित?

खतरनाक नहीं, लेकिन सुरक्षा भी जरूरी

कई महिलाएं होती हैं, जिनके स्तनों में बच्चे के जन्म के बाद भी दूध नहीं आता। ऐसे में कई बार सवाल आता है कि क्या कोई दूसरी महिला किसी के बच्चे को स्तनपान करा सकती है?

दूसरे के बच्चे को ब्रेस्टफीडिंग कराना वेट-नर्सिंग कहलाता है, लेकिन क्या यह बच्चे के लिए सुरक्षित है। हालांकि यह स्थिति तब बनती है जबकि बच्चे के जन्म के बाद महिलाओं के स्तनों में दूध नहीं आता या बहुत कम दूध आतो है, जो बच्चे के लिए पर्याप्त नहीं होता। हर शिशु के लिए मां का दूध शुरुआती समय में एक संपूर्ण आहार माना जाता है, लेकिन, ऐसी कई महिलाएं होती हैं जिनके स्तनों में बच्चे के जन्म के बाद भी दूध नहीं आता। ऐसे में कई बार सवाल आता है कि क्या कोई दूसरी महिला किसी के बच्चे को स्तनपान करा सकती है? आपको बता दें कि दूसरे के बच्चे को ब्रेस्टफीडिंग कराना वेट-नर्सिंग कहलाता है, लेकिन क्या यह बच्चे के लिए सुरक्षित है। आपने अपनी दादी या नानी से भी इसके बारे में सुना ही होगा कि उन्होंने घर या रिश्तेदारों में किसी और के बच्चे को अपना स्तनपान करवाया है और दोनों ही पूरी तरह से स्वस्थ हैं। अगर आपके स्तनों में दूध की मात्रा बहुत ही कम बनती है या दूध होता ही नहीं है, तो ऐसी स्थिति में वेट-नर्सिंग की मदद ले सकते हैं।

कितना सुरक्षित है वेट-नर्सिंग?

विशेषज्ञों की मानें, तो किसी और के बच्चे को ब्रेस्टफीडिंग करवाना खतरनाक नहीं है, लेकिन, यह पूरी तरह से सुरक्षित भी नहीं है। यह बच्चे के लिए कितना सुरक्षित है, यह स्तनपान करवाने वाली महिला के स्वास्थ्य पर निर्भर करता है। बहुत-सी कामकाजी महिलाएं आज के समय में एक-दूसरे के बच्चे को ब्रेस्टफीडिंग कराती हैं। कई मामलों में यह पूरी तरह से सुरक्षित पाया गया है, लेकिन कुछ हालातों में किसी और से अपने बच्चे को ब्रेस्टफीडिंग करवाने से बचना चाहिए।

इन बातों का रखें ध्यान

अगर स्तनपान कराने वाली महिला गंभीर बीमारी की मरीज हो, जैसे : एचआईवी, कैंसर या दूसरी कोई स्वास्थ्य संबंधी समस्या तो यह बच्चे के लिए खतरनाक साबित हो सकता है। अगर महिला किसी तरह के नशीले पदार्थों का सेवन करती हों, जैसे शराब, सिगरेट आदि। अगर महिला नियमित तौर पर किसी तरह के दवा की आदी हो।

नहाकर आप हमेशा ही फ्रेश फील करते हैं पर क्या आप भरोसा करेंगे कि नहाने के कुछ नुकसान भी हैं। नहीं न! तो आइए हम आपको बताते हैं नहाते वक्त ऐसी कौन सी चीजें न करें, जिससे आपके शरीर या त्वचा को कोई नुकसान पहुंचे।

ठंड में नहाते समय 5 गलतियां खराब कर सकती है आपकी त्वचा और बाल

आपको हर दिन नहाने की जरूरत है, लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि क्या कभी हर दिन नहाना भी आपके लिए नुकसानदायक हो सकता है? हो सकता है कि नहाने के कारण भी आपकी त्वचा को नुकसान पहुंच रहे हो। आपको न पता हो पर नहाते वक्त आपकी त्वचा के नेचुरल ऑयल भी पानी के साथ बह जाते हैं। इसके अलावा बहुत देर तक गर्म और ठंडे पानी से नहाने के भी अपको नुकसान होते हैं। इसके लिए जरूरी है हम कुछ चीजों को नहाते वक्त करने से बचें। आइए हम आपको बताते हैं इन्हीं कुछ चीजों को बारे में।

गर्म पानी से न नहाएं

हमें न तो बहुत गर्म पानी से नहाना चाहिए, न ही बहुत ठंडे पानी से, क्योंकि इसके कारण आपके शरीर को कुछ नुकसान भी हो सकते हैं तो कोशिश करें कि हमेशा ही गुनगुने पानी से नहाएं, जिसका तापमान बैलेंस हो। पर कुछ लोग ज्यादा आराम पाने के लिए गर्म पानी से नहाते हैं, लेकिन इससे आपकी त्वचा को नुकसान हो सकता है। दरअसल गर्म पानी आपकी त्वचा से प्राकृतिक तेलों को निकाल सकता है। गर्म पानी की वजह से भी आपकी त्वचा खुजली और सूखी हो सकती है। यदि आप ठंडे स्थान पर भी रहते हैं, तो सुनिश्चित करें कि पानी का तापमान नहाते वक्त ज्यादा न हो, जिससे आपकी त्वचा के नेचुरूल ऑयल बने रहे।

बहुत लंबे समय तक नहाने से बचें

शॉवर में 30 मिनट बिताना आपके लिए आकर्षक हो सकता है, लेकिन आपकी त्वचा के लिए यह हानिकारक हो सकता है। यह आपकी त्वचा से नेचुरल लिपिड को हटा सकता है, जो त्वचा को नम रखने के लिए पानी को त्वचा में बांधकर रखने में मदद करते हैं। इसलिए कोशिश करें कि शॉवर में 10 मिनट से ज्यादा न बिताएं। साथ ही बाल्टी के पानी से धीरे-धीरे नहाएं। इससे आपकी त्वचा पर सीधे पानी की धार नहीं पड़ेगी और त्वचा एक दम से ठंडी और गर्मी के लिए सेंस्टिव भी नहीं होगा।

बहुत ज्यादा सुगंध वाले साबुन के इस्तेमाल से बचें

सुगंध वाले साबुन में ऐसी सामग्री भी होती है, जो आपकी त्वचा से नमी को छीन सकती है। वे त्वचा में अत्यधिक सूखापन पैदा कर सकते हैं। अक्सर साबुनों में पैराबिन्स, सिंथेटिक रंग, सुगंध, सोडियम लॉरिल सल्फेट और फॉर्मलाडेहाइड शामिल होते हैं, जिससे शरीर की त्वचा पर अलग-अलग तरीकों से नुकसान पहुंचता है। कुछ लोगों को तो इन साबुनों से इंफेक्शन भी हो जाता है। ऐसे में कोशिश करें कि बिना सुगंध वाले और मिल्क प्रोटीन वाले साबुनों का इस्तेमाल करें। अगर आप साबुन से नहाकर अपने पसीने की बदबू को हटाना चाहते हैं, तो आप नहाते वक्त पानी में इत्र डाल सकते हैं। इसके अलावा आप साबुन लगाने के बाद एक बार नहाकर कोई सुगंधित तेल लगा लें और फिर नहा लें। इससे आपके शरीर की त्वचा सुगंधित भी रहेगी और मॉइश्चराइज भी।

नहाने के बाद शरीर को अच्छे से सुखाएं

कुछ लोग नहाने के बाद शरीर को बिना अच्छे से सुखाए ही कपड़े पहन लेते हैं। ऐसे में शरीर में लगे हुए पानी के कण बाद में दाद और खुजली का कारण भी बन सकते हैं। इसके साथ ही सुनिश्चित करें कि आप साबुन और अन्य उत्पादों को अच्छी तरह से धोकर नहाएं। इससे आपके त्वचा के पोर्स भी ब्लाक हो सकते हैं, जिससे मुंह पर मुंहासे होने की संभावना बढ़ जाती है। इसके लिए मुंहासों को रोकने के लिए अपने बालों को अच्छी तरह से साफ करें।

गीले तौलिए से शरीर न पोंछे

कोशिश करें कि नहाने के बाद सूती कपड़े से शरीर को पोंछे। दरअसल सूती तौलिया शरीर के पानी को अच्छे से पोंछता है और साफ कर देता है। साथ में कोशिश यह भी करें कि नहाने के बाद शरीर को गीले तौलिए से न पोंछे। इससे स्किन इंफेक्शन्स हो सकते हैं। इससे आप दाद-खाज और खुजली से हमेशा बचे रह सकते हैं।

सेहत

वैज्ञानिकों ने बताया भारतीयों में क्यों छोटा होता है दिमाग

छोटा दिमाग होने का है फायदा

भारतीयों में पश्चिमी व पूर्वी देशों की तुलना में छोटा दिमाग होता है, इस बात का खुलासा हाल में हुए एक अध्ययन में किया गया। शोधकर्ताओं ने पहली बार भारतीय ब्रेन एटलस बनाया है, जिसमें कि अध्ययन से पता चला है कि पश्चिमी और अन्य पूर्वी देश की आबादी की तुलना में भारतीय मस्तिष्क, औसतन, ऊंचाई, चौड़ाई और मात्रा में छोटा है, लेकिन इसमें कोई बुरा मानने या नुकसान वाली कोई बात नहीं है, बल्कि फायदा है। जी हां शोधकर्ताओं ने बताया कि छोटा दिमाग, अल्जाइमर यानि भूलने की बीमारी और मस्तिष्क संबंधी अन्य बीमारियों के जल्दी ठीक करने में मदद मिलती है। यह शोध 'जर्नल न्यूरोलॉजी इंडिया' में प्रकाशित हुआ है। सेंटर फॉर विजुअल इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी के जयंती शिवस्वामी, जिन्होंने इस प्रोजेक्ट पर काम किया ने कहा कि मॉन्ट्रियल न्यूरोलॉजिकल इंस्टीट्यूट (MNI) टेम्पलेट, जो मानक के रूप में उपयोग किया जाता है, उसे कोकेशियान ब्रेन का उपयोग करके बनाया गया था। शोधकर्ताओं के अनुसार, यह भारतीय आबादी में मस्तिष्क के अंतर का विश्लेषण करने के लिए आदर्श नहीं है, क्योंकि भारतीयों का दिमाग टेम्पलेट से छोटा होता है, जो कि कई स्कैन में साबित हुआ है।

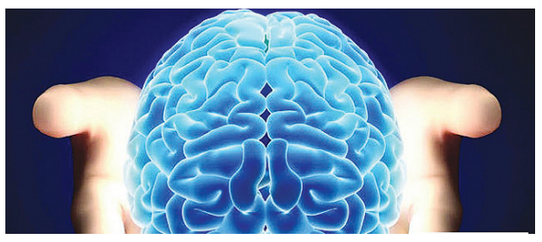

जयंती शिवस्वामी ने बताया कि मॉन्ट्रियल न्यूरोलॉजिकल इंस्टीट्यूट (MNI) की तुलना में भारतीय दिमाग आकार में छोटा होता है, स्कैन में आने वाले अंतर चिंताजनक और खतरनाक भी हो सकता है। उन्होंने कहा कि एमआरआई इमेज की तुलना एमएनआई टेम्पलेट से की गई। अध्ययन के आधार पर स्पष्ट सबूत हैं कि बड़े एटलस का निर्माण करना जरूरी है, क्योंकि यह संरचनात्मक रूप से समझना महत्वपूर्ण है कि सामान्य क्या है। इससे मस्तिष्क की कई स्थितियों को जल्द पकड़ने में मदद मिलेगी।

कैसे किया गया अध्ययन?

इस अध्ययन में जयंती ने बताया कि टेम्पलेट निर्माण के लिए उन्होंने चीन और कोरिया की आबादी का ब्रेन स्ट्रक्चर तैयार किया। जबकि भारतीयों के दिमाग का एटलस बनाने का यह पहला प्रयास था, जिसमें भारतीय मस्तिष्क एटलस बनाने में आईआईआईटी-हैदराबाद टीम द्वारा पहले प्रयास में 50 महिलाएं और 50 पुरुष शामिल थे, जिसमें स्कैनिंग मशीनों में भिन्नता का पता लगाने के लिए इन विषयों के दिमाग के एमआरआई स्कैन को तीन अलग-अलग अस्पतालों में तीन अलग-अलग स्कैनरों में लिया गया। पायलट अध्ययन के परिणामों के अनुसार, एटलस के अंतिम निर्माण में 100 इच्छुक प्रतिभागियों को भर्ती करने के लिए आगे बढ़े, जिन्हें आईबीए 100 कहा जाता है।

जयंती ने कहा एटलस को विभिन्न आबादी के लिए अन्य एटलस के खिलाफ मान्य किया गया था। ऊंचाई, चौड़ाई और मात्रा यानि वॉल्युम में ये अंतर संरचनात्मक स्तर पर भी पाए जाते हैं, जैसे कि हिप्पोकैम्पस की मात्रा, लेकिन कुल मिलाकर, IBA 100 चीनी और कोरियाई एटलस के साथ दूर के कोकेशियान एक (MNI) की तुलना में अधिक है। उन्होंने कहा कि उनकी टीम वर्तमान में उम्र बढ़ने की प्रक्रिया को समझने पर ध्यान केंद्रित कर रही है। कई परिवर्तन हैं जो मस्तिष्क में बढ़ती उम्र के कारण होते हैं, जिसमें सबसे विशिष्ट है, संरचनाओं का सिकुड़ना उन्होंने यह भी कहा कि इससे डिमेंशिया या अल्जाइमर का इलाज करने में मदद मिल सकती है, क्योंकि वे हिप्पोकैम्पस से जुड़े हैं।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): लेन-देन में स्पष्टता बनाये रखें। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। कोई प्रिय वस्तु या नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। राजकीय कार्यों से लाभ। बिगड़ा कार्य बनेगा। शुभांक-3-6-8

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): आज की सुविधा कल नहीं मिल पायेगी, लाभ उठाएं। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। शुभ कार्यों में व्यय होगा। स्वास्थ्य पर ध्यान दें। शुभांक-4-6-8

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा): अपना कार्य दूसरों के सहयोग से बना लेगें। मित्रों की उपेक्षा करना ठीक नहीं रहेगा। नौकरी के क्षेत्र में कुछ उलझनें रहेंगी। यश में वृद्धि व शिक्षा में परेशानी आ सकती है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। व्यापार में वृद्धि होगी। मेहमानों का आगमन होगा। पारिवारिक प्रेमभाव बढ़ेगा। शुभांक-3-5-7

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): श्रेष्ठजनों की सहानुभूति मिलेगी। कारोबारी यात्रा सफल होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। बुद्धि, बल व पराक्रम सफल होगा। व्यापार में वृद्धि व लाभ मिलेगा। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। शुभांक-2-4-6

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। लाभ होगा और पुराने मित्रों से समागम भी होगा। संतान पक्ष की समस्या खत्म होगी। अपने काम पर नजर रखिए। स्वभाव में सौम्यता आपकी मदद करेगी। जीवन साथी से संबंधों में मिठास बढ़ेगी। परामर्श व परिस्थिति सभी का सहयोग मिलेगा। शुभांक-1-3-5

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। कारोबारी काम में बाधा बनी रहेगी। धन लाभ की संभावना। शुभांक-4-6-8

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): जो चल रहा है उसे सावधानीपूर्वक संभालें। मायूस न हो समय चक्र है। कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। धन लेन-देन में सतर्क रहें। शुभांक-5-7-9

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): परिवार में मांगलिक कार्यों का आयोजन होगा। वैवाहिक जीवन में प्रेम-प्रीति बढ़ेगी। जीवन साथी से संबंधों में मिठास बढ़ेगी। राजकीय सम्मान प्राप्त होने के योग हैं। शांतिपूर्वक कार्य करें, जान है तो जहान हैं अत: वाहन आदि चलाने में सावधानी बरतें। अपना कार्य स्वयं करें, किसी के भरोसे न रहें। शुभांक-2-6-9

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): नये लोगों से मेल-मिलाप भविष्य में लाभदायक सिद्ध होगा। स्वयं पर विश्वास कार्यों की सिद्धि है। घर तथा व्यावसाय को एक-दूसरे से दूर ही रखें। व्यापारिक संबंधों में प्रगति के योग हैं। कार्य स्थल पर नियमपूर्वक व्यवहार लाभकारी होगा। कोई प्रिय वस्तु या नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंग। शुभांक-6-8-9

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): धन के लेन-देन में सतर्क रहें। बातचीत में संयम बरतें। मन में चंचलता बढ़ेगी। भावुकतावश निर्णय न लें। कर्ज देने से बचें। मानसिक व्यथा व संतान के कारण परेशानी होगी। माता-पिता के स्वास्थ्य में गिरावट से चिंता रहेगी। कला क्षेत्र के जातकों को मेहनत के बाद सफलता मिलेगी। शुभांक-4-7-9

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): सरकारी पक्ष से पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा। विद्यार्थियों के लिए समय अनुकूल रहेगा। पुराना विवाद समाप्त होगा। आर्थिक मजबूती हेतु मन केन्द्रित होगा। मिल रहे अवसरों का लाभ उठाएं। आर्थिक योजनाएं फलित होंगी। स्त्री, संतान, मित्र के साथ मनोविनोद बढ़ेंगे। बकाया धन की प्राप्ति के योग हैं। शुभांक-3-6-9

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): आय के नये स्त्रोत बनेंगे। पद-प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंग। पसंदीदा भोज्य पदार्थों की प्राप्ति होगी। लम्बे प्रवास व चुनौती पूर्ण कार्यों का सामना हो सकता हैं। व्यवसायिक क्षेत्र में आपकी मेहनत व लगन की परीक्षा होगी। महत्वाकांक्षाओं की पूर्ति होगी। शुभांक-2-4-7

काकुरो पहेली - 2634

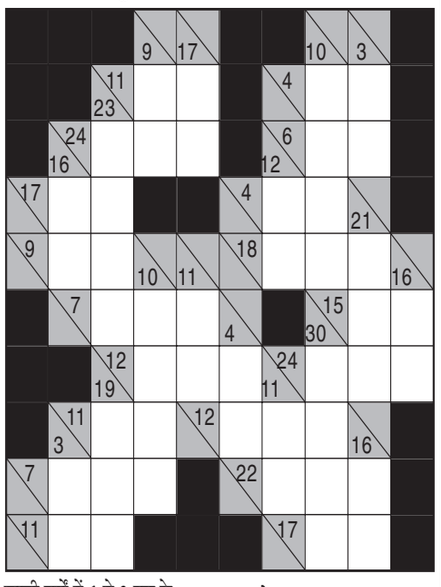

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

काकुरो - 2633 का हल

हंसी के फूव्वारें

दो बेवकूफ एक नाव में यात्रा कर रहे थे. अचानक नाव में एक छेद हो गया. जब नाव में पानी भरने लगा तो एक बेवकूफ ने चिन्तित होते हुए कहा-'नाव में पानी भर रहा है.'

'लगता है कोई छेद हो गया है.' दूसरा बेवकूफ बोला.

'फिर ?'

'एक छेद और कर देते हैं. एक छेद से पानी आ रहा है, दूसरे छेद से निकल जायेगा.' दूसरे बेवकूफ ने सुझाव दिया तो पहले बेवकूफ ने सिर हिलाकर उसकी बात का अनुमोदन कर दिया.

□ □ □

एक भिखारी ने एक बार लाटरी का टिकट खरीद लिया. टिकट खरीदने के बाद वह उछलने-कूदने लगा. अन्त में वह घर पहुंचकर अपनी घरवाली से बोला-'मैंने लाटरी का टिकट खरीद लिया है. अब हम बहुत जल्दी लखपति बनने वाले हैं.'

'ओह!'

घरवाली करवट बदलते हुए बोली-'यह कितनी अच्छी बात है. फिर तो हम कार में बैठकर भीख मांगा करेंगे!'

□ □ □

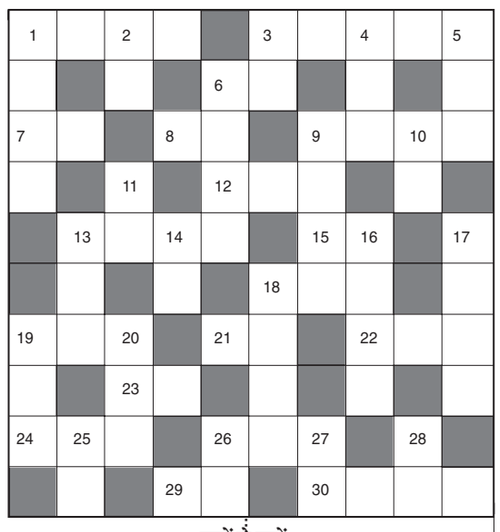

एक अभिनेत्री को अपना पासपोर्ट बनवाना था. उसे एक फार्म भरने को दिया गया. उस फार्म में एक प्रश्न यह भी था-'आप विवाहित हैं, अविवाहित हैं या तलाकशुदा ?'

अभिनेत्री ने तुरन्त जवाब लिखा-'तीनों !'

फिल्म वर्ग पहेली - 2634

बायें से दायें:-

१. कारगिल युद्ध पर बनी जे. पी. दत्ता की बहु-सितारा फिल्म-२,१,१
३. 'रूप सलोना तेरा' गीत वाली सनी, अक्षय, मनीषा की फिल्म-२,३
६. आमिर, माधुरी दीक्षित की 'खंभे जैसी खड़ी है' गीत वाली फिल्म-२
७. 'अपना बनाना है' गीत वाली अनिल कपूर, शिल्पा, करिश्मा की फिल्म-२
८. कुमार गौरव, माधुरी की 'पहली बारिश मैं और' गीत वाली फिल्म-२
९. 'रिमझिम के गीत' गीत वाली राजेद्र कुमार, बबीता की फिल्म-४
१२. 'छोटा कद और पेट बड़ा' गीत वाली संजयदत्त, नम्रता की फिल्म-३
१३. अजय देवगन, मधु, सोनाली की 'किसी के इश्क' गीत वाली फिल्म-४
१५. फिल्म 'साया' में जॉन अब्राहम की नायिका कौन थी-२
१८. अक्षय कुमार, माधुरी की 'अब तेरे दिल में' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'सात सुरों के तार' गीत वाली जैकी, माधुरी दीक्षित की फिल्म-३
२१. फरदीन, करीना की 'तेरे बिना तेरे बिना' गीत वाली फिल्म-२
२२. 'डैडी कूल कूल' गीत वाली शाहरूख खान, पूजा भट्ट की फिल्म-३
२३. राजीव कपूर, डिम्पल की 'कोई भी नाम दो' गीत वाली फिल्म-२
२४. अभिनेत्री पूजा भट्ट के पिता-३
२६. दिलीपकुमार, वहीदा रहमान की 'कल के सपने' गीत वाली फिल्म-३
२९. 'तुझे ना देखूँ तो' गीत वाली जीतेंद्र, कमल सदाना, दिव्या की फिल्म-२
३०. सुमीत सहगल, शिखा की 'पीछे पीछे आजा' गीत वाली फिल्म-४

ऊपर से नीचे:-

१. 'दिल लगाने की' गीत वाली अक्षय, अमिताभ, राखी, जूही की फिल्म-२,२
२. अतीन भल्ला, संदली की एक फिल्म-२
३. 'पहला पहला प्यार' गीत वाली फिल्म-२
४. संजयदत्त, काजोल की 'आवाज दो हमको' गीत वाली फिल्म-३
५. 'मैं तेरी दुश्मन' गीत वाली फिल्म-३
६. अजय देवगन, रवीना की 'कितना हसीन चेहरा' गीत वाली फिल्म-४
९. राजेश खन्ना, शबाना आजमी की फिल्म-४
१०. जैकी श्रॉफ, रति की 'जितना कभी किसी ने' गीत वाली फिल्म-२
११. 'दिलवालों के दिल का' गीत वाली मनोज वाजपेयी, रवीना की फिल्म-२
१३. सनी, बॉबी, उर्मीला की 'कोई नहीं है' गीत वाली फिल्म-३
१४. 'तुम आए तो आया' गीत वाली अजय देवगन, पूजा भट्ट की फिल्म-२
१६.'कहाँ से आई रानी' गीतवाली फिल्म-२,२
१७. 'मैं जब बोलूँ हाँ' गीत वाली जीतेंद्र, नीतूसिंह की फिल्म-४
१८. अशोककुमार, सुमिता की 'रेलगाड़ी रेलगाड़ी' गीत वाली फिल्म-४
१९. 'दोस्त दोस्त ना रहा' गीत वाली फिल्म-३
२०. अक्षय, करिश्मा की 'दिल ले गया' गीत वाली फिल्म-३
२५. 'रजिया सुल्तन' में रजिया सुल्तन की शीर्षक भूमिका किसने की हैं-२
२६. 'तेरा क्या लगता है' गीत वाली फिल्म-२
२७. फिल्म 'काजल' की नायिका कौन थी-३
२८. 'नचना तेरे नाल' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली - 2633

सूडोकु -2634

			2				3	
		9		8		2	6	4
1				3	6		9	
4		3						
	8			2			1	
						8		6
	4		7	5				3
3	7	5		4		1		
	2				8			

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -2633 का हल

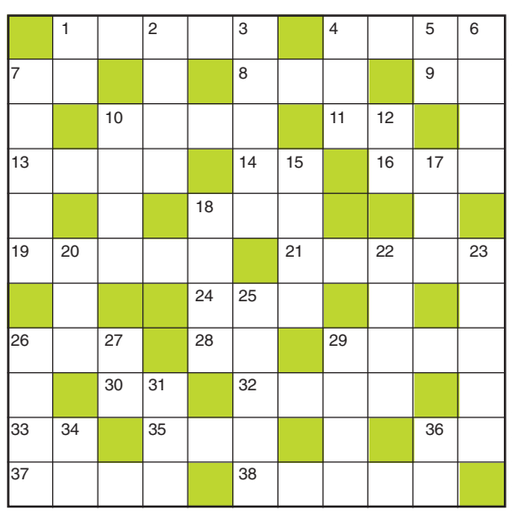

4	6	2	3	5	8	9	1	7
8	1	7	9	2	6	3	5	4
3	5	9	7	4	1	8	2	6
6	4	1	5	3	7	2	8	9
2	7	5	8	4	9	6	3	1
9	3	8	2	6	1	4	7	5
1	2	3	6	9	5	7	4	8
5	9	4	7	8	2	1	6	3
7	8	6	4	1	3	5	9	2

शब्द पहेली - 2634

बाएँ से दाएँ

1.जायकेदार,लजीज-5
4.नट का खेल-4
7.राय,वोट-2
8.दुरुह,कठिन-3
9.प्रहार,घात-2
10.अचरज भरा कार्य-4
11.शराब,मद्य-2
13.साझेदार-4
14.क्षण,लम्हा-2
16.सहयोग-3
18.अड़िग-3
19.कैद, बंधक-3,2
21.चुगली करना-2,3
24.धावक (अंग्रेजी-3)
26.अग्नि, आग-3
28.टैक्स, हाथ-2
29.एक मुगल सम्राट-4
30.टकटकी-2
32.कैंची से काटना-4
33.आत्मा-2
35.सीरा,मिष्ठान-3
36.आगमन-2
37.जोरदार-4
38.तेज दौड़ना-5

ऊपर से नीचे

1.बुरी आदत-2
2.झगड़ा,रार-4
3.फिल्मी दुनिया-3,2
4.लेखनी,पेन-3
5.इस पर रोटी सेंकते हैं-2
6.वटवृक्ष-4
7.मन को भाने वाला-5
10.बुरा आचरण-4
12.यमराज-2
15.चुनौती-4
17.विदरण,एकता भंग-3
18.आर्द्रक-4
20.भूमि,धरती-3
22.आवेश में आना-4
23.नामकरण-2,3
25.नरक में रहना-5
26.जामफल-4
27.बेल,लतिका-2
29.प्रार्थना,ईश्वर वंदना-4
31.जलजला-3
34.मैं का बहुवचन-2
36.रुपये का सोलहवां भाग-2

शब्द पहेली -2633 का हल

वडोदरा की आईओसीएल रिफाइनरी में एक और धमाका, एक की मौत

एजेंसी

वडोदरा/अहमदाबाद। वडोदरा के कोयली स्थित आईओसीएल रिफाइनरी में दोपहर 3.30 बजे बड़ा धमाका होने के बाद भीषण आग लग गई। आग लगते ही धुआं 6 किलोमीटर दूर तक देखा गया। धमाके के बाद आग से आसपास के लोगों में अफरातफरी मच गई। वहीं, अब रात 8.30 बजे रिफाइनरी में एक और टैंक में ब्लास्ट हो गया। दमकल विभाग ने एक बड़ी आपातकॉल की घोषणा की है, जिसके चलते आग पर काबू पाने के लिए अहमदाबाद, आणंद, हलोल, अंकलेश्वर और वडोदरा ग्रामीण से दमकल विभाग की गाड़ियां बुलाई गई हैं। इसके अलावा आग लगने की घटना में तीन कर्मचारी घायल हो गए। इनमें से एक कर्मचारी की इलाज के दौरान मौत हो गई, जबकि अन्य दो की हालत स्थिर है। वहीं, आग पर काबू पा रहा एक फायरमैन भी घायल हो गया। फिलहाल फायरमैन को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।आग लगने की सूचना मिलने के बाद फायर फाइटर्स की टीमें मौके पर पहुंचीं और आग पर काबू पाने की कोशिशें शुरू कर दीं 7 पुलिस भी मौके पर मौजूद है। इस घटना में रिफाइनरी में काम करने वाले एक कर्मचारी की मौत हो गई है। धमाके के बाद धीमंत मकवाना नाम का युवक घायल हो गया और उसे इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया। कर्मचारी तारापुर का रहने वाला था और इलाज के दौरान उसकी मौत हो गयी। साढ़े पांच घंटे से ज्यादा समय के बाद भी आग पर काबू नहीं पाया जा सका है। दमकलकर्मी अभी भी पूरे जोर-शोर से काम कर रहे हैं।

जिरीबाम हमले में 10 उग्रवादी ढेर, एक सीआरपीएफ जवान गंभीर रूप से घायल

इंफाल। मणिपुर के जिरीबाम जिले के बाराबेकरा उपमंडल के जकुराधार करोंग में सुरक्षा बलों ने आज हुई मुठभेड़ में 10 हथियारबंद उग्रवादियों को मार गिराया। इसके अलावा केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के जवान कांस्टेबल संजीव कुमार भी उग्रवादियों की गोली से गंभीर रूप से घायल हो गया। उन्हें पड़ोसी राज्य असम के कछार जिला मुख्यालय स्थित सिलचर मेडिकल कॉलेज एंड अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज चल रहा है। सूत्रों ने बताया कि सीआरपीएफ जवान की स्थिति खतरे से बाहर बतायी जा रही है। मुठभेड़ सोमवार दोपहर करीब साढ़े तीन बजे हुई। इम्फाल में मणिपुर पुलिस मुख्यालय के सूत्रों के अनुसार, सीआरपीएफ और अन्य सुरक्षा एजेंसियों ने बाराबेकरा सब-डिवीजन के तहत जकुराधार कोरंग इलाके में दोपहर के आसपास उग्रवादियों की गतिविधियों के बारे में सूचना मिलने के बाद एक संयुक्त अभियान शुरू किया। सुरक्षाबलों ने दोपहर करीब 3 बजे से सर्च ऑपरेशन चलाया। उस समय आतंकवादियों के साथ भारी गोलीबारी हुई थी। गोलीबारी करीब 45 मिनट तक चली। राज्य पुलिस सूत्र ने बताया कि मुठभेड़ स्थल पर तलाशी के दौरान दस हथियारबंद उग्रवादियों के शव बरामद किये गये। सुरक्षा कर्मियों ने एके सीरीज राइफलें, सेल्फ-लोडिंग राइफल्स (एसएलआर), इंसास राइफल्स, एक रॉकेट-प्रोपेल्ड ग्रेनेड (आरपीजी) लॉन्चर, एक पंप-एक्शन गन, बुलेटप्रूफ हेलमेट, कई मैगजीन सहित बड़ी संख्या में हथियार और गोला-बारूद बरामद किया।

तिनसुकिया में सड़क हादसा, 7 साल का बच्चा समेत 4 लोगों की मौत

तिनसुकिया। तिनसुकिया शहर के बाईपास इलाके में मंगलवार तड़के भीषण सड़क हादसे में सात साल का बच्चा समेत कार सवार चार लोगों की मौत हो गई। कार बाईपास के पास अचानक छोटे पुल के नीचे पानी भरे गड्ढे में गिर गई। मृतकों की पहचान अर्थ गुप्ता, राजेश गुप्ता, मोंटू शाह और महत शाह के रूप में हुई है। मोंटू शाह कार का ड्राइवर बताया जा रहा है। महत शाह परिवार को बिहार से

तिनसुकिया बोरडूबी पहुंचाने गए थे। महत और मोंटू शाह का घर तिनसुकिया के बोरडूबी में है। जानकारी के अनुसार कार अनियंत्रित होकर पुल से पलट कर पानी में समा गयी। हादसे में कार सवार सभी लोगों की मौत हो गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने क्रेन की मदद से हादसाग्रस्त कार को बाहर निकाला। शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

24 घंटे अलर्ट मोड पर रहेंगे 220 हाईटेक डीप डाइवर, पानी पर होगा 700 नावों से पहरा

प्रयागराज। सनातन धर्म के सबसे बड़े सामूहिक आयोजन महाकुंभ 2025 में योगी सरकार हर आपात स्थिति से निपटने की तैयारी कर रही है। दुनिया के सबसे बड़े सांस्कृतिक कार्यक्रम को सुरक्षा की दृष्टि से सफल बनाने के लिए जल पुलिस, पीएसी, स्वास्थ्य कर्मियों के साथ एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की कई टीमें मिलकर काम कर रही हैं। इसी क्रम में महाकुंभ के दौरान 220 हाईटेक डिप डाइवर समेत एनडीआरएफ और एसडीआरएफ के सुरक्षाकर्मी 700 नाव पर सवार होकर 24 घंटे अलर्ट मोड पर रहेंगे। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर देश विदेश से महाकुंभ में आने वाले श्रद्धालुओं की पुख्ता सुरक्षा के लिए हर तरह के इंतजाम किए जा रहे हैं। इसके चलते गोवा, कोलकाता, महाराष्ट्र समेत देश के सबसे चुनिंदा जल पुलिस के जवान प्रयागराज में तैनात किए जा रहे हैं। स्नानार्थियों और साधु संतों के साथ स्नान के दौरान कोई भी अनहोनी न होने पाए इसके लिए पहली बार इतनी बड़ी संख्या में हाईटेक डीप डाइवरों की ड्यूटी लगाई जा रही है।

झारखंड से घुसपैठियों को चिह्नित करने के लिए बनेगी कमेटी : अमित शाह

एजेंसी

सरायकेला। केंद्रीय गृह मंत्री और भारतीय जनता पार्टी के स्टार प्रचारक अमित शाह ने सरायकेला-खरसावां जिले के आदित्यपुर स्थित फुटबॉल मैदान में जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि पूरा झारखंड घुसपैठ से परेशान है। चंपाई सोरेन ने जब घुसपैठ का मुद्दा उठाया तो हेमंत सोरेन ने उन्हें सीएम पद छोड़ने को कहा। भाजपा की सरकार बना दो, आदमी तो क्या परिंदा भी पर नहीं मार पाएगा। झारखंड में एक-एक घुसपैठिए को चिह्नित करने के लिए कमेटी बनाई जाएगी। शाह ने भाजपा प्रत्याशी चंपाई सोरेन के पक्ष में जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि चंपाई सोरेन ने हेमंत सोरेन और गुरुजी शिबू सोरेन के साथ कई सालों तक वफादारी के साथ काम किया लेकिन जिस तरह इनको अपनामित कर निकाला गया, वह पूरे झारखंड का अपमान है। उन्होंने कहा कि

झारखंड में भाजपा की सरकार बनने पर एक-एक पाई खजाने में जमा होगी। सभी भ्रष्टाचारी जेल की सलाखों के पीछे जाएंगे। इन्होंने एक हजार करोड़ का मनरेगा घोटाला, 300 करोड़ का जमीन घोटाला, 1000 करोड़ का खनन घोटला और एक हजार करोड़ का शराब घोटाला किया है। पेपर लीक करने वालों को भी उल्टा लटकाकर सीधा करने का काम भाजपा करेगी। शाह ने कहा कि इंडिया एलायंस अपने कार्यकर्ताओं को करोड़पति बनाने का काम करते हैं लेकिन पीएम मोदी गरीब बहनों को लखपति दीदी बनाने का काम करते हैं। पीएम मोदी की गारंटी पत्थर की लकीर होती हैशाह ने कहा कि कांग्रेस ने महाराष्ट्र में मुसलमानों को आरक्षण देने का वादा किया है। यदि मुसलमानों को आरक्षण दिया तो आदिवासी, दलित, पिछड़ा वर्ग के आरक्षण में कटौती करनी पड़ेगी लेकिन भाजपा आदिवासी, दलित और पिछड़ों का आरक्षण छीनने नहीं देगी। इस दौरान उन्होंने लोगों से भाजपा प्रत्याशी चम्पाई सोरेन के पक्ष में मतदान कर भारी मतों से विजयी बनाने की अपील किया।

फोन टैपिंग मामले में पूछताछ के लिए नहीं पहुंचे बीआरएस नेता लिंगैया

एजेंसी

हैदराबाद। तेलंगाना के नकिरेकल क्षेत्र के पूर्व विधायक एवं बीआरएस के नेता चिरुमूर्ति लिंगैया फोन टैपिंग मामले में जुबली हिल्स पुलिस स्टेशन के एसीपी वेंकटगिरी के समक्ष पूछताछ के लिए उपस्थित नहीं हुए। उन्होंने अनुपस्थिति का कारण अपना खराब स्वास्थ्य बताया है। उन्होंने बताया कि वे अब 14 नवंबर को पूछताछ में उपस्थित रहेंगे।

फोन टैपिंग मामले में एक आरोपित के साथ संबंध होने के संदेह में चिरमूर्ति लिंगैया को जुबली हिल्स पुलिस स्टेशन ने नोटिस भेजकर पूछताछ के लिए तलब किया था। तेलंगाना में यह पहली बार है जब किसी नेता को फोन टैपिंग मामले में नोटिस दिया गया है। इसके बाद कुछ और नेताओं को भी नोटिस भेजे जाने की संभावना जतायी जा रही है। फोन टैपिंग मामले में एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी के कबूलनामे से पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव की कथित भूमिका उजागर हुई थी। अधिकारी ने पिछली भारत राष्ट्र

समिति की सरकार पर विपक्षी दलों के नेताओं के फोन पर बातचीत की निगरानी के लिए पुलिस मशीनरी का इस्तेमाल करने की स्वीकृति दी थी। इस मामले में पिछले महीने पूर्व पुलिस उपायुक्त पी. राधाकिशन राव को गिरफ्तार किया गया था।

हरिद्वार को मिला अंतरराष्ट्रीय स्तर का स्टेडियम, मुख्यमंत्री ने किया लोकार्पण

एजेंसी

हरिद्वार। क्रिकेट सहित अन्य खेलों के लिए हरिद्वार में बने अंतरराष्ट्रीय स्तर के स्टेडियम का मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने लोकार्पण किया। इस आधुनिक सुविधाओं वाले स्टेडियम में डे-नाइट मैचों का भी आयोजन हो सकेगा। इसके बनने से अब हरिद्वार में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच और अन्य खेलों की प्रतियोगिताएं आयोजित हो सकेंगी।

उत्तराखंड राज्य स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में हरिद्वार नगर निगम के संचालित भल्ला कॉलेज के मैदान पर निर्मित पन्नालाल भल्ला स्टेडियम का एक भव्य समारोह में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने लोकार्पण किया। स्टेडियम का निर्माण हरिद्वार रुड़की विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष अंशुल सिंह की पहल पर प्रधानमंत्री खेलो इंडिया योजना के तहत नौ करोड़ रुपये की लागत से किया गया है। स्टेडियम उद्घाटन के अवसर पर युवा क्रिकेट क्लब और हरिद्वार प्रेस क्लब के बीच एक मैच भी खेला गया। इससे पहले मुख्यमंत्री धामी और शहरी विकास मंत्री प्रेम चंद अग्रवाल ने बैटिंग कर इस स्टेडियम की शुरुआत की। मुख्यमंत्री ने पहली ही गेंद पर छक्का

जड़ा।युवाओं के समग्र विकास के लिए युवा नीति लाएगी धामी सरकार इस अवसर पर मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि सरकार ने राज्य स्थापना दिवस के रजत जयंती वर्ष में हरिद्वार को खेल के क्षेत्र में एक बड़ी सौगात दी है। इससे राज्य की प्रगति में एक नया अध्याय शुरू होगा। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार राज्य के युवाओं के सर्वांगीण विकास के लिए काम कर रही है। शीघ्र ही उत्तराखंड सरकार युवाओं के समग्र विकास के लिए एक युवा नीति लाने की तैयारी में है। ल ने कहा कि हरिद्वार में अंतरराष्ट्रीय स्तरीय स्टेडियम के निर्माण से खेल प्रतिभाओं को उभरने का मौका मिलेगा। इस स्टेडियम में राज्य सरकार की पहल पर राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय मैचों का आयोजन कराया जाएगा। कार्यक्रम में भाजपा जिलाध्यक्ष संदीप गोयल, जिला पंचायत अध्यक्ष किरण चौधरी, पूर्व मंत्री व विधायक मदन कौशिक, विधायक आदेश चौहान, विधायक प्रदीप बत्रा, पूर्व मंत्री स्वामी यतिशवरानंद, पूर्व विधायक संजय गुप्ता व सुरेश राठौर सहित जिले व प्राधिकारण के अधिकारी आदि उपस्थित थे।

असम के कछार में बोलेरो-ऑटोरिक्शा की टक्कर में 5 लोगों की मौत

एजेंसी

कछार (असम। असम के कछार जिले के सिलचर-कलाइन मार्ग पर रानीघाट इलाके में सोमवार सुबह एक बोलेरो पिकअप और ऑटोरिक्शा के बीच हुई आमने-सामने की टक्कर में दो महिलाओं सहित पांच लोगों की मौत हो गई।

पुलिस के अनुसार, पांच मृतकों में से चार एक ही परिवार के सदस्य थे और वे कछार के कलाइन इलाके से सिलचर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल (एसएमसीएच) जा रहे थे। पुलिस ने बताया कि पचास वर्षीय जाकिर उद्दीन अपनी पत्नी रेजिया बेगम (46), बेटे दिलवर हुसैन (28) और बेटी रेहाना बेगम (23) के साथ किसी मेडिकल इमरजेंसी के लिए एसएमसीएच जा रहे थे और उसी इलाके का ताहिर उद्दीन आटोरिक्शा चला रहा था। पुलिस ने बताया, जाकिर उद्दीन किसी बीमारी से पीड़ित थे और परिवार के सदस्य उन्हें इलाज के लिए एसएमसीएच ले जा रहे थे, तभी यह घटना घटी।पुलिस ने बताया कि जाकिर और उसके परिवार के सदस्यों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि ताहिर उद्दीन की अस्पताल ले

जाते समय मौत हो गई। पुलिस अधिकारियों ने बताया, हादसा जानलेवा था, हालांकि बोलेरो में सवार किसी भी यात्री को चोट नहीं आई। बताया गया कि ताहिर उद्दीन का अगले महीने विवाह होने वाला था।

मौके पर मौजूद लोगों ने बताया कि जब टक्कर हुई तो दोनों गाड़ियां तेज गति से चल रही थीं। स्थानीय लोगों ने बताया, सड़क पर पेड़ बहुत ज्यादा हैं और यही घटना की वजह है।

इस घटना के विरोध में स्थानीय लोगों ने कई घंटों तक सड़क जाम किए रखा और तत्काल कार्रवाई की मांग की। सूचना मिलते ही मौके पर पुलिस अधीक्षक नोमल महता पहुंचकर नाराज लोगों को समझाकर शांत कराया। पुलिस ने बताया कि उन्होंने शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए एसएमसीएच भेज दिया है और आगे की जांच जारी है। पुलिस अधिकारियों ने कहा, अनिवार्य प्रक्रिया पूरी करने के बाद हम शव परिवार के सदस्यों को सौंप देंगे।

बौद्ध धर्म के शांति व सहिष्णुता के संदेश को वैश्विक मंच पर लाया भारत : ओटानी

एजेंसी

देहरादून। विश्व थेरवाद बौद्ध केंद्र देहरादून के अध्यक्ष और अंतरराष्ट्रीय शांति सम्मेलन में भारत सरकार के सलाहकार डॉ. एमके ओटानी ने कहा कि भारत में उत्पन्न तथागत बुद्ध की शिक्षाएं सांस्कृतिक सीमाओं से परे हैं और आज भी विश्वभर के राष्ट्रों के बीच सद्भावना व शांति स्थापित करने के लिए मार्ग प्रशस्त करती हैं। डॉ. एमके ओटानी पेरिस में स्थित यूनेस्को में विश्व बौद्ध संघ और यूनेस्को पीस चेयर्स के सहयोग से आयोजित अंतरराष्ट्रीय शांति सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। इस सम्मेलन में विश्व के आध्यात्मिक नेताओं, विद्वानों और शांति समर्थकों ने भाग लिया। अंतरराष्ट्रीय शांति सम्मेलन ने वैश्विक शांति को बनाए रखने में बौद्ध शिक्षाओं की प्रासंगिकता को रेखांकित किया, जो करुणा, समझ और एकता के सिद्धांतों पर आधारित है। डॉ. एमके ओटानी ने प्रधानमंत्री

नरेन्द्र मोदी की पहल पर हाल ही में पाली भाषा को भारत में शास्त्रीय भाषा का दर्जा दिए जाने पर जोर दिया। बौद्ध धर्म की सार्वभौमिक शिक्षाओं का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि यह निर्णय केवल भाषा संरक्षण का कार्य नहीं है बल्कि यह भारत की सांस्कृतिक धरोहर और बौद्ध परंपरा के प्रति सम्मान का प्रतीक है। पाली भाषा, जो बौद्ध धर्मग्रंथों और शिक्षाओं का मूल आधार है, को शास्त्रीय दर्जा देकर भारत ने बौद्ध धर्म के ऐतिहासिक महत्व को सम्मानित किया है और उन देशों के बीच साझा समझ व आदान-प्रदान को बढ़ावा दिया है जिन पर बौद्ध परंपरा का प्रभाव है। इस पहल से बुद्ध की शिक्षाओं को उनकी मूल भाषा में समझने का अवसर मिलेगा, जो आने वाली पीढ़ियों को करुणा और अहिंसा के बौद्ध सिद्धांतों को आत्मसात करने के लिए प्रेरित करेगा। डॉ. ओटानी ने प्रधानमंत्री मोदी की दूरदर्शी सोच और समर्पण की सराहना करते हुए कहा कि मोदी के नेतृत्व में भारत ने बौद्ध धर्म के इस शांति और सहिष्णुता के संदेश को वैश्विक मंच पर प्रस्तुत किया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री का यह प्रयास न केवल भारत के सांस्कृतिक गौरव को बढ़ावा देता है बल्कि विभिन्न देशों के बीच सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक सेतु भी निर्मित करता है।

उज्जैन में धूमधाम से निकली भगवान महाकाल की सवारी, दो स्वरूप में दिए भक्तों को दर्शन

एजेंसी

उज्जैन। उज्जैन स्थित विश्व प्रसिद्ध ज्योतिर्लिंग भगवान महाकाल की कार्तिक-अगहन मास में निकलने वाली सवारियों के क्रम में सोमवार शाम को बाबा महाकाल की कार्तिक मास की दूसरी सवारी धूमधाम से निकाली गई। इस दौरान अवंतिकानाथ ने चांदी की पालकी में सवार होकर नगर का भ्रमण किया और अपनी प्रजा का हाल जाना। सवारी के दौरान भगवान महाकाल ने दो स्वरूपों में भक्तों को दर्शन दिए।महाकालेश्वर मंदिर के पुजारी पंडित महेश शर्मा ने बताया कि श्रावण-भाद्रपद माह की तरह महाकाल की ??कार्तिक-अगहन माह में भी सवारियां निकालने की परंपरा है। भगवान महाकाल की कार्तिक मास की दूसरी सवारी निकाली गई। सवारी निकलने के पूर्व शाम करीब चार बजे महाकालेश्वर मंदिर के सभामण्डप में भगवान चंद्रमौलेश्वर का विधिवत पूजन अर्चन किया गया। पूजन शासकीय पुजारी घनश्याम शर्मा द्वारा किया गया। पूजन-अर्चन के दौरान मंदिर प्रबंध समिति के अध्यक्ष नीरज कुमार सिंह, पुलिस अधीक्षक प्रदीप शर्मा, प्रशासक गणेश कुमार धाकड़ आदि उपस्थित रहे। विधिवत पूजन-अर्चन के बाद सभामडप से भगवान महाकाल की सवारी राजसी ठाट-बाट के साथ रवाना हुई। सवारी जैसे ही मंदिर के मुख्य द्वार पर पहुंची, पालकी में विराजित भगवान को पुलिस के जवानों द्वारा सलामी दी गई। तत्पश्चात भगवान महाकालेश्वर अपनी प्रजा का हाल जानने भ्रमण पर निकले। इस दौरान भगवान महाकाल के मनमहेश और चंद्रमौलेश्वर स्वरूप में भक्तों को दर्शन दिए।

झारखंड में रची जा रही पहचान खत्म करने की साजिशः योगी आदित्यनाथ

एजेंसी

पलामू। झारखंड विधानसभा चुनाव के पहले चरण के प्रचार के आखिरी दिन उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पलामू जिले के हुसैनाबाद, पांकी और डालटनगंज विधानसभा सीटों से भाजपा उम्मीदवारों के पक्ष में जनसभाओं को संबोधित किया। योगी ने सबसे पहले हुसैनाबाद के हैदरनगर में बीजेपी उम्मीदवार और निवर्तमान विधायक कमलेश कुमार सिंह के पक्ष में चुनावी सभा को संबोधित किया। इसके बाद योगी आदित्यनाथ ने पांकी विधानसभा क्षेत्र में भाजपा प्रत्याशी शशिभूषण मेहता के पक्ष में चुनावी जनसभा में भाग लिया। अंत में योगी ने जिला मुख्यालय मेदिनीनगर के हाउसिंग कॉलोनी में डालटनगंज विधानसभा सीट से बीजेपी उम्मीदवार आलोक

चौरसिया के समर्थन में चुनावी जनसभा को संबोधित किया। योगी ने जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा कि झारखंड में पहचान खतरे में पड़ गयी है। इसके लिए साजिश रची जा रही है। उन्होंने कहा कि बांग्लादेशी घुसपैठिए लगातार झारखंड में घुस रहे हैं। ऐसे लोगों को झारखंड की झामुमो, कांग्रेस और राजद गठबंधन की सरकार संरक्षण दे रही है। अपना वोट बैंक बना रही है। पूरे प्रदेश में रोटी, माटी और बेटी पर संकट आ गया है। बांग्लादेशी घुसपैठिए यहां की बेटियों के साथ शादी करके झारखंड की माटी और रोटी हड़पने में लगे हुए हैं। उन्होंने कहा कि इस संकट से सिर्फ भाजपा निकाल सकती है। लोग भाजपा उम्मीदवार के पक्ष में मतदान करें। झारखंड में मजबूत सरकार बनायें। मैं वादा करता हूं कि झारखंड में एनडीए गठबंधन की सरकार बनते ही बांग्लादेशी घुसपैठियों को बाहर का रास्ता दिखाया जाएगा। इस दौरान हुसैनाबाद, पांकी एवं डालटनगंज में भाजपा उम्मीदवार क्रमशः कमलेश सिंह, शशिभूषण मेहता एवं आलोक चौरसिया समेत पार्टी के कई वरिष्ठ नेता एवं हजारों की संख्या में कार्यकर्ता एवं आम लोग मौजूद थे।

ढाई करोड़ रुपये से अधिक की ठगी के चार आरोपित गिरफ्तार

एजेंसी

रायपुर। शेयर ट्रेडिंग के नाम पर तीन लोगों से ढाई करोड़ रुपये से अधिक की ठगी करने वाले चार शातिर ठगों को रायपुर रेंज साइबर पुलिस ने पश्चिम बंगाल, दिल्ली, आंध्र प्रदेश और मध्य प्रदेश से गिरफ्तार किया है। रायपुर रेंज पुलिस महानिरीक्षक अमरेश मिश्रा के अनुसार साइबर थाना रेंज रायपुर ने पश्चिम बंगाल, दिल्ली, आंध्र प्रदेश और मध्य प्रदेश से 4 अंतरराज्यीय ठगों को गिरफ्तार किया है। इन सभी आरोपितों को पुलिस ने रायपुर कोर्ट में पेश किया था, जहां से आज सभी को जेल भेज दिया गया। बीते दिनों राजधानी में 3 अलग-अलग मामलों में साइबर ठगों ने शेयर ट्रेडिंग के नाम पर लोगों को करोड़ों की ठगी की थी। रेंज साइबर थाने में रश्मि नामक

पीड़िता ने शिकायत दर्ज कराई थी कि उसे शेयर ट्रेडिंग में मुनाफा कमाने का झांसा देकर 88 लाख रुपये की ठगी की गई थी। महिला की शिकायत के बाद रेंज साइबर थाना में अज्ञात आरोपितों के खिलाफ मामला दर्ज कर पुलिस मामले की जांच में जुट गई। इस मामले में पुलिस ने उत्तर प्रदेश, बिहार, चेन्नई, कोलकाता से 5 आरोपितों को गिरफ्तार किया था, जबकि दो आरोपित सुमन सिल (उम्र 28 साल) और देवराज कुशवाहा (उम्र 40 साल) फरार चल रहे थे, जिन्हें रायपुर पुलिस ने क्रमशः 24 परगना, पश्चिम बंगाल और भोपाल, मध्य प्रदेश से गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इस मामले में आरोपितों के विभिन्न बैंक खातों में मौजूद ठगी के 84 लाख रुपये होल्ड करवाए हैं। इसी तरह राजधानी के ही एक युवक ने शेयर ट्रेडिंग में मुनाफा कमाने के नाम पर 99 लाख रुपये की ठगी होने की रिपोर्ट कुछ दिन पहले थाना तेलीबांधा में दर्ज कराई थी। इस मामले में तेलीबांधा पुलिस ने अज्ञात आरोपितों के खिलाफ अपराध दर्ज कर मामले की जांच रेंज साइबर थाना रायपुर को सौंपी थी। साइबर टीम ने दिल्ली में छिपकर बैठे एक आरोपित दीपक (उम्र 29 साल) को जेजे कॉलोनी, द्वारका सेक्टर 3 में दबिश देकर गिरफ्तार किया है।

हरिद्वार में मुख्यमंत्री ने भव्य दीपोत्सव में किया प्रतिभाग, हर की पैड़ी पर जले 3 लाख 51 हजार दीप

एजेंसी

हरिद्वार। उत्तराखंड राज्य स्थापना की रजत जयंती के अवसर पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने हर की पैड़ी में आयोजित गंगा दीप महोत्सव में प्रतिभाग किया। मुख्यमंत्री ने मां गंगा की पूजा एवं आरती कर प्रदेश की सुख समृद्धि एवं प्रगति की कामना की। इस अवसर पर हर की पैड़ी में राज्य की परंपरा आध्यात्मिकता, संस्कृति, श्री बद्रीनाथ धाम, श्री केदारनाथ धाम, कुंभ कलश, भगवान शिव व मां गंगा पर भव्य ड्रोन शो का आयोजन किया गया। मुख्यमंत्री ने अल्मोड़ा बस हादसे में हताहत हुए लोगों की याद एंव राज्य स्थापना दिवस की वर्षगांठ में दीप प्रज्वलित किया। मुख्यमंत्री की उपस्थिति में हरिद्वार के 50 घाटों में लाखों की संख्या में दीप प्रज्वलित किए गए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज का दिवस मां गंगा को प्रणाम कर संकल्प लेने का दिवस है। राज्य अपनी स्थापना का रजत जयंती वर्ष मना रहा है। प्रधानमंत्री मोदी ने 21वीं सदी का तीसरा दशक उत्तराखंड का दशक बताया था। उस दशक को बनाने के लिए हर उत्तराखंडी आगे बढ़कर इसमें अपना योगदान देगा। उन्होंने राज्य आंदोलनकारियों को नमन करते हुए कहा कि राज्य स्थापना एवं रजत जयंती के अवसर पर मां गंगा के घाटों में 3 लाख 51 हजार दीप प्रज्वलित किए गए। हर दीप अंधकार को दूर कर तरक्की का उजाला जगाएगा। बीते 24 सालों में जनता के अटूट प्रेम और आशीर्वाद से राज्य आगे बढ़ा है। उत्तराखंड राज्य स्वास्थ्य पर्यटन शिक्षा एवं हर क्षेत्र में निरंतर आगे बढ़ रहा है। आज उत्तराखंड ने कई क्षेत्रों में देश के सर्वोच्च राज्यों में स्थान बनाया है। उन्होंने कहा मां गंगा के तट से मैं प्रधानमंत्री जी को उनके सपनों के अनुरूप विकास को आगे बढ़ाने का विश्वास दिलाता हूं। उन्होंने कहा कि नीति आयोग द्वारा जारी सतत विकास लक्ष्यों की सूची में उत्तराखंड प्रथम आया है। युवाओं को रोज़गार देने में भी राज्य आगे बढ़ा है। उन्होंने कहा राज्य सरकार ने यूसीसी विधेयक पारित करके नया इतिहास बनाया है।

कोंडागांव की आदिवासी युवती का डेढ़ वर्ष तक मुंबई में आरोपित फिरोज बंधक बनाकर करता रहा शारीरिक शोषण, प्राइवेट पार्ट में केमिकल डाला

एजेंसी

कोंडागांव/जगदलपुर। छत्तीसगढ़ के माकड़ी थाना क्षेत्र की निवासी एक आदिवासी युवती को अपहरण कर एक युवक आरोपित फिरोज मुंबई ले जाकर डेढ़ वर्ष तक उसे एक कमरे में बंधक बनाकर उसके साथ बार-बार जबरदस्ती शारीरिक संबंध बनाया। युवती के बयान के अनुसार शारीरिक संबंध बनाने का विरोध करने पर उसके प्राइवेट पार्ट में केमिकल डाल दिया गया। मुंबई के एक शख्स की मदद से किसी तरह युवती आरोपित के चंगुल से छूटकर मुंबई से ट्रेन के जरिए रायपुर पहुंची। फिर कोंडागांव आयी। फिलहाल युवती का जिला अस्पताल में इलाज चल रहा है। मामला दर्ज कर कोंडागांव पुलिस आरोपित फिरोज की तलाश में मुंबई रवाना की गई है। पुलिस के अनुसार मामला डेढ़ साल पुराना है, 2022-23 में 22 साल की एक आदिवासी युवती को आरोपित फिरोज कोंडागांव से अपहरण कर उसे अपने साथ मुंबई ले गया। इसी दौरान उसका मोबाइल भी छीन लिया। पुलिस रिपोर्ट के मुताबिक फिरोज नामक शख्स उसे किडनैप कर मुंबई ले गया और रेप करता रहा। फिरोज ने युवती के मोबाइल से उसके परिजनों को मैसेज कर दिया कि वह सही सलामत है। उसे एक लड़के से प्यार हो गया है। वह घर बसाने चली गई है, घर वाले उसकी चिंता ना करें। इसके बाद फोन दोबारा वापस नहीं किया। युवती ने बताया कि फिरोज मुंबई की किसी फैक्टरी में काम करता था। वहां धारावी की बस्ती में एक छोटा सा एक कमरे का मकान था जिसमें खिड़की तक नहीं थी। सुबह जब जाता था, तो हाथ-पांव में कपड़ा बांधकर जाता था। युवती ने बताया कि एक दिन फिरोज़ जब काम पर चला गया तो वह मोबाइल ले जाना भूल गया। युवती ने मौका पाकर किसी तरह मोबाइल से एक नंबर निकाला, वह नंबर कपड़ा फैक्टरी के मालिक का था। इसी फैक्टरी में फिरोज काम करता था। युवती ने मालिक को कॉल कर पूरी आप-बीती बताई। युवती ने बताया कि फैक्टरी मालिक कमरे पर आकर उसने युवती के हाथ खोले और यहां से जल्दी निकल जाने की बात कही। डरी सहमी युवती मुंबई के सीएसटी रेलवे स्टेशन तक पहुंची, वहां से ट्रेन पकड़ी। इस दौरान युवती ट्रेन में डरी सहमी सी बैठी रही। इसी बीच कुछ पुलिसकर्मी युवती के पास पहुंचे और टिकट दिखाने को कहा। युवती ने पुलिस को अपनी सारी कहानी बताई जिसके बाद पुलिसवालों ने उसे ट्रेन में सफर करने दिया।

भीनी-भीनी सर्दी की सुगबुगाहट धीरे-धीरे चारों ओर फैल रही है। ऐसे में आपको चाहिए चाय की चुस्की और शॉल की गर्माहट। ऐसे मस्त माहौल में अगर आप लेना चाहते हैं शॉल की शॉपिंग का मजा तो चलिए करते हैं शॉपिंग।

सर्दियों में शॉल की शॉपिंग

पश्मीना शॉल

दिल्ली की सर्दी का मजा अगर आप एक शाही अंदाज में लेना चाहते है तो ट्राई करें पश्मीना शॉल, जिसमें आपको मिल जाएंगे फ्रेश और एक्सक्लुसिव डिजाइन। इन शॉलों पर की गई महीन कढ़ाई आपको बेहद पसंद आएगी, क्योंकि इसमें छिपी होती है कारीगर परिवार की एक से डेढ़ साल की मेहनत। इसी मेहनत के कारण इन रॉयल शालों की कीमतें 65 हजार रुपए से 1 लाख रुपए तक पहुंच जाती हैं।

जामावर शॉल

ये शॉल कुछ अलग होता है, क्योंकि ये एक ट्रेडिशनल शॉल है। ऐसे लोग जो क्वालिटी और डिजाइन के शौकीन होते हैं, उनके लिए ये शॉल बेहतरीन है। इन शॉल्स की खासियत है इनके रंग और इनका नाममात्र वजन। अपने अलग-अलग तरह के डिजाइन और पैटर्न की वजह से ये शॉल ज्यादातर लोगों की पहली पसंद होते हैं। हार्ट शेप, स्टार पत्तियों और फूलों से सजे इन शॉलों के जरिए आप अपने वॉर्डरोब में चार चांद लगा सकते हैं।

पार्टीवियर शॉल

अगर आप पार्टीवियर शॉल्स की तलाश में हैं तो आपकी जरूरत के अनुसार चटकीले रंगों और कढ़ाईदार शॉल की विशेष रेंज बाजार में उपलब्ध है। इन पार्टीवियर शॉल्स में आपको डिजाइनर शॉल भी मिल जाएंगे। प्लेन रंगों से लेकर चैक, कढ़ाई, शेड्स और स्टाईकिंग प्रिंटस में ये शॉल बेहद आकर्षक हैं। इन पर किए जाने वाला स्टोन वर्क इन्हें देता है खूबसूरत लुक। ये आपको 300 रुपए से 5,000 रुपए तक में मिल जाएंगे।

उत्तराखंडी शॉल

कुछ हट कर पहनना चाहते हैं तो ट्राई करें उत्तराखंड के शॉल। दिल्ली हाट के उत्तराखंडी आउटलेट में बॉर्डर, चैक्स और स्ट्राइप्स से तैयार ये शॉल उम्दा हैं। इसी तरह कुछ शॉल पर किया गया क्रिस्टल वर्क भी बेहद आकर्षक है। लगभग हर रंगों के कॉम्बिनेशन से बने इन शॉल्स को आप खरीद सकते हैं 350 रुपए से 800 रुपए तक में।

ब्राइडल शॉल

नई नवेली दुल्हन हैं और इन सर्दियों को ब्राइडल अंदाज में एंजॉय करना चाहती हैं तो बाजार में आपके लिए खास हैं पश्मीना, सिल्क, कश्मीरी, वेल्वेट, कॉटन और साटन के फैब्रिक से तैयार सुंदर शॉल। इन पर किए डिजाइन ट्रेडिशनल भी हैं और कंटेम्परेरी भी। इन शॉलों में फैब्रिक, कढ़ाई और रंगों का अनूठा मिश्रण देखा जा सकता है। ये शॉल ज्यादातर बोल्ड कलर्स में उपलब्ध हैं।

शूज़ बोले तो मिक्स एण्ड मैच

गुलाबी सर्दियों ने दस्तक दी तो गर्म कपड़ों से वार्डरोब तो सज गई। बात पैरों की आई तो बाजार में एक से बढ़कर एक स्टालिश शूज की रेंज ने खरीदारी करने के लिए बाजारों की ओर खींच लिया है। इन दिनों बाजार में फूटवियर का विंटर कलेक्शन छाया हुआ है। सर्दी से बचने की बात हो या पैरों को आराम देने का सवाल तो कम्पनी ने दोनों ही लिहाज से फुटवियर्स की रेंज को तैयार किया है।

महिलाओं के लिए इस बार सर्दियों में डिजाइनर फुटवियर्स का शानदार कलेक्शन बाजार में उतरा है। आकर्षक बेली आपके पैर की सुंदरता को तो बढ़ाएँगी ही साथ ही सर्दी में गर्मी का अहसास भी देगी। पुराने दौर भले ही इस सीजन में दोबारा आया है लेकिन अपने साथ बहुत कुछ नया भी लाया है। इनका कलर कॉबिनेशन इतना जानदार है कि देखने वाला खरीदे बिना नहीं रुक पाता। पार्टी वियर ड्रेस के साथ मैच करने के लिए वैलीज के कई कलर्स मौजूद हैं।

अगर वेस्टर्न आउटफिट है तो उसके लिए बूट और शूज का नया कलेक्शन बाजार में आ गया है। बूट में इस बार चौड़ी हील की जगह पेंसिल और स्टाइलिश हील ने ली है। इन फुटवियर्स की रेंज 595 से लेकर 1495 रूपये तक है। बाजार में इतनी वैराइटी देखकर पसंद करने में परेशानी हो जाती है। अगर शूज के कलर को लेकर कशमकश में हैं तो इसके लिए मिक्स एण्ड मैच का फंडा अपना सकती है।

इसके लिए आप अपनी वार्डरोब से मिक्स-मैच करते शूज का चुनाव कर सकती है। ब्लैक और ब्राउन के अलावा रेड व्हाइट जैसे रंगों के जूते भी जरूर चुनें। कभी-कभी कोई नया प्रयोग करना भी अच्छा रहता है। इसके लिए बची, इंडिगो, बेबी पिंक, गोल्डन कलर के सैंडिल और शू भी खरीद सकती हैं।

बच्चों के सामने ना झगड़े

आज के समय में पति-पत्नी दोनों पढ़े-लिखे और समझदार होते है। ऐसे में उनके बीच कुछ मुद्दों पर वाद-विवाद या मतभेद होना आम बात है। ऐसे में कई बार उनके बीच तनाव से आ जाता है। आपसी बहस व तनाव से बच्चों को दूर रखें। बच्चों को आपसी गाली-गलौज से दूर रखते हुए समझदार वयस्क व्यक्ति की भांति अपने मनमुटाव निपटाएं। यदि किसी कारणवश पति-पत्नी को अलग होना पड़ता है। तो बच्चों को समझाएं कि अलग-अलग रहने पर भी मम्मी-पापा दोनों उन्हें बहुत प्यार करते है। लेकिन मजबूरीवश वे सब एक साथ नहीं रह सकते।

नवबंर का महीना मीठी-मीठी सर्दी लेकर आता है। पूरी प्रकृति में नई ऊर्जा का प्रवाह होने लगता है। नए फूल और फलों का मौसम आ जाता है व समय में भी काफी अन्तर आ जाता है। दिन छोटे व रातें लम्बी होने लगती है। इस महीने में क्या नया करें, हम आपके लिए लाए हैं, कुछ नई बहारें, जिससे हम और आप अपने मौसम के मिजाज का स्वागत बड़ी ही खूबसूरती के साथ कर सकें।

नवबंर

घर का डेकॉर

इस महीने आप अपने घर का डेकॉर चेंज कर सकते हैं। घर के फर्नीचर की पूरी सैटिंग चैंज करें, घर में अच्छी पेन्टिंग लगाएं, साथ ही बैडरूम में नई बैडशीट भी बिछाएं। चाहें तो अपनी राशि के अनुसार नया कलर करवांए, जो आपके भविष्य के लिए हितकारी होगा।

ऊनी कपड़ों में धूप लगाएं

सर्दियों का आरंभ हो जाता है, पूरे परिवार के ऊनी व गर्म कपड़ों को धूप लगाएं, जिससे उनमें से दुर्गन्ध आदि निकल जाए और उनका कीड़ों से बचाव हो सके, जिसके तहत आप उनका उचित उपयोग कर सकें।

मेहमानों का कमरा तैयार करें

इस महीने आप अपने गेस्ट रूम को तैयार रखें। पूरे कमरे का फर्नीचर व बैड आदि को ठीक से तैयार रखें, ताकि सर्दियों की छुट्टियां बिताने, आपके रिश्तेदार यदि आ भी जाए तो उनके लिए तुरंत कमरा संभालने की ज़रूरत ना पड़े।

फ्लॉवर ऑफ द मंथ

इस मंथ का फूल Chrysanthemum होता है। पूरे घर को इन्हीं फूलों से सजाएं व अपने घर में ताज़गी और नई ऊर्जा का संचार करें।

गर्म कपड़े बुनें

सर्दियों के लिए अपने प्रिय के लिए कुछ बुनाई करें। अगर आपको बुनाई का शौक है तो आप घर में ही कैप, मौजे, हैंड गिल्व्स आदि बुन सकती हैं।

गिफ्ट खरीदें

क्रिसमस के उपलक्ष्य में अपने दोस्तों के लिए इसी मंथ गिफ्ट खरीद कर रखें। क्रिसमस के समय यही गिफ्ट आपको अधिक दामों में मिलते हैं, इसलिए नवंबर मंथ में गिफ्ट खरीदना ज्यादा बेहतर होगा।

क्रिसमस की सेविंग

क्रिसमस की छुट्टियों को ज्यादा यादगार बनाने के लिए इस मंथ कुछ नये प्लान करें, ताकि आप अपनी छुट्टियों को ओर ज्यादा एन्जॉय कर सकें। घर में क्रिसमस ट्री खरीदकर, अपने गार्डन में सजाएं, जो आपके परिवार, बिज़नेस में ग्रोथ लाएगा।

किचन टिप्स

- हाथों से धनिए, लहसुन या फिर गंधित सब्जियों की बदबू हटाने के लिए हाथों पर टूथपेस्ट रगड़ें और फिर हाथ धो लें।
- हल्दी ज्यादा हो जाने पर उबलती सब्जी के ऊपर पतला सूती सफेद कपड़ा फैला कर रखें। इसके बाद तुरंत हल्दी उसमें आ जाएंगी।
- गुलाबजामुन बनाने के लिए मावे को कदंदूकस करके एक सार कर लें। इसके बाद हाथ से या भारी कटोरी से मावे को अच्छी तरह मलें। मावे को जितना मलेंगी, गुलाबजामुन उतने ही अच्छे बनेंगे।
- खीर बनाते वक्त ब्रेड के किनारे को काट कर ब्रेड का एक स्लाइस दूध में डाल दें। खीर मलाईदार एवं स्वादिष्ट बनेंगी।
- हरी पत्तेदार सब्जियों को ताजा बनाये रखने के लिए उन्हें सिल्वर फॉयल में लपेट कर फ्रिज में रखें।
- गेहूं के आटे में थोड़ा-सा चावल का आटा मिला कर गूंथें। रोटी-परांठे अच्छे बनेंगे।
- मटर की सब्जी बनाते समय थोड़ी सी चीनी डाल दें। इससे हरा रंग बरकरार रहेंगा।

संगीता कुमारी के शानदार खेल से भारत ने मलेशिया को 4-0 से हराया

एजेंसी

राजगिर। भारतीय महिला हॉकी टीम ने मलेशिया को महिला एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी 2024 हॉकी के पहले मैच में 4-0 से हराकर अपने अभियान का शानदार आगाज किया। आज यहां खेले गये मुकाबले में भारत के लिए संगीता कुमारी (8वें और 55वें मिनट में) ने दो जबकि प्रीति दुबे (43वें मिनट में) और उदिता (44वें मिनट में) ने एक-एक गोल किया। खेल की शुरुआत में ही मलेशिया की टीम ने पेनल्टी कॉर्नर हासिल किया लेकिन भारतीय रक्षापंक्ति ने शानदार खेल मुजाहिरा करते हुए उसे विफल कर दिया। इसके तुरंत बाद ही भारत ने भी अपना पहला पेनल्टी कॉर्नर हासिल किया और लगातार दो पेनल्टी कॉर्नर में से एक को गोल में तब्दील कर बढ़त बनाई। भारतीय महिला हॉकी टीम के लिए मैच का पहला गोल संगीता कुमारी ने खेल के आठवें मिनट में किया। पहले क्वार्टर में भारत ने 1-0 की बढ़त हासिल की। वहीं दूसरा क्वार्टर गोलरहित रहा। विश्व रैंकिंग में 9वें स्थान पर काबिज भारतीय महिला हॉकी टीम ने मैच के तीसके क्वार्टर में कोई कसर नहीं छोड़ी। भारत की ओर से दो लगातार गोल ने मलेशिया की टीम को बैकफुट पर धकेल दिया। प्रीती दूबे ने 43वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर को गोल में तब्दील करते हुए भारत बढ़त को दोगुना किया। उसके बाद उदिता ने 44वें मिनट में गोल कर भारत की स्थिति को मजबूत कर दिया।

242 किलोमीटर लंबी आरएमएस चौल अल्ट्रा मैराथन संपन्न

शिमला। राष्ट्रीय सैन्य स्कूल (आरएमएस) के शताब्दी समारोह के उपलक्ष्य में 242 किलोमीटर लंबी अल्ट्रा मैराथन का समापन चौल में 7000 फीट की ऊंचाई पर स्थित दुनिया के सबसे ऊंचे क्रिकेट मैदान पर हुआ। अल्ट्रा मैराथन पिछले पंजाब के जालंधर से शुरू हुई थी - वह स्थान जहां इसे पहली बार 1925 में स्थापित किया गया था और हिमाचल प्रदेश के सोलन जिले के चौल में अपने वर्तमान स्थान तक पहुंची। जालंधर से यह बालाचौर, पिंजौर होते हुए सोलन पहुंची, जहां से इसे चौल के लिए रवाना किया गया। इस अवसर पर लेफ्टिनेंट जनरल एचएन हांडा, (सेवानिवृत्त) मुख्य अतिथि थे। चौल में धावकों का स्वागत करने वाले राष्ट्रीय सैन्य स्कूल, चौल के प्रिंसिपल श्री विमल कुमार गंगवाल जैन ने अल्ट्रा रन के सफल समापन के लिए अपनी शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि यह इस आयोजन से जुड़े सभी पूर्व छात्रों के लिए गर्व की बात है कि राजन सिंह रघुवंशी (1998 पासआउट) की कप्तानी में अल्ट्रा-मैराथन पूरी हो गई है और आज दुनिया के सबसे ऊंचे क्रिकेट ग्राउंड पर औपचारिक रूप से इसका शुभारंभ हुआ। इस कार्यक्रम का आयोजन स्कूल के पूर्व छात्रों ने जॉर्जियन एसोसिएशन (नार्थ) और जॉर्जियन एसोसिएशन (इंडिया) के सहयोग से किया था।

खेल विभाग ने मिनर्वा फुटबॉल अकादमी के साथ किया समझौता

चंडीगढ़। पंजाब के खेल विभाग ने घोषणा की है कि मिनर्वा फुटबॉल अकादमी के दिल्ली एफसी के साथ हुए एक आपसी समझौते (एमओयू) के तहत क्लब को माहिलपुर (जिला होशियारपुर) के नए बनाए गए खेल स्टेडियम में आगामी आई लीग सीज़न के मैच खेलने की अनुमति दी गई है।यह समझौता आई लीग के मैचों का आयोजन कराने के साथ ही न केवल पंजाब के खेल ढांचे को मजबूत करेगा, बल्कि फुटबॉल में करियर बनाने के इच्छुक युवा खिलाड़ियों को भी सहारा प्रदान करेगा। यह आई लीग सीज़न 19 दिसंबर 2024 से शुरू होकर अप्रैल 2025 के अंत तक कुल 12 मैचों के साथ संपन्न होगा। माहिलपुर, जो फुटबॉल की नर्सरी के रूप में जाना जाता है, में इन सभी मैचों में हजारों प्रशंसकों के शामिल होने की उम्मीद है, जिनमें से कुछ देश के विभिन्न राज्यों से आएंगे। इस सीज़न में भारत के विभिन्न राज्यों से 12 टीमें भाग लेंगी, जिसमें दिग्गज क्लब जैसे डेम्पो स्पोर्टिंग क्लब और चर्चिल ब्रदर्स जैसे रिवायती क्लब भी शामिल हैं। इस सीज़न के आई लीग मैच यूरो स्पोर्ट्स इंडिया और लाइवटीवी पर प्रसारित किए जाएंगे, जबकि फैन कोड प्लेटफॉर्म पर ऑनलाइन स्ट्रीमिंग भी उपलब्ध होगी। इससे माहिलपुर राष्ट्रीय स्तर पर फुटबॉल के प्रमुख मंच पर उभरेगा।

खो-खो के विकास के लिए केकेएफआई ने शुरु किया राष्ट्रव्यापी अभियान

नयी दिल्ली। खो-खो फेडरेशन ऑफ इंडिया (केकेएफआई) ने 13 से 16 जनवरी 2025 में आईजीआई स्टेडियम में होने वाले खो-खो विश्वकप को ध्यान में रखते हुए इस स्वदेशी खेल के विकास के लिए देश भर में 50 लाख स्कूली छात्रों को पंजीकृत करने अभियान शुरू किया है। ऑफ डिजिटल एंटरप्रेन्योर्स (एसओडीई) के सहयोग से चलाये जा रहे इस डिजिटल पंजीकरण अभियान ने पहले ही उल्लेखनीय प्रगति की है। यह देशभर के सात हजार 132 शहरों और एक हजार 160 स्कूलों तक पहुँच चुका है। दक्षिणी राज्य तेलंगाना से लेकर उत्तर प्रदेश तक, अब तक कक्षा छह से 11 तक के छात्रों ने इस अनोखे अभिनव जमीनी स्तर के प्रोग्राम में सक्रिय रूप से पंजीकरण कराया है। केकेएफआई के महासचिव एम.एस. त्यागी ने कहा, ÷हमारा सपना जनवरी में होने वाले विश्वकप से पहले 50 लाख से अधिक छात्रों को जोड़ना है। अगर हम ऐसा करने में सफल होते हैं, तो हम 50 लाख परिवारों को खो-खो की दुनिया से जोड़ देंगे।

बिली जीन किंग कप फाइनल की शुरुआत स्पेन में, बाढ़ पीड़ितों पर दिया जाएगा विशेष ध्यान

एजेंसी

मैड्रिड। बिली जीन टेनिस किंग कप फाइनल इस सप्ताह मालागा में शुरू होगा, जो डेविस कप के साथ साझेदारी में होगा तथा इसमें हाल ही में पूर्वी स्पेन में आई विनाशकारी बाढ़ के पीड़ितों पर भी विशेष ध्यान दिया जाएगा। यह पहली बार होगा कि महिला टीम टूर्नामेंट डेविस कप के समान ही स्थल पर आयोजित किया जाएगा और दोनों की तिथियां एक दूसरे से ओवरलैप होंगी। और लगातार दूसरे वर्ष, इसमें पुरुषों की प्रतियोगिता के बराबर पुरस्कार राशि प्रदान की जाएगी। महिलाओं का यह आयोजन दो सप्ताह बाद शुरू हो रहा है, जब एक शक्तिशाली तूफान के कारण अचानक बाढ़ आ गई थी, जिसमें मालागा के पूर्व में वालेंसिया क्षेत्र में 200 से अधिक लोग मारे गए थे। अंतरराष्ट्रीय टेनिस महासंघ ने क्षेत्र में राहत और पुनर्प्राप्ति प्रयासों का समर्थन करने के लिए स्पेनिश रेड क्रॉस को दान देने की घोषणा की, और स्पेनिश खिलाड़ी पाउला बडोसा ने कहा कि वह पीड़ितों की मदद के लिए अपनी पुरस्कार राशि का आधा हिस्सा दान करेंगी। बडोसा ने सोशल मीडिया पोस्ट पर कहा, मैं अपने देश

का प्रतिनिधित्व करने को लेकर उत्साहित हूं, लेकिन मैं यह नहीं भूलूंगी कि इन क्षणों में वास्तव में क्या महत्वपूर्ण है। मंगलवार को प्रतियोगिता के पहले दिन स्पेन का सामना इगा स्विएटेक की पोलैंड से होगा, जिसका नेतृत्व बडोसा करेंगी, इससे पहले दूसरे स्थान पर रहने वाली पूर्व खिलाड़ी ने पुरानी पीठ की चोट से जूझते हुए संन्यास लेने पर विचार किया था। बडोसा ने कहा, मुझे लगता है कि यह साल थोड़ा उतार-चढ़ाव भरा रहा। मुझे खुद पर बहुत गर्व है कि मैंने इन कठिन परिस्थितियों को कैसे पार किया और साथ ही मैंने इस सीजन को कैसे समाप्त किया। मैंने इस साल को बहुत उच्च स्तर पर समाप्त किया। मैं वास्तव में खुश हूं, क्योंकि इस सीजन में एक समय ऐसा भी था जब मैं उस स्तर से बहुत दूर थी जिस पर मैं पहुंचना चाहती थी। बुधवार को, संयुक्त राज्य अमेरिका का सामना स्लोवाकिया से होगा, जिसमें लिंडसे डेवनपोर्ट की टीम में जेसिका पेगुला की जगह एशिलन क्रुगर होंगी, टीम में अन्य खिलाड़ी डेनियल कोलिन्स, कैरोलिन डोलेहाइड, पीटन स्टर्न्स और टेलर टाउनसेंड भी शामिल हैं। बुधवार को ही, जापान नाओमी ओसाका के बिना रोमानिया के खिलाफ खेलेगा, जबकि गुरुवार को जर्मनी का मुकाबला ब्रिटेन से होगा। गत चैंपियन कनाडा, ऑस्ट्रेलिया, इटली और चेक गणराज्य पिछले मुकाबलों के विजेताओं से मुकाबला करने के लिए तैयार हैं। प्रत्येक मैचअप दो सिंगल्स मैचों और एक डबल्स मैच के साथ बेस्ट-ऑफ-थ्री सीरीज़ होगी।

घाना के आठ फुटबॉलर एएफसीओएन क्वालीफायर से हटे

एजेंसी

अकरा। घाना की राष्ट्रीय फुटबॉल टीम के आठ खिलाड़ियों ने आगामी अफ्रीका कप ऑफ नेशंस (एएफसीओएन) क्वालीफायर से नाम वापस ले लिया है। घाना फुटबॉल एसोसिएशन ने इसकी पुष्टि की। देश की फुटबॉल शासी संस्था के अनुसार, सभी खिलाड़ियों ने मुख्य रूप से चोट और व्यक्तिगत कारणों से नाम वापस लिया है।इन आठ खिलाड़ियों में इनाकी विलियम्स, तारिक लैम्पटे, जोनास एडजेटी, जेरोम ओपोकू, एंटोनी सेमेनियो, अलेक्जेंडर डिजीकू, इब्राहिम उस्मान और जोसेफ पेंटसिल शामिल हैं। कोच ओटो एडो ने अंगोला और नाइजर के खिलाफ अपने महत्वपूर्ण एएफसीओएन क्वालीफायर से पहले टीम से हटने वाले खिलाड़ियों की जगह लेने के लिए छह अतिरिक्त खिलाड़ियों ओस्मान बुकारी, रैन्सफोर्ड येबोआ कोनिग्सडॉर्फर, फोर्सन अमानक्वा, टेरी येगबे, एबेनेजर अन्नान और किंग्सले शिंडलर को बुलाया है।

वर्तमान में ग्रुप एफ में दो अंकों के साथ तीसरे स्थान पर मौजूद घाना (निचले स्थान पर मौजूद नाइजर से एक अंक अधिक) अगले साल मोरक्को में होने वाले एएफसीओएन में जगह पक्की करने के लिए शेष दो मैचों से अंक हासिल करना चाहता है। घाना शुक्रवार, 15 नवंबर को अंगोला का सामना करेगा और सोमवार, 18 नवंबर, 2024 को नाइजर की मेजबानी करेगा।

जननिक सिनर ने घरेलू दर्शकों के सामने जीता नंबर वन रैंकिंग ट्रॉफी

एजेंसी

ट्यूरिन। इटली के टेनिस खिलाड़ी जननिक सिनर को घरेलू दर्शकों के सामने एटीपी नंबर 1 वन की ट्रॉफी से सम्मानित किया गया। एक समारोह के दौरान पूर्व विश्व नंबर 1 बोरिस बेकर और एटीपी चेयरमैन ने अग्रणी 'एटीपी नंबर 1 क्लब' का अनावरण किया। यह क्लब खेल के शिखर पर पहुंचने वाले पूर्व और वर्तमान एटीपी खिलाड़ियों का सम्मान करने के लिए बनाया गया था। सिनर ने अपने पहले दो ग्रैंड स्लैम खिताब ऑस्ट्रेलियन ओपन और यू.एस. ओपन के रूप में जीते। उन्होंने गणितीय रूप से एक महीने पहले वर्ष के अंत में नंबर 1 का खिताब हासिल किया। सिनर ने कहा, इस ट्रॉफी का जश्न मनाने के लिए इससे बेहतर कोई जगह नहीं है। वहीं, उनकी माँ सिग्लिंडे ने भावुक होते हुए कहा, आप सभी के समर्थन के लिए धन्यवाद। 23 वर्षीय सिनर वर्ष के अंत में यह सम्मान पाने वाले 19वें और कुल मिलाकर 29वें खिलाड़ी हैं। शीर्ष आठ खिलाड़ियों के लिए साल के आखिरी इवेंट में

रविवार को अपने शुरुआती मैच में सिनर ने एलेक्स डी मिनौर को हराया और अब मंगलवार को फाइनल में टेलर फ्रिट्ज़ से भिड़ेंगे। सिनर पहली बार अपने घर पर खेल रहे हैं, क्योंकि उनके यू.एस. ओपन खिताब से पहले यह घोषणा की गई थी कि इस साल दो अलग-अलग ड्रग टेस्ट में उनका परीक्षण सकारात्मक आया है। सिनर को गलत कामों से मुक्त करने के फैसले के खिलाफ विश्व डोपिंग निरोधक एजेंसी ने सितंबर में अपील की थी। इस मामले में अंतिम फैसला अगले साल की शुरुआत में आने की उम्मीद है।

फर्ग्यूसन पिंडली की चोट के कारण श्रीलंका के खिलाफ वनडे सीरीज से बाहर; एडम मिल्ने टीम में शामिल

एजेंसी

नई दिल्ली। लॉकी फर्ग्यूसन को दांबुला में श्रीलंका के खिलाफ टी20 सीरीज में जीत के दौरान पिंडली में चोट लग गई थी, जिसके बाद वे न्यूजीलैंड वापस लौट जाएंगे। 33 वर्षीय तेज गेंदबाज दौरे के वनडे चरण से बाहर हो गए हैं, जिसकी शुरुआत 13 नवंबर को तीन मैचों की सीरीज के पहले मैच से होगी। फर्ग्यूसन अभी-अभी दाएं हैमस्ट्रिंग की चोट से उबरकर लौटे थे।

न्यूजीलैंड क्रिकेट (एनजेडसी) की एक विज्ञप्ति में कहा गया है कि श्रीलंका के खिलाफ रविवार को लक्ष्य का पीछा करते हुए अपना दूसरा ओवर फेंकते समय उन्हें कुछ असहजता महसूस हुई। इसके बाद फर्ग्यूसन मैदान से बाहर चले गए और उस टी20 मैच में आगे हिस्सा नहीं ले पाए, हालांकि वे प्लेयर-ऑफ-द-मैच पुरस्कार लेने के लिए वापस लौटे। शुरुआती आकलन के आधार पर उन्हें श्रीलंका दौरे के बाकी मैचों से बाहर कर दिया गया है और न्यूजीलैंड पहुंचने पर उन्हें पूरी तरह से नुकसान का पता लगाने के लिए स्कैन से गुजरना होगा। एडम मिल्ने को फर्ग्यूसन के

प्रतिस्थापन के रूप में टीम में शामिल किया गया है और वे मंगलवार को दांबुला पहुंचेंगे। न्यूजीलैंड के मुख्य कोच गैरी स्टीड ने कहा, हम लॉकी के लिए दुखी हैं,उसने सिर्फ़ दो ओवरों में दिखा दिया कि वह गेंद के साथ कितना बेहतरीन है और उसने इस समूह में बहुत नेतृत्व भी किया है, इसलिए हमारे लिए एक महत्वपूर्ण वनडे सीरीज़ में उसकी कमी महसूस होगी। दौरे की शुरुआत में ही बाहर हो जाना हमेशा मुश्किल होता है, लेकिन हमें उम्मीद है कि वह जल्दी ठीक हो जाएगा और कुछ ही समय में मैदान पर वापस आ जाएगा। एडम एक ऐसा प्रतिस्थापन है जो वास्तविक गति और बहुत सारे अंतरराष्ट्रीय अनुभव लाता है, इसलिए हम समूह में उसका स्वागत करने के लिए उत्सुक हैं।

गुरबाज-ओमरजई की साझेदारी ने खेल का रुख पलट दिया - सिमंस

एजेंसी

शारजाह। बांग्लादेश के मुख्य कोच फिल सिमंस ने शारजाह में तीसरे वनडे में अफगानिस्तान की सीरीज-क्लिनिंग जीत के लिए रहमानुल्लाह गुरबाज और अजमतुल्लाह उमरजई के बीच शतकीय साझेदारी की सराहना की। वेस्टइंडीज के इस पूर्व खिलाड़ी को यह भी लगता है कि तीसरे वनडे की पिच पहले दो मैचों की तुलना में काफी बेहतर थी। अफ़गानिस्तान ने पहले वनडे में बांग्लादेश को 92 रनों से और दूसरे मैच में 68 रनों से हराया था। तीसरे वनडे में, 245 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए अफगानी टीम 21वें ओवर में 84 रन पर 3 विकेट खोकर मुश्किल में थी, लेकिन गुरबाज (101) और उमरजई (70*) ने चौथे विकेट के लिए 100 रनों की साझेदारी कर टीम को जीत दिला दी। मैच के बाद पत्रकारों से सिमंस ने कहा, मुझे लगता है कि जब उमरजई आए, तो उन्होंने साझेदारी बनानी शुरू कर दी। वे दो खतरनाक बल्लेबाज हैं। अगर हमें उस समय विकेट नहीं मिलता, तो वे बड़ी साझेदारी करने वाले थे। तभी चीजें बदल गईं। यह लंबे समय में शारजाह में सबसे अच्छे विकेटों में से एक है। पहले दो मैचों में दूसरे नंबर पर बल्लेबाजी करना मुश्किल था, लेकिन पूरे समय (तीसरे वनडे के लिए) बल्लेबाजी करना अच्छा था और इस मैच के विकेट के लिए ग्राउंड्समैन को श्रेय जाता है। इस बीच, सिमंस ने अपने डेब्यू वनडे में नाहिद राणा के प्रदर्शन की प्रशंसा की और भविष्य के लिए उन्हें निखारने का आश्वासन दिया। बांग्लादेश के सबसे तेज गेंदबाज माने जाने वाले 22 वर्षीय दाएं हाथ के तेज गेंदबाज ने लाल गेंद वाले क्रिकेट में अपनी क्षमता दिखाई है। तीसरे वनडे में, उन्होंने 147 किमी प्रति घंटे की खूबसूरत गेंद पर सेदिकुल्लाह अटल और फिर गुलबदीन नैब को भी आउट किया और मैच में 40 रन देकर 2 विकेट लिए। सिमंस ने कहा, राणा ने असाधारण रूप से अच्छी गेंदबाजी की। आप गति नहीं खरीद सकते। आप लोगों को तेज होना नहीं सिखा सकते। राणा के लिए यह स्वाभाविक है। हम इसे यथासंभव विकसित करने का प्रयास करेंगे। वह एक रोमांचक प्रतिभा है क्योंकि उसका तेज गेंदबाजी करने का नजरिया है। मुझे जो दिखता है, वह मुझे पसंद है। सिमंस ने महमूदुल्लाह की 98 रन की पारी और मेहदी हसन मिराज (119 गेंदों पर 66 रन) के साथ उनके पांचवें विकेट के लिए 145 रन की साझेदारी की भी प्रशंसा की, जिसने 15वें ओवर में 72 रन पर चार विकेट गंवाने के बाद टीम को बचाया। सिमंस ने कहा, मुझे लगता है कि यह महमुदुल्लाह की एक बेहतरीन पारी थी।

खेल मंत्रालय ने इंडियन ब्लाइंड क्रिकेट टीम को पाकिस्तान जाने की दी अनुमति

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत सरकार के खेल मंत्रालय ने भारत की ब्लाइंड क्रिकेट टीम को पाकिस्तान में होने वाले टी20 वर्ल्ड कप में खेलने के लिए अनापत्ति प्रमाण पत्र यानि 'नो ऑब्जेक्शन सर्टिफिकेट' (एनओसी) दे दिया है। इस महीने के अंत में ही पाकिस्तान में ये टूर्नामेंट होना है। केंद्रीय खेल और युवा मामलों के मंत्रालय ने इंडियन ब्लाइंड क्रिकेट टीम को इस विश्वकप के लिए अपनी इजाजत दे दी है। पाकिस्तान में यह प्रतियोगिता 23 नवंबर से 03 दिसंबर तक खेली जानी है। हालांकि खेल मंत्रालय की ओर से अनापत्ति प्रमाण पत्र मिलने के बाद भी टीम का पाकिस्तान जाना कन्फर्म नहीं है क्योंकि गृह मंत्रालय और विदेश मंत्रालय से अंतिम इजाजत मिलनी अभी बाकी है।बतादें

कि भारतीय क्रिकेट टीम को वर्ष 2018 में भी अनुमति नहीं मिली थी। जबकि पिछले साल भारत में हुए इसी विश्वकप के लिए पाकिस्तानी टीम भारत नहीं आई थी।

वर्ल्ड यूनिवर्सिटी शूटिंग चैम्पियनशिप में मप्र अकादमी के खिलाड़ी नीरू से जीता रजत

एजेंसी

भोपाल। दिल्ली में 9 से 13 नवंबर तक आयोजित वर्ल्ड यूनिवर्सिटी शूटिंग चैम्पियनशिप-2024 में मध्य प्रदेश खेल अकादमी के खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन जारी है। अंतरराष्ट्रीय स्तर की इस चैम्पियनशिप में खेल अकादमी की खिलाड़ी नीरू ढांडा ने रजत पदक जीता। जनसम्पर्क अधिकारी दुर्गेश रायकवार ने बताया कि प्रतियोगिता में मप्र अकादमी के खिलाड़ी ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर ने रायफल में रविवार को एक स्वर्ण और एक रजत पदक हासिल किया था। इस तरह चैम्पियनशिप में खेल अकादमी के खिलाड़ियों ने अब तक कुल तीन पदक प्राप्त किये हैं। प्रदेश के खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर और नीरू ढांडा को पदक प्राप्त करने पर बधाई एवं शुभकामनाएँ दी हैं। प्रतियोगिता में चेक रिपब्लिक की जीना हार्डलीकोवा ने स्वर्ण और भारत की कीर्ति गुप्ता ने काँस्य पदक प्राप्त किया। नीरू ढांडा ने कुल 43 अंक अर्जित कर फायनल में रजत पदक प्राप्त किया। फायनल जीतने वाली चैक रिपब्लिक की खिलाड़ी ने 45 अंक अर्जित किये। कांस्य पदक प्राप्त करने वाली कीर्ति गुप्ता ने 32 अंक अर्जित किये। वहीं, जम्मू में 6 से 10 नवंबर तक आयोजित आॅल इण्डिया इंटर यूनिवर्सिटी चैम्पियनशिप में खेल अकादमी के खिलाड़ियों ने अच्छा प्रदर्शन करते हुए टीम

इवेंट में कांस्य पदक प्राप्त किया। खेल अकादमी के फेंसिंग खिलाड़ी खुशी दभाड़े, प्रज्ञा सिंह, अंजलि बाथरे और अंजू परिहार ने अच्छा प्रदर्शन करते हुए ईपी महिला टीम स्पर्धा में कांस्य पदक हासिल किया। खेल मंत्री सारंग ने खेल अकादमी के सभी विजेता खिलाड़ियों को बधाई दी है।

आदविक चोपड़ा का राज्य स्तरीय रोलर स्केटिंग प्रतियोगिता में चयन

एजेंसी

मुरादाबाद। रोल बॉल स्पोर्ट्स संघ मुरादाबाद के सचिव व आरएसडी स्पोर्ट्स एकेडमी के स्केटिंग कोच शाहवेज अली ने बताया कि 12 से 14 नवम्बर तक नोएडा के आरएसएफआई राष्ट्रीय स्केटिंग ट्रैक पर आयोजित होने वाली 8वीं राज्य रोलर स्केटिंग प्रतियोगिता में मुरादाबाद के आरएसडी स्पोर्ट्स एकेडमी के स्केटर आदविक चोपड़ा का चयन हुआ है। शाहवेज अली ने आगे बताया कि आदविक चोपड़ा उनके पास पिछले एक वर्ष से स्केटिंग का अभ्यास कर रहे हैं। उनकी आयु केवल 7 वर्ष है और इनलाइन स्केट्स कैटेगरी में है। आदविक के पिता रचित चोपड़ा का सपना है कि उनका बेटा अंतरराष्ट्रीय स्तर का खिलाड़ी बने। इसलिए उन्होंने आदविक चोपड़ा को 4 वर्ष की आयु से ही खेलों में शामिल कर दिया। उन्हें विश्वास है कि उनका बेटा एक दिन भारत के लिए जरूर पदक जीतेगा। इस अवसर पर आर एस डी

स्पोर्ट्स एकेडमी के निदेशक डॉ, विनोद कुमार, डॉ. जी कुमार सहित सभी ने आदविक चोपड़ा को शुभकामनाएं दीं और उसका मनोबल बढ़ाया ।

यू मुंबा का विजयरथ रोक टेबल टॉपर बने हरियाणा स्टीलर्स

एजेंसी

नोएडा। यू मुंबा का विजयरथ रोकते हुए हरियाणा स्टीलर्स प्रो कबड्डी लीग के 11वे सीजन में पहली बार टेबल टॉपर बन गई है। नोएडा इंडोर स्टेडियम में खेले गए सीजन के 48वें मैच में हरियाणा ने शानदार वापसी करते हुए यू मुंबा को लगातार तीन जीत के बाद 48-39 के अंतर से हार को मजबूर किया। हरियाणा को आठ मैचों में लगातार तीसरी और कुल छठी जीत मिली है। मुंबा को नौ मैचों में तीसरी हार का सामना करना पड़ा। हरियाणा की जीत के हीरो विशाल टाटे (10), शिवम पटारे (10) और मोहम्मदरेजा शादलू (10) रहे। शादलू ने रेड में चार और डिफेंस मे छह अंक लेकर अजीत चव्हाण (18) के शानदार प्रदर्शन को फीका साबित किया। अजीत की मैच की पहली रेड पर गुजरात को दोनों कार्नर डिफेंडर्स सेल्फ आउट होकर बाहर हो गए। हरियाणा ने हालांकि जल्द ही स्कोर 2-2 कर दिया। इस बीच डबल एंट्री के कारण हरियाणा को एक टेक्निकल प्वाइंट मिला। पांच मिनट तक हालांकि स्कोर 4-4 हो गया था लेकिन शिवम ने दो अंक की रेड के साथ हरियाणा को आगे कर दिया। इसके बाद तो अजीत ने कमाल कर दिया। दो रेड में चार अंक (सुपर रेड के साथ) लेकर उन्होंने न सिर्फ मुंबा को 8-6 से आगे किया बल्कि हरियाणा को आलआउट की ओर भी धकेल दिया। फिर अजीत ने आलआउट को अंजाम देकर मुंबा को 12-7 से आगे कर दिया। 10 मिनट की समाप्ति तक मुंबा के पास सात अंकों की लीड थी। हरियाणा ने हालांकि इसके बाद चार अंक लेते हुए वापसी की राह पकड़ी लेकिन सुपर-10 पूरा कर चुके अजीत उसका काम खराब करते दिख रहे थे। एक और मल्टी प्वाइंट रेड के साथ उन्होंने स्कोर 21-12 कर दिया। इसके बाद लगातार चार अंक के साथ हरियाणा ने फिर वापसी की बिगुल बजाई। मुंबा के लिए सुपर टैकल आन था। शिवम ने चौथी रेड में तीसरे अंक के साथ उसे आलआउट की ओर धकेला और इसे अंजाम देकर स्कोर 21-22 कर दिया। पहले हाफ की समाप्ति तक मुंबा एक अंक से आगे थे लेकिन शिवम ने मुकाबला बराबरी पर ला दिया लेकिन अपने 17वें रेड प्वाइंट के दम पर अजीत ने मुंबा को 27-24 से आगे कर दिया।

गुजरात जाएंट्स की लगातार सातवीं हार, पटना पाइरेट्स ने 13 अंक से हराया

एजेंसी

नोएडा। गुजरात जाएंट्स को प्रो कबड्डी लीग के 11वें सीजन में लगातार सातवीं हार का सामना करना पड़ा है। तीन बार के चैंपियन पटना पाइरेट्स ने नोएडा इंडोर स्टेडियम में खेले गए सीजन के 47वें मैच में गुजरात को -40-27 के अंतर से हरा दिया। इसी के साथ ही सीजन की पांचवीं जीत ने पटना को अंक तालिका में तीसरे स्थान पर पहुंचा दिया है। पटना के लिए अयान ने 10 अंक लिए जबकि देवांक ने छह अंक जुटाए। संदीप ने भी पांच अंक का योगदान दिया। डिफेंस में दीपक ने चार और शुभम ने तीन अंक लिए। गुजरात के लिए गुमान सिंह ने पांच अंक जुटाए जबकि राकेश ने चार अंक लिए। डिफेंस में मोहित ने चार और जीतेंद्र ने तीन अंक लिए। लगातार हार से हकलान गुजरात ने इस अहम मैच में अच्छी शुरुआत करते हुए चार मिनट के भीतर 5-1 की लीड ले ली। पटना ने हालांकि वापसी की राह पकड़ी और सात मिनट की समाप्ति तक स्कोर 6-7 कर दिया। फिर अयान ने एक अद्भुत छलांग के साथ स्कोर बराबर कर दिया। गुजरात ने इसके बाद दो अंक की लीड ली लेकिन फिर पटना ने 10वें मिनट की समाप्ति तक स्कोर फिर से बराबर कर लिया। ब्रेक के बाद पटना ने पहली बार मैच में दो अंक लीड ली। अब गुजरात के लिए सुपर टैकल आन था और परतीक ने अयान को सुपर टैकल करते हुए स्कोर 11-11 कर दिया। इसके बाद देवांक की रेड पर दोनों टीमों को एक-ए अंक मिला। 14वें मिनट में गुजरात के लिए राकेश डू ओर डाई रेड पर आए लेकिन लपक लिए गए। वह हालांक बोनस ले चुके थे। गुजरात फिर सुपर टैकल सिचुएशन में थे और इसक फायदा लेते हुए इस टीम ने 15-13 की लीड ले ली। देवांक ने अगली रेड पर गुजरात को फिर सुपर टैकल सिचुएशन में धकेला और फिर डू ओर डाई रेड पर

हिमांशु को लपक उसे आलआउट की ओर ले गए। और फिर इसे अंजाम देकर 19-16 की लीड बना ली। पटना ने आलइन के बाद लगातार दो अंक लिए और 21-16 स्कोर के साथ पाला बदला।

गुजरात ने हालांकि हाफटाइम के बाद वापकी की राह पकड़ी और लगातार दो अंक के साथ स्कोर 18-21 कर दिया। इसके बाद हालांकि पटना ने 1 के मुकाबले तीन अंक लेते हुए उसकी वापसी थामते हुए 24-19 की लीड ले ली। गुजरात के तीन रेडर्स-गुमान, परतीक और राकेश अंक नही ले पा रहे थे और इसी कारण यह टीम लगातार पिछड़ी हुई थी। गुजरात के लिए सुपर टैकल आन था। संदीप ने गलती कराई और गुजरात को आलआउट की ओर धकेल दिया। 30 मिनट के बाद पटना ने 29-21 की लीड ले रखी थी। ब्रेक के बाद गुजरात को दूसरी बार आलआउट कर पटना ने 10 अंक की लीड ले ली,जिसे अयान और देवांक ने 13 कर दिया। इसके बाद डिफेंस ने राकेश का शिकार कर 14 अंक की लीड के साथ अपनी टीम की जीत लगभग पक्की कर दी। पटना ने हालांकि इसके बाद भी दबाव बरकरार रखते हुए 38वें मिनट में गुजरात को सुपर टैकल सिचुएशन में डाला। गुजरात ने सुपर टैकल के दो अंक हासिल किए लेकिन तब तक काफी देर हो चुकी थी।

तलाक के लिए तैयार नहीं थीं ईशा कोप्पिकर

पति की वजह से लिया ये फैसला

ईशा कोप्पिकर बॉलीवुड इंडस्ट्री का जाना माना नाम हैं, हालांकि कुछ वक्त से एक्ट्रेस लोगों की नजर से दूर रही है. पिछले साल लोगों की बीच ईशा चर्चा में तब आई जब उनके तलाक की खबर सामने आने लगी. ईशा ने बिजनेसमैन टिम्मी नारंग से शादी रचाई थी, बाद में 14 साल के इस रिश्ते के बाद दोनों ने एक-दूसरे से अलग होने का फैसला ले लिया. हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने तलाक को लेकर एक इंटरव्यू में खुलकर बात की है.अपने मुश्किल वक्त को याद करते हुए ईशा ने बताया कि पाली हिल के घर को छोड़ना उनके लिए बहुत मुश्किल फैसला था. उन्होंने अपने तलाक के बारे में बात करते हुए बताया कि अलग होने का फैसला उनके एक्स हसबैंड टिम्मी नारंग का था. अपना रिएक्शन शेयर करते हुए उन्होंने बताया कि जब टिम्मी ने अपना फैसला बताया तो वो काफी नाराज हो गई थीं, क्योंकि वो अभी इसके लिए तैयार नहीं थीं, उन्हें ये फैसला अच्छा नहीं लग रहा था.

तलाक के बारे में की बात

ईशा कोप्पिकर ने बॉम्बे टाइम्स के साथ हुई बातचीत में कहा कि एक दुखी रिश्ते में रहकर एक-दूसरे के जिंदगी को दुखी करना बहुत आसान है, लेकिन आगे बढ़ना और अलग-अलग रास्ते को अपनाना उतना ही मुश्किल है. जब उनसे अलग होने की वजह पूछी गई तो एक्ट्रेस ने जवाब देते हुए कहा कि वो पूरी वजह तो नहीं बता सकती कि क्या गलत हुआ, लेकिन उन्हें ऐसा लगता है कि वो बस अलग हो गए.

बेटी के रिएक्शन की थी फिक्र

तलाक की बात करते हुए ईशा ने बताया कि उन्हें अपनी बेटी रिआना की फिक्र थी कि आखिर वो इस पर कैसा रिएक्शन देगी. जब टिम्मी ने तलाक की घोषणा कर दी तो ये हरकत ईशा को काफी गैर जिम्मेदाराना लगा था, क्योंकि वो चाहती थीं कि उनकी बेटी इस बात को धीरे-धीरे समझे. लेकिन टिम्मी ने इससे पहले ही ये बात सामने रख दी. हालांकि ईशा ने बताया कि बाद में टिम्मी को भी अपनी गलती का एहसास हो गया था.

रणवीर सिंह

शाहरुख के बाद अब सोनू सूद को मिली बड़ी जिम्मेदारी, बनाया गया इस देश का ब्रांड एम्बेसडर

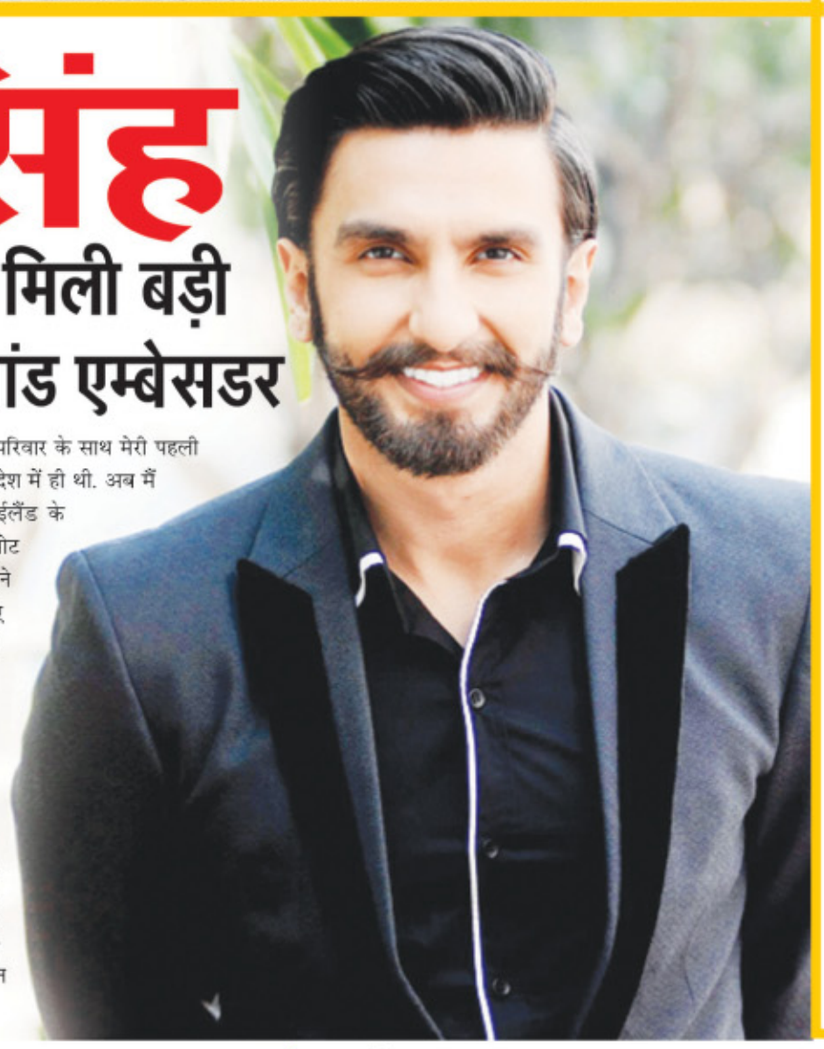

बॉलीवुड एक्टर सोनू सूद आज देश का बड़ा चेहरा हैं. जिस तरह से साउथ से आकर उन्होंने हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में जगह बनाई वो जर्नी अद्भुत है. एक्टर ने कोरोना काल में लोगों की मदद की और प्रवासियों को राह दिखाई. इसके बाद से ही सोनू सूद देश के नेशनल लीडर बन गए. आज भी एक्टर सोशल मीडिया के जरिए

जितना भी हो पाता है लोगों की मदद करते हैं. अब इसका उन्हें लाभ भी मिलता नजर आ रहा है. उन्हें थाईलैंड सरकार ने इस योग्य समझा है और थाईलैंड टूरिज्म को प्रमोट करने का ब्रांड एम्बेसडर बना दिया है.सोनू सूद ने खुद इस बात की जानकारी सोशल मीडिया के जरिए शेयर की है. एक्टर ने लिखा- मैं थाईलैंड के ट्यूरिज्म का ब्रांड एम्बेसडर और एडवाइजर बनने के मौके पर विनम्र और सम्मानित महसूस कर रहा हूं. परिवार के साथ मेरी पहली इंटरनेशनल ट्रिप इस खूबसूरत देश में ही थी. अब मैं अपने इस रोल के जरिए थाईलैंड के कल्चर और हैरिटेज को प्रमोट करने के लिए एक्साइटेड हूं. इतने सारे प्यार और बधाइयों के लिए आपका शुक्रिया. सोनू सूद ने इसी के साथ एक तस्वीर शेयर की है जिसमें वे थाईलैंड के कुछ अधिकारियों संग नजर आ रहे हैं.

देश के नागरिकों की पसंद

पहले के समय में सोनू सूद एक ऐसे एक्टर के तौर पर जाने जाते थे जो सिर्फ साउथ इंडस्ट्री में सक्रिय रहते हैं और जो कभी-कभी बॉलीवुड फिल्मों में विलेन के रोल में नजर आते हैं.

चार 'गोलमाल' से रोहित शेट्टी की तिजोरी में कितने करोड़ आए? अब हो रही पांचवें पार्ट की तैयारी

रोहित शेट्टी ने 'गोलमाल 5' का ऐलान कर दिया है. वो एक बार फिर से अजय के साथ मिलकर कॉमेडी जॉनर की फिल्म बनाने वाले हैं और 'गोलमाल' फ्रेंचाइजी को आगे बढ़ाने वाले हैं. 1 नवंबर को दोनों की फिल्म सिंघम अगेन रिलीज हुई है. इस फिल्म की वजह से दोनों काफी ज्यादा सुर्खियों में हैं. इस चर्चा के बीच रोहित ने बताया कि उनकी अगली फिल्म 'गोलमाल 5' होने वाली है. वो अब किसी भी कॉप फिल्म से पहले 'गोलमाल 5' बनाएंगे.जिस तरह से 'सिंघम' रोहित की पॉपुलर फिल्म फ्रेंचाइजी है, ठीक उसी तरह 'गोलमाल' भी है. इस फ्रेंचाइजी की अब तक चार फिल्में आ चुकी हैं और सभी फिल्मों को लोगों का खूब प्यार मिला. अब जब रोहित ने 'गोलमाल 5' की अनाउंसमेंट कर दी है तो इस बीच चलिए ये जानते हैं कि अब तक इस फ्रेंचाइजी की जो चार फिल्में आई हैं, उन फिल्मों ने मिलकर कितना कलेक्शन किया है.

गोलमाल: फन अनलिमिटेड (2006)

शुरुआत करते हैं 'गोलमाल: फन अनलिमिटेड' से. ये फिल्म का पहला पार्ट है, जो साल 2006 में आया था. फिल्म को लोगों का भरपूर प्यार मिला था. इतना प्यार कि 15 करोड़ के बजट में बनी इस फिल्म ने वर्ल्डवाइड बॉक्स ऑफिस पर 46.72 करोड़ रुपये का कलेक्शन कर लिया था. इसी के साथ फिल्म हिट साबित हुई थी

गोलमाल रिटर्न्स (2008)

रोहित शेट्टी और अजय साल 2008 में 'गोलमाल रिटर्न्स' के नाम से इस फ्रेंचाइजी का दूसरा पार्ट लेकर आए थे. रिपोर्ट की मानें तो 35 करोड़ रुपये में बनी इस फिल्म ने वर्ल्डवाइड 80 करोड़ रुपये अपने नाम किए थे. इसे हिट का टैग मिला था.

गोलमाल 3 (2010)

साल 2010 में 'गोलमाल 3' आई. फिल्म को इतना तगड़ा रिस्पॉन्स मिला कि ये ब्लॉकबस्टर साबित हुई थी. इसका बजट 50 करोड़ रुपये था और वर्ल्डवाइड बॉक्स ऑफिस पर कलेक्शन 169.56 करोड़ रुपये हुई थी.

गोलमाल अगेन (2017)

'गोलमाल अगेन' यानी चौथा पार्ट भी ब्लॉकबस्टर था. इस फिल्म को बनाने में मेकर्स ने 142 करोड़ रुपये खर्च किए थे और इस फिल्म ने मेकर्स को 310 करोड़ रुपये कमाकर दिए थे. यानी अब तक 'गोलमाल' के चार पार्ट से तकरीबन 600 करोड़ रुपये की कमाई हुई है.

कभी विक्की के ऑडिशन तक के लिए मना कर दिया जाता था, पिता शाम कौशल ने शेयर किया अपने बेटे के एक्टिंग करियर का संघर्ष

विक्की कौशल आज फिल्म इंडस्ट्री में एक बड़ा नाम बन चुके हैं। उनकी फिल्में जैसे मसान, सैम बहादुर और सरदार उधम सिंह ने उन्हें दर्शकों के बीच खास पहचान दिलाई है। लेकिन विक्की का सफर आसान नहीं रहा। वह सीनियर स्टंट डायरेक्टर शाम कौशल के बेटे हैं, फिर भी उन्हें फिल्म इंडस्ट्री में अपनी जगह बनाने के लिए काफी संघर्ष करना पड़ा।

विक्की को मिले कई रिजेक्शन

विक्की ने कई बार रिजेक्शन का सामना किया और उनकी कड़ी मेहनत के बावजूद, कई बार तो उन्हें ऑडिशन तक देने से मना कर दिया जाता था। यह बात खुद विक्की के पिता, शाम कौशल ने साझा की। शाम ने बताया कि वह शुरू से ही चाहते थे कि उनके बच्चे अच्छी पढ़ाई पर ध्यान दें और एक सुरक्षित करियर चुनें। जब विक्की और उनके भाई ने कहा कि वे एक्टर बनना चाहते हैं, तो यह बात उन्हें एक शॉक की तरह लगी, क्योंकि वह भी फिल्म इंडस्ट्री से जुड़े हुए थे। हालांकि, शाम ने अपने बच्चों का साथ दिया और कभी उन्हें अपने सपनों का पीछा करने से नहीं रोका।

पिता ने किया था विक्की का सपोर्ट पर पेशेवर मदद नहीं की

शाम कौशल ने कहा, मैं अपने बच्चों को मना नहीं कर सकता था क्योंकि मैं खुद फिल्म इंडस्ट्री से जुड़ा हुआ था और यहां काम कर रहा था। मुझे लगा कि लोग मेरे सम्मान में मेरे बच्चों को चाय पिलाने के लिए बुला सकते हैं, लेकिन कोई भी उनके साथ फिल्म में करोड़ों का निवेश नहीं करेगा। मैं भी एक गांव से आया हूं और कड़ी मेहनत करता हूं, इसलिए मुझे यह भी पता था कि अगर वह मेहनत और ईमानदारी से काम करेंगे, तो उनके रास्ते में कोई रुकावट नहीं आएगी।

विक्की के लिए एक पिता का डर

हाल ही में, शाम कौशल ने एक दिलचस्प बात शेयर की। उन्होंने बताया कि फिल्म डंकी में विक्की को एक खतरनाक फायर सुसाइड सीन करते हुए वह डर गए थे। शाम ने कहा, "काम के मामले में मैं बहुत निर्दयी हूं और हमेशा सोचता हूं कि कैसे यह सीन सबसे बेहतरीन बनेगा। लेकिन जब मैंने विक्की को आग वाले स्टंट करते देखा, तो मैं डर गया।" यह बात दर्शाती है कि भले ही वह एक स्टंट डायरेक्टर हों, लेकिन अपने बेटे को खतरनाक स्टंट करते देखना एक पिता के लिए हमेशा चुनौतीपूर्ण होता है।

विक्की की आने वाली फिल्में

विक्की कौशल की हाल ही में फिल्म बैड न्यूज रिलीज हुई थी और वह जल्द ही छावा फिल्म में नजर आएंगे। इस फिल्म में उनके साथ रश्मिका मंदाना, अक्षय खन्ना, दिव्या दत्ता और आशुतोष राणा जैसे बड़े कलाकार होंगे।